राम मंदिर चंदा घोटाले पर मायावती.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 88 | गाजियाबाद / बुधवार 01 जुलाई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

हाई-कॉन्सेप्ट हॉरर फिल्म में... 11

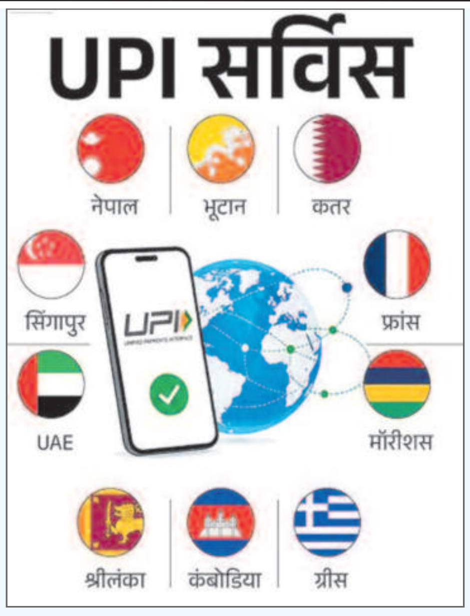

ग्रीस में शुरू हुई भारत की यूपीआई सर्विस

● अब दुनिया के 10 देशों में डिजिटल पेमेंट कर सकेंगे भारतीय ● केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की मौजूदगी में लाइव डेमो हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अब ग्रीस में भी लाइव हो गया है। ग्रीस इस डिजिटल पेमेंट नेटवर्क से जुड़ने वाला नया देश बन गया है। एथेंस में यूरोबैंक के हेडक्वार्टर में यूरोबैंक और एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड की पार्टनरशिप से शुरू हुई इस सर्विस का लाइव डेमो भी देखा गया।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल लाइव डेमो देखा- केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एथेंस की अपनी ऑफिशियल विजिट के दौरान इस सर्विस के लाइव डेमो को देखा। उन्होंने कहा कि यूपीआई को मिल रही वैश्विक स्वीकार्यता से यह साबित होता है कि भारत की टेक्नोलॉजी पर दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है।

अब 10 देशों में मिलेगी यूपीआई की सुविधा- ग्रीस के इस नेटवर्क में शामिल होने के बाद अब दुनिया के 10 देशों में अलग-अलग रूपों में यूपीआई का इस्तेमाल किया जा सकेगा। यह भारतीय यात्रियों के लिए क्यूआर-कोड आधारित मर्चेंट पेमेंट से लेकर क्रॉस-बॉर्डर रेमिटेंस सर्विसेज (पैसे ट्रांसफर करने) तक की सुविधा देता है।

ग्रीस से पहले कंबोडिया में शुरू हुआ था यूपीआई- ग्रीस से ठीक पहले कंबोडिया इस लिस्ट में शामिल होने वाला 9वां देश बना था। इसके लिए एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड ने वहां के एसीएलईडीए बैंक के साथ पार्टनरशिप की थी। इसके तहत कंबोडिया के नेशनल क्यूआर कोड केएचक्यूआर के जरिए क्रॉस-बॉर्डर यूपीआई पेमेंट्स की शुरुआत की गई थी।

फ्रांस के एफिल टॉवर से हुई थी शुरुआत

यूरोप में यूपीआई के विस्तार में फ्रांस एक बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। साल 2024 में पेरिस के एफिल टॉवर से यूपीआई को लॉन्च किया गया था। इसके बाद इस सर्विस का विस्तार वहां के बड़े रिटेल डेस्टिनेशंस जैसे नीस में स्थित 'गैलरीज लाफायेट' तक किया गया।

संक्षिप्त समाचार

पेट्रोल बेचने वाली कंपनियां तुरंत दाम घटाएं: ट्रम्प

● कच्चा तेल सस्ता, फिर भी ग्राहकों से ज्यादा पैसे वसूले जा रहे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पेट्रोल बेचने वाली कंपनियों से तुरंत पेट्रोल के दाम घटाने को कहा है।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि कच्चे तेल की कीमत घटकर 68 डॉलर प्रति बैरल रह गई है, लेकिन इसका फायदा ग्राहकों तक नहीं पहुंच रहा। उन्होंने कहा कि लोग अब भी जरूरत से ज्यादा कीमत चुका रहे हैं, जबकि तेल लगातार सस्ता हो रहा है। उन्होंने कंपनियों से पेट्रोल की कीमत करीब 2.50 डॉलर प्रति गैलन तक लाने की अपील की। ट्रम्प ने कहा कि ग्राहकों से जरूरत से ज्यादा पैसे वसूलना गैरकानूनी है।

बरेली में पंडित राधेश्याम की प्रतिमा का अनावरण

● एकमात्र राजा राम ही हैं...विरासत का सम्मान न करने वाले कभी प्रगति नहीं करते

लखनऊ/बरेली (एजेंसी)। बरेली में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रसिद्ध कथावाचक और 'राधेश्याम रामायण' के रचयिता पंडित राधेश्याम की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने

कहा कि विरासत का सम्मान ही प्रगति का आधार है। हर भारतीय के रोम-रोम में राम बसे हैं। उन्होंने संत तुलसीदास का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने अकबर के दरबार में जाने से इनकार कर दिया था, क्योंकि उनके लिए राम से बड़ा कोई दरबार नहीं था। रामपुर में जनसभा को संबोधित करने के बाद मुख्यमंत्री सीधे बरेली पहुंचे। पुलिस लाइन में हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद वे सड़क मार्ग से जीआईसी ऑडिटोरियम पहुंचे, जहां उन्होंने पंडित राधेश्याम की प्रतिमा का लोकार्पण किया और उनकी रचित राधेश्याम रामायण की सराहना की।

कर्णप्रयाग, नगरासू और ऋषिकेश के बाद अब मसूरी में बवाल

● हरियाणा के पर्यटक ने लोगों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में पर्यटकों के उपद्रव की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले ऋषिकेश, फिर कर्णप्रयाग, उसके बाद नगरासू और अब मसूरी में पर्यटकों ने सारी हदें पार कर दी हैं। पर्यटन सीजन में एक घटना खत्म नहीं हो पा रही है कि दूसरी घटना सिर उठा ले रही है। अब मसूरी में

हरियाणा के पर्यटक ने लोगों पर जानलेवा हमला कर दिया। कर्णप्रयाग, नगरासू और ऋषिकेश के बाद अब मसूरी में बवाल: मसूरी के माल रोड पर सोमवार की रात काफी हंगामेदार रही। यहां एक स्थानीय दंपति माल रोड पर टहर रहे थे। इसी दौरान रोड से हरियाणा के पर्यटकों की कार गुजरी। कार ने दंपति को टक्कर मार दी।

● राम मंदिर चोरी मामला

अयोध्या पहुंचे यूपी कांग्रेस अध्यक्ष नजरबंद

● कई कांग्रेस नेता हाउस अरेस्ट, सीसीटीवी की निगरानी में तैनात अफसर का 17 साल बाद ट्रांसफर

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को नजरबंद कर दिया गया है। विरोध कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस में धक्का-मुक्की हुई।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर सियासत तेज हो गई। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने सोमवार देर रात 11.30 बजे अयोध्या के एक होटल में नजरबंद कर दिया। थोड़ी देर बाद उन्हें कृषि विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस ले गई।

कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शर्मा,

तनुज पूनिया और उज्जवल रमण सिंह को हाउस अरेस्ट किया गया है। अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस डेलिगेशन चढ़ावा चोरी का विरोध करने पहुंचा था।

● **17 साल बाद आरएमओ का ट्रांसफर, सीसीटीवी की जिम्मेदारी संभालते थे-** राम मंदिर में 17 साल से तैनात रेडियो ऑपरेशन अधिकारी (आरएमओ) अर्जुन देव का ट्रांसफर हो गया। उन्हें गोरखपुर भेजा गया है। एसआईटी ने उनकी भूमिका को जांच के दायरे में लिया है। चढ़ावे की गिनती वाले काउंटिंग रूम के सीसीटीवी और राम मंदिर के 1600 कैमरों की निगरानी की जिम्मेदारी उनके पास थी। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी रिपोर्ट में अर्जुन की 17 साल से अयोध्या में तैनाती और ट्रस्ट के कामों में दखल का जिक्र है। रामलला जब टेंट में थे, तब भी अर्जुन सीसीटीवी का काम देखते थे। वह 2009 से अयोध्या में तैनात हैं। इस दौरान कई बार ट्रांसफर के आदेश जारी हुए, लेकिन हर बार ट्रांसफर रुक गया।

चंपत राय से 3 घंटे पूछताछ

सरकार ने एसआईटी से फाइनल रिपोर्ट मांगी

चंपत राय से रविवार को पुलिस ने करीब 3 घंटे पूछताछ की। पूछा कि उन्हें चढ़ावा चोरी का पता पहली बार कब और कैसे लगा। उसके बाद क्या-क्या किया। इससे पहले, कोर्ट ने सोमवार को चढ़ावा चोरी में गिरफ्तार 8 आरोपियों की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ा दी। सूत्रों के मुताबिक,

सरकार ने एसआईटी से फाइनल रिपोर्ट जल्द से जल्द सौंपने को कहा है। चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया था। यूपी सरकार ने 13 जून को एसआईटी बनाई। 25 जून को एफआईआर हुई। रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसी दिन मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया।

हमारा पानी रोका तो हाथ काट देंगे: पाक मंत्री

सिंधु जल संधि अब भी लागू, भारत इसे एकतरफा खत्म नहीं कर सकता

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि पर एक बार फिर भारत को धमकी दी है। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन मंत्री मुसादिक मलिक ने कहा कि अगर किसी ने पाकिस्तान के हिस्से का पानी रोकने की कोशिश की तो हम उन हाथों को काट देंगे। उन्होंने दावा किया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी को रोकना चाहता है।

मुसादिक मलिक ने सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, पड़ोसी देश के प्रधानमंत्री के हाथ में एक नल है। वे कहते हैं कि पाकिस्तान में

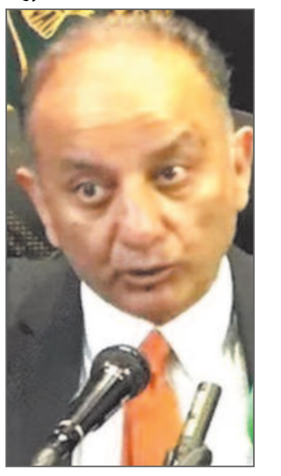

पानी की एक बूंद भी नहीं जाने देंगे। जो हमारे हिस्से के पानी पर दावा करेंगे, उनके हाथ काट दिए जाएंगे।

● **21 जून को पाक रक्षा मंत्री बोले थे- भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकते हैं-** पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 21 जून को सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी थी। पाकिस्तानी चैनल से बातचीत में आसिफ ने कहा कि अगर पाकिस्तान को लगा कि उसकी जल सुरक्षा खतरे में है, तो वह भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा है और रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है।

सिंधु जल संधि पर सेमिनार करेगा पाकिस्तान

पाकिस्तानी मंत्रियों ने बताया कि मंगलवार को इस्लामाबाद में सिंधु जल संधि पर पहला अंतरराष्ट्रीय सेमिनार किया जाएगा। इसमें कानूनी एक्सपर्ट, जल एक्सपर्ट्स और विदेशी प्रतिनिधि शामिल होंगे। सेमिनार में संधि के कानूनी और तकनीकी पहलुओं पर चर्चा होगी। डॉन के मुताबिक, तरार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत पाकिस्तान के अधिकार सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पहले भी साफ कर चुके हैं कि पानी हमारी जीवनरेखा है और यह हमारी रेड लाइन भी है।

बंगाल से कश्मीर तक 1500 किमी लंबी मानसून पट्टी बनी

● उत्तर भारत में 1 से 4 जुलाई तक भारी बारिश संभव, 26 राज्यों में मानसून पहुंचा

नईदिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना (एजेंसी)। मानसून ने मंगलवार 30 जून दोपहर जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, उत्तराखंड और उत्तरप्रदेश में एंट्री कर ली है। देश में अब तक 26 राज्यों को कवर कर लिया है। इससे पहले 24 जून को मध्य प्रदेश-गुजरात में एंट्री ली थी। इसके बाद 6 दिन अटका रहा। इससे कई राज्यों में गर्मी और उमस बनी हुई है।

उधर, दिल्ली और उत्तर भारत के लिए राहत की खबर आ रही है। सैटेलाइट तस्वीरों में करीब 1,500 किमी लंबी मानसून ट्रफ (कम दबाव की लंबी पट्टी) बनती हुई दिखाई दी है। यह उत्तरी बंगाल की खाड़ी से लेकर जम्मू-कश्मीर तक फैली हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, मॉनसून ट्रफ बन चुकी है, लेकिन फिलहाल यह हिमालय की तलहटी (फुटहिल्स) के करीब स्थित है। यह ट्रफ धीरे-धीरे दक्षिण की ओर अपनी सामान्य स्थिति में पहुंचेगी, उत्तर भारत में बिहार, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर 1 से 4 जुलाई के बीच भारी बारिश हो सकती है।

● **असम में बाढ़, 22 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित-** अरुणाचल प्रदेश और असम के कई हिस्सों में लगातार बारिश की वजह से बाढ़ और लैंडस्लाइड की स्थिति बनी हुई है। अरुणाचल में बारिश से लेकू नदी उफान पर आ गई, जिससे असम के जोनाई इलाके में भीषण बाढ़ आ गई। नेशनल हाईवे-515 भी डूब गया। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, बाढ़ से राज्य के छह जिलों में 22 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं।

एसआईआर पर 23 विपक्षी दलों ने सीजेआई को लेटर लिखा

डीएमके ने भी दस्तखत किए, बोले- चुनाव आयोग की प्रक्रिया मनमानी और लोकतंत्र विरोधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया और चुनाव से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर 23 विपक्षी दलों और एक निर्दलीय सांसद ने मंगलवार को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) को लेटर लिखा।

डीएमकेके प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने आरोप लगाया कि एसआईआर की प्रक्रिया मनमानी और लोकतंत्र विरोधी है। एसआईआर का उद्देश्य मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाना है, जबकि लोकतंत्र का आधार सभी वयस्क नागरिकों को वोट का अधिकार देना है। लेटर पर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) समेत 23 विपक्षी दलों और निर्दलीय राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने हस्ताक्षर किए हैं।

एसआईआर से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष की सहमति

सूत्रों के मुताबिक, लेटर पर साइन करने वालों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, राजद नेता तेजस्वी यादव, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और वाम दलों के नेता शामिल हैं। लेटर में कहा गया है कि जब लोकतांत्रिक संस्थाएं अपेक्षित तरीके से काम नहीं करतीं, तब देश की जनता न्यायपालिका की ओर उम्मीद से देखती है। इसमें चुनाव आयोग की भूमिका और स्ढ्क्र प्रक्रिया से विभिन्न राज्यों में लोगों पर पड़े प्रभाव की बात की गई।

बंगाल में पेट्रोकेमिकल्स की पाइपलाइन में आग, 35 झुलसे, 2 की हालत गंभीर

● पास से गुजरी रेलवे लाइन पर भी असर, ट्रेन सर्विस प्रभावित

हल्दिया (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के हल्दिया में देर रात 2:45 बजे नेफ्था सप्लाई करने वाली पाइपलाइन में ब्लास्ट के बाद आग गई। इसकी चपेट में हल्दिया नगर पालिका के वार्ड-13 के चिरंजीबपुर इलाके के कई घर आ गए। घटना में 35 लोग झुलस गए।

पुलिस के मुताबिक, सभी पीड़ितों को हल्दिया सब-डिविजनल अस्पताल में एडमिट कराया गया। 5 को तमलुक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल रेफर किया गया। इनमें से 2 लोगों की हालत

गंभीर है। आग बुझाने में 12 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां जुटी हुई हैं। अधिकारियों ने बताया कि आग सबसे पहले हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स की नेफ्था पाइपलाइन में दिखी। कुछ ही देर में आग आसपास के रिहायशी इलाके तक फैल गई। साउथ रेलवे के मुताबिक जहां आग लगी उसके पास से हल्दिया और दुर्गाचक लाइन गुजरी है।

● **आग लगने की वजह पता नहीं-** पुलिस के मुताबिक पाइपलाइन में आग किस वजह से लगी, इसका पता नहीं चल सका है। पूरा इलाका कवर किया गया है। आग के कारण घटनास्थल के पास रेलवे की ओवरहेड बिजली लाइन के इक्विपमेंट भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। घटना पर हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स ने बयान जारी किया है। कंपनी ने कहा- हादसे में कुछ लोगों के घायल होने की सूचना है और कंपनी प्रभावित लोगों व प्रशासन को हरसंभव सहयोग दे रही है। कंपनी के अनुसार, शुरुआती जानकारी से संकेत मिलता है कि यह घटना प्लांस के पास नैफ्था की चोरी वाले स्थान के आसपास हुई हो सकती है।

उत्तर प्रदेश में हादसों का कहर : 9 की मौत, 22 घायल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में दो अलग-अलग हादसों ने राज्य को स्तब्ध कर दिया, जिसमें कम से कम 9 लोगों की जान चली गई और 22 अन्य घायल हो गए। इन दुखद घटनाओं में एक भीषण बस दुर्घटना और तूफान के कारण पेड़ गिरने का हादसा शामिल है। पहला हादसा सुबह मथुरा जिले में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुआ, जब एक डबल-डेकर स्लीपर बस ट्रक से टकरा गई। राया पुलिस स्टेशन इलाके में हुई भीषण टक्कर में चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, लखनऊ से नोएडा जा रही बस में करीब 65 यात्री सवार थे। घायलों को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस मृतकों की पहचान करने का प्रयास कर रही है, वहीं हादसे के कारणों की जांच जारी है। एक अलग और उतनी ही हृदय विदारक घटना में, फिरोजाबाद जिले में एक ई-रिक्शा पर अचानक एक बड़ा नीम का पेड़ गिर गया। यह हादसा तब हुआ जब एटा ज़िले के आवागढ़ से फरिहा जा रहे ई-रिक्शा पर ज़ोरदार तूफ़ान के दौरान सड़क किनारे खड़ा पेड़ आ गिरा, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हुए। पेड़ गिरने से ई-रिक्शा बुरी तरह पिचक गया और उसमें सवार सभी आठ यात्री अंदर ही फंस गए। पुलिस, फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों और स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और जेसीबी मशीन की मदद से पेड़ को हटाकर पीड़ितों को बाहर निकाला। घायलों को सरकारी ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुँचने से पहले ही गजेंद्र (28), हरेश पाल (59), विष्णु (20), अमन (17) और गंगा सिंह (65) नामक पांच लोगों ने दम तोड़ दिया। तीन घायलों का ज़िला अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

स्कूल बस पर गिरा विशाल पेड़, छात्रा की मौत, 10 बच्चे घायल

-चेंबूर में बारिश और तेज हवा के बीच हुआ हादसा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के चेंबूर इलाके में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब बच्चों से भरी एक स्कूल बस पर अचानक एक विशाल पेड़ गिर गया। इस हादसे में एक छात्रा की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य बच्चे घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और राहत एवं बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, चेंबूर के रोड नंबर-11 पर स्कूल बस पेड़ के नीचे खड़ी थी। बस में कुल 13 छात्र सवार थे। इसी दौरान लगातार बारिश और तेज हवाओं के कारण कमजोर हो चुका एक बड़ा पेड़ अचानक बस पर गिर पड़ा। हादसा इतना अचानक हुआ कि बच्चों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पेड़ गिरने के बाद बस के भीतर कई छात्र फंस गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस, दमकल विभाग और बचाव टीम को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीमों ने पेड़ को काटकर बस में फंसे बच्चों को बाहर निकाला। राहत कार्य के दौरान भारी मशीनों और उपकरणों की मदद ली गई। हादसे में घायल बच्चों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। घायलों का इलाज जैन अस्पताल सहित अन्य चिकित्सा केंद्रों में चल रहा है। कुछ बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, एक छात्रा की इस हादसे में मृत्यु हो गई, जबकि अन्य बच्चों का उपचार जारी है। घटना के बाद स्थानीय निवासियों में भारी नाराजगी देखने को मिली। लोगों का आरोप है कि उन्होंने पहले भी संबंधित अधिकारियों और बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को इलाके के पुराने और कमजोर पेड़ों की छंटाई तथा रखरखाव को लेकर कई बार शिकायत की थी, लेकिन समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व महापौर और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की नेता किशोरी पेडणेकर ने पेड़ों के रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम से पहले कमजोर और पुराने पेड़ों की जांच तथा छंटाई अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि संबंधित क्षेत्र के उद्यान विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए और आवश्यक कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि समय पर निरीक्षण और रखरखाव से इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सकता था। लगातार हो रही बारिश के बीच मुंबई में पेड़ों के गिरने की घटनाएं बढ़ी हैं।

शिंदे का ऑपरेशन टाइगर जारी : यूबीटी के एमएलसी सचिन अहीर पाला बदलकर शिंदे गुट में

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) को फिर बड़ा झटका लगा है। पार्टी के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सचिन अहीर ने पाला बदल लिया है और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट में शामिल हुए हैं। शिंदे गुट में शामिल होने के तुरंत बाद, अहीर ने महाराष्ट्र विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। यह नामांकन उन्होंने शिवसेना उम्मीदवार के तौर पर भरा है। इस नए घटनाक्रम ने उपमुख्यमंत्री शिंदे की राजनीतिक रणनीति को फिर सुर्खियों में ला दिया है। उनकी रणनीति को अक्सर ऑपरेशन टाइगर के नाम से जाना जाता है, जिसके तहत वे लगातार उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) सहित अन्य प्रतिद्वंद्वी दलों के नेताओं को अपनी ओर खींच रहे हैं। सचिन अहीर के पाला बदलने से महाराष्ट्र की राजनीति में गहमागहमी बढ़ गई है और यह उद्धव ठाकरे के लिए एक और चुनौती मानी जा रही है, क्योंकि विधानसभा चुनावों से पहले अपनी पार्टी को एकजुट रखने का दबाव उन पर बढ़ता जा रहा है।

हाईकोर्ट जाइएज्भरत तिवारी एनकाउंटर केस सुनने से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सीधे सुनवाई से इंकार कर संबंधित हाईकोर्ट जाने को कह दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुनवाई करने से मना किया। यह याचिका भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के निवासी भरत भूषण तिवारी के एनकाउंटर को लेकर अधिवक्ता विशाल तिवारी ने दायर की थी। याचिका में दावा था कि भरत तिवारी का एनकाउंटर फर्जी था, और पूरे मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से करने की मांग की गई थी। साथ ही, याचिकाकर्ता ने एनकाउंटर में शामिल पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने का आदेश देने की मांग की थी। याचिका में कहा गया था कि कानून के राज और लोगों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होना जरुरी है। इसके लिए जांच की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में बनी एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति करे। वहीं पुलिस का दावा है कि भरत तिवारी एक आपराधिक मामले में वांछित थे और मुठभेड़ के दौरान उनकी मौत हो गई।

शरद पवार-कांग्रेस विलय: 27 साल बाद कांग्रेस में 'घर वापसी', शरद पवार की पार्टी के विलय पर बड़ा खुलासा !

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति से इस समय की सबसे बड़ी और धमाकेदार सियासी खबर सामने आ रही है। शरद पवार की पार्टी और कांग्रेस के बीच विलय को लेकर बेहद गंभीर चर्चा शुरू हो चुकी है। इस बात की आधिकारिक पुष्टि खुद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता विजय वडेट्टीवार ने की है। एनडीटीवी से खास बातचीत में विजय वडेट्टीवार ने इस संभावित विलय पर मुहर लगाते हुए कहा शरद पवार की पार्टी के कांग्रेस में विलय को लेकर हमारे केंद्रीय आलाकमान के साथ बातचीत चल रही है। जो लोग भी कांग्रेस और शरद पवार की धर्मनिरपेक्ष विचारधारा में विश्वास रखते हैं, उन सभी का हमारी पार्टी में हमेशा स्वागत है।

27 साल बाद 'घर वापसी' की तैयारी?

सियासी गलियारों में इस खबर के बाद से हलचल तेज हो गई है। गौरतलब है कि साल 1999 में शरद पवार ने कांग्रेस से अलग होकर 'राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी' (NCP) का गठन किया था। लेकिन समय का चक्र ऐसा घूमा कि साल 2023 में उनके भतीजे अजीत पवार ने बगावत कर दी और एनसीपी को दो फाड़ कर दिया। अजीत पवार अपने समर्थक विधायकों के साथ महाराष्ट्र की बीजेपी-शिवसेना सरकार में शामिल हो गए थे। भतीजे की बगावत के बाद शरद पवार की पार्टी (NCP-SP) महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है, और अब दोनों दलों के पूरी तरह एक होने की सुगबुगाहट ने महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक की राजनीति में नया उबाल ला दिया है।

हाल के झटकों से पार्टी चौकन्ना

ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे जैसे क्षेत्रीय नेताओं को हाल ही में राजनीतिक झटके लगे हैं। उनके सांसदों ने अपनी मूल पार्टियों को छोड़कर अलग गुट बनाने का फ़ैसला किया है और इसी माहौल में कांग्रेस के साथ संभावित विलय की चर्चा हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, नई दिल्ली में शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के कांग्रेस में विलय को लेकर वरिष्ठ नेतृत्व स्तर पर बातचीत अब अंतिम चरण में है और इसमें सकारात्मक प्रगति हुई है। सूत्रों का यह भी कहना है कि कांग्रेस लीडरशिप ने NCP (शरदचंद्र पवार) के उन विधायकों और सांसदों को हरी झंडी दे दी है जो कांग्रेस में शामिल होना चाहते हैं। सूत्रों के मुताबिक, 85 साल के शरद पवार और उनकी पार्टी के राजनीतिक भविष्य को लेकर दो अलग-अलग राय सामने आ रही हैं। कहा जा रहा है कि पार्टी का एक धड़ा नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (NDA) में शामिल होने के पक्ष में है। उनका तर्क है कि पार्टी की संसदीय ताकत उसे NDA का हिस्सा बनने में मदद कर सकती है।

एनडीए बनाम कांग्रेस विलय पर आंतरिक मतभेद

इस खेमे के नेताओं का यह भी मानना है कि विपक्ष में रहने के कारण राज्य और केंद्र, दोनों स्तरों पर विकास कार्यों और अपने चुनाव क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को हल करवाना मुश्किल हो गया है। सूत्रों का यह भी कहना है कि दिवंगत डिप्टी सीएम अजित पवार चाहते थे कि अगर NCP के दोनों गुट फिर से एक हो जाएं, तो भी NDA के साथ ही बने रहा जाए, क्योंकि वे पहले से ही इस गठबंधन का हिस्सा थे। हालांकि, उनके निधन के बाद दोनों गुटों के फिर से एक होने की संभावना कम हो गई है, लेकिन पार्टी के इस धड़े का मानना है कि NDA में अलग से शामिल होने में कोई बाधा नहीं आएगी। हालांकि, पार्टी के भीतर एक दूसरा गुट कांग्रेस के साथ विलय के पक्ष में बताया जाता है।

खामेनेई की मौत : प्रियंका चतुर्वेदी और कंचन गुप्ता के बीच तीखी बहस

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई को अंतिम विदाई देने के बाद भी भारत में उनकी मौत को लेकर राजनीतिक बयानबाजी जारी है। शिवसेना (यूबीटी) की नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में वरिष्ठ सलाहकार कंचन गुप्ता के बीच मामले पर तीखी बहस छिड़ गई है। प्रियंका चतुर्वेदी ने भारत सरकार पर खामेनेई की मौत पर आधिकारिक चुप्पी साधने का आरोप लगाया है, जबकि कंचन गुप्ता ने गलत जानकारी बताकर पलटवार किया है। कंचन गुप्ता ने पोस्ट कर शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी पर गलत जानकारी देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 28 फरवरी को अपने ईरानी समकक्ष से बात की थी, जिस दिन पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू हुआ था। इसके अतिरिक्त, विदेश सचिव ने 5 मार्च को ईरानी दूतावास का दौरा किया था, तभी जब दूतावास ने शोक-संदेश पुस्तिका खोली थी। गुप्ता ने कहा कि ये दोनों बातें सार्वजनिक रिकॉर्ड का हिस्सा हैं और विदेश मामलों में गहरी रुचि रखने वाली पूर्व सांसद के लिए अपनी बात को सही साबित करने के लिए मनगढ़ंत तथ्य गढ़ना शोभा नहीं देता। जवाब में, प्रियंका चतुर्वेदी ने कंचन गुप्ता के बयान को आधी-अधूरी बात बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी मूल पोस्ट खामेनेई की मौत पर भारत सरकार द्वारा शोक व्यक्त न करने के बारे में थी। उन्होंने 28 फरवरी को जयशंकर के उस ट्वीट का हवाला दिया जिसमें उन्होंने इजरायल और ईरान के विदेश मंत्रियों से बात करके संयम बरतने की अपील की थी, लेकिन खामेनेई की मौत के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा था। शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी ने कहा कि जब तक विदेश सचिव ने शोक संदेश वाली किताब में संदेश नहीं लिखा, तब तक भारत सरकार ने उनकी मौत पर आधिकारिक तौर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के 1 मार्च को नेतन्याहू से बातचीत का भी जिक्र किया, जिसमें खामेनेई की मौत पर कोई टिप्पणी नहीं की गई थी।

अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी हमले से अंतरराष्ट्रीय निंदा, भारत ने दिया कड़ा संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान के पक्तिया, पक्तिका और कुनार प्रांतों में किए गए हवाई हमलों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में गहरी चिंता पैदा की है। इन हमलों में महिलाओं और बच्चों सहित करीब 36 लोगों की मौत हो गई, जबकि 163 अन्य घायल हुए हैं। तालिबान सरकार के उप-प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने पुष्टि की कि कई घरों को निशाना बनाया गया, जिससे मरने वालों में बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने घटना पर गहरी चिंता जताकर नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उनके प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने सभी पक्षों से हिंसा छोड़कर कूटनीति का रास्ता अपनाने और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करने की अपील की। यूरोपीय संघ ने भी संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। अफगानिस्तान में मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक रिचर्ड बेनेट ने निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय करने की मांग की, जबकि ब्रिटेन के विशेष दूत रिचर्ड लिंडसे ने बढ़ती हिंसा पर दुख व्यक्त कर शांति की अपील की।

इस बीच, भारत ने पाकिस्तान के इन हमलों की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह पाकिस्तान की खुली आक्रामकता अफगानिस्तान की संप्रभुता पर हमला है और क्षेत्रीय शांति व स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। भारत ने अफगानिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए अपने अटूट समर्थन जताकर और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

जवाबी कार्रवाई में, अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने काबुल स्थित पाकिस्तानी दूतावास के चार्जे डी'अफेयर्स को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। मंत्रालय ने पाकिस्तान पर अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने और नागरिकों के घरों पर बमबारी करने का आरोप लगाया, जिसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया गया। अफगानिस्तान ने यह भी कहा कि पाकिस्तान अपनी आंतरिक सुरक्षा समस्याओं के लिए लंबे समय से अफगानिस्तान को दोषी ठहरा रहा है, और सैन्य कार्रवाई से नहीं बल्कि बातचीत से समाधान निकालने का आग्रह किया।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर कांग्रेस का भाजपा पर हमला

-सुप्रिया श्रीनेत ने कहा- '2024 में अयोध्या ने सबक सिखाया, लेकिन भाजपा ने नहीं सीखा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या स्थित राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर राजनीतिक गलियारा लगातार गरमाता जा रहा है। एक ओर भारतीय जनता पार्टी मामले में सफाई देने और स्थिति स्पष्ट करने में जुटी है, वहीं विपक्षी दल केंद्र सरकार और भाजपा पर हमलावर बने हुए हैं। इसी क्रम में कांग्रेस ने एक बार फिर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर तीखा हमला बोला है।

दरअसल कांग्रेस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफ़ार्म 'एक्स' पर पार्टी की सोशल मीडिया विभाग की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत का एक वीडियो साझा किया है। इसके साथ पार्टी ने आरोप लगाया कि लोगों के बीच सोशल मीडिया और व्हाट्सएप के माध्यम से यह संदेश फैलाया जा रहा है कि भगवान राम स्वयं सब देख रहे हैं और इस मामले को लेकर विपक्ष को बोलने की

आवश्यकता नहीं है। सुप्रिया श्रीनेत ने अपने बयान में कहा, भाजपा हिंदू समाज में उत्पन्न नाराजगी और आक्रोश को शांत करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि भगवान राम सब देखते हैं और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में अयोध्या की जनता ने भाजपा को हराकर एक संदेश दिया था, लेकिन पार्टी ने उससे कोई सबक नहीं लिया।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा, आरएसएस और उनसे जुड़े संगठनों ने भगवान राम की भावनाओं को समझने में भूल की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार रावण ने भगवान राम को कमतर आंकने की गलती की थी, उसी प्रकार भाजपा ने भी जनता की भावनाओं को नजरअंदाज किया है। सुप्रिया श्रीनेत ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लेते हुए कहा, कथित अनियमितताओं के मामले में लीपापोती या जिम्मेदार लोगों को बचाने का प्रयास नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म और आस्था से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले की जांच और गिरफ्तारियों को लेकर हाल के दिनों में राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। विपक्ष इस मामले में जवाबदेही तय करने की मांग कर रहा है, जबकि भाजपा की ओर से विभिन्न स्तरों पर सफाई दी जा रही है।

राम मंदिर चंदा घोटाले पर मायावती सख्त, कार्रवाई और सिस्टम बदलने की मांग

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले चंदे में कथित हेराफेरी को बेहद गंभीर और चिंताजनक बताया है। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की और साथ ही मुद्दे का राजनीतिकरण न करने की चेतावनी दी। पूर्व सीएम मायावती ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी, गबन और हेराफेरी की मीडिया रिपोर्टें चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा कि इसतरह के लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाना चाहिए, लेकिन उन्होंने मामले का राजनीतिकरण करने को भी अनुचित बताया। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने भविष्य में ऐसी शिकायतों को रोकने के लिए देश के अन्य प्रसिद्ध मंदिरों में जारी अकाउंटिंग प्रणाली को अपनाने का सुझाव दिया, ताकि मामले को जल्द से जल्द सुलझाया जा सके। उन्होंने अपराध, राजनीति और धर्म को आपस में न मिलाने की चेतावनी देकर कहा कि यही उचित होगा और संविधान के अनुरूप होगा। यह बयान अयोध्या पुलिस और राज्य सरकार की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की चल रही जांच के बीच आया है। मामले में अब तक दान की नकदी की गिनती से जुड़े आठ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं, मंदिर प्रबंधन से जुड़े उच्च-स्तरीय अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग जोर पकड़ रही है।

इस बीच, पुलिस ने राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय से लगभग तीन घंटे तक पूछताछ की और उनका बयान दर्ज किया। सूत्रों के

मुताबिक, जांचकर्ताओं ने उनसे प्रशासनिक फैसलों और दान के प्रबंधन से जुड़े कई अहम सवाल पूछे। चंपत राय ने दान की चोरी में अपनी भूमिका से इंकार किया है। पुलिस अब उनके बयान की तुलना अन्य गवाहों और सबूतों से करेगी। एसआईटी जुलाई के पहले सप्ताह में अपनी जांच पूरी कर सरकार को अंतिम रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद है।

भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित शिक्षा को मजबूत बनाने का संकल्प

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, दिल्ली प्रांत और दिल्ली धाम खाटू श्याम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय प्रांतीय शैक्षिक कार्यशाला का सफल समापन हुआ। कार्यशाला में भारतीय ज्ञान परंपरा, मूल्यपरक शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर मंथन किया गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दिल्ली प्रांत के सह-प्रांत कार्यवाह राजेश, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय संयोजक ए. विनोद, राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी तथा खाटू श्याम दिल्ली धाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम गुप्ता जवेरी ने भारतीय संस्कृति, जीवन मूल्यों और राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की भूमिका पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में संजय स्वामी, शोभा पेडणेकर, निरंजन कुमार, हितेश शर्मा, प्रवीण आर्य, ओ. पी. वर्मा और विनोद शानवाल सहित शिक्षा जगत से जुड़े अनेक शिक्षाविद उपस्थित रहे। कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित, मूल्यनिष्ठ और राष्ट्रोन्मुख शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने का संकल्प लिया। दिल्ली प्रांत के संयोजक लक्ष्य छाबड़िया ने सभी वक्ताओं, अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यशाला की संयोजक राजबाला गौतम रहीं, जबकि मदन प्रताप चौहान, राजेश प्रसाद सिंह, विभोर शर्मा, लक्ष्य छाबड़िया, अपर्णा शर्मा और बृजेंद्र ढुल ने समन्वयक के रूप में आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आसाराम बापू को सुप्रीम कोर्ट से तत्काल जमानत नहीं, गंभीर स्वास्थ्य बिगड़ने पर विचार

-राजस्थान सरकार तीन हफ्ते में अपना जवाब दाखिल करे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 2013 के नाबालिग से यौन उत्पीड़न मामले में आसाराम बापू की जमानत याचिका पर तत्काल कोई राहत देने से इंकार किया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और शील नागू की बेंच ने राजस्थान सरकार से याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें आसाराम ने जोधपुर में नाबालिग के यौन उत्पीड़न मामले में राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि वह राज्य का पक्ष सुने बिना या जब तक आसाराम की सेहत स्पष्ट रूप से बेहद गंभीर न हो जाए, जमानत देने के पक्ष में नहीं है।

यह मामला अगस्त 2013 का है, जब आरोप लगा था कि आसाराम बापू के जोधपुर आश्रम में नाबालिग भक्त को गलत तरीके से बंधक बनाकर यौन उत्पीड़न किया था। एक ट्रायल कोर्ट ने आसाराम बापू को रेप और संबंधित अपराधों के लिए दोषी माना था, जिसकी सजा को साल 2026 मई में राजस्थान हाईकोर्ट ने बरकरार रखा। हालांकि, हाईकोर्ट ने आपराधिक साजिश और गैंग रेप के आरोपों से आसाराम और सह-आरोपियों को बरी कर दिया था। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है।

आसाराम की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता डीएस नायडू ने सुप्रीम कोर्ट से उनकी मेडिकल कंडीशन पर विचार करने की अपील की। वकील नायडू ने बताया कि आसाराम अब 90 साल के हैं और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिनका इलाज आयुर्वेदिक अस्पताल में हुआ है। उन्होंने सोशल मीडिया ट्रायल को लेकर चिंता जताकर कोर्ट को ही अपनी एकमात्र उम्मीद बताया।

राजस्थान सरकार के वकील ने किसी भी तरह की अंतरिम राहत देने का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह मामला एक नाबालिग पीड़िता से जुड़ा है और आसाराम को आवश्यकता पड़ने पर अस्पताल ले जाया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस स्तर पर उन्हें जमानत पर रिहा करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने आखिर में निर्देश दिया कि आसाराम को दी जा रही मेडिकल सुविधाएं जारी रह सकती हैं। बेंच ने कहा कि अंतरिम जमानत के सवाल पर राज्य का पक्ष सुनने के बाद ही विचार होगा। हालांकि, कोर्ट ने यह भी जोड़ा कि अगर आसाराम की तबीयत बेहद गंभीर हो जाती है और जान बचाने की नौबत आती है, तब तत्काल राहत के लिए मामले का उल्लेख किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को तीन हफ्ते में अपना जवाब दाखिल करने को कहा है।

सप्तपदी के बिना हिंदू विवाह अमान्य, चाहे वैध सर्टिफिकेट हो: गुजरात हाईकोर्ट

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत निर्धारित आवश्यक रस्में, जैसे कि सप्तपदी (सात फेरे) के बिना, सिर्फ एक पंजीकृत विवाह प्रमाण पत्र किसी हिंदू शादी को वैध नहीं बना सकता। जस्टिस इलेश जे वोरा और आरटी वछानी की खंडपीठ ने कहा कि विवाह प्रमाण पत्र केवल उस शादी का सबूत है जो पहले ही सही ढंग से संपन्न हुई है, यह ऐसी शादी को वैध नहीं करता जिसमें निर्धारित रस्में कभी निभाई नहीं गई।

गुजरात कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई कर बताया कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 7 के तहत, हिंदू शादी दोनों में से किसी भी पक्ष के रीति-रिवाजों और रस्मों के अनुसार संपन्न होनी चाहिए। यदि इन रस्मों में सप्तपदी शामिल है, तब शादी सातवें कदम के बाद ही पूर्ण और कानूनी रूप से मान्य होती है। कोर्ट ने कहा कि संपन्न शब्द का अर्थ है कि शादी सही तरीके से और ज़रूरी रस्मों के साथ होनी चाहिए, जिनके बिना कानून की नज़र में कोई वैध हिंदू शादी नहीं मानी जाती।

यह मामला यूनाइटेड किंगडम निवासी एक व्यक्ति की अपील से जुड़ा था। व्यक्ति ने दावा किया कि मुझे एक महिला के साथ अपनी कथित शादी का तब पता चला जब वह शादी का सर्टिफिकेट लेकर उसके माता-पिता के पास पहुंची। शख्स ने आरोप लगाया कि उसने कभी उस महिला से शादी नहीं की, न कोई हिंदू रीति-रिवाज या रस्में निभाईं, और न ही कभी पति-पत्नी के तौर पर साथ रहा। शख्स ने आरोप लगाया कि मुझसे धोखे से शादी के कागजात पर दस्तखत कराए गए थे। दिलचस्प बात यह है कि सुनवाई के दौरान महिला ने खुद लिखित में स्वीकार किया कि शादी की कोई रस्म या समारोह नहीं हुआ था और दोनों के बीच पति-पत्नी का कोई रिश्ता नहीं था। इन स्वीकारोक्तियों के बावजूद, फैमिली कोर्ट ने शादी को अमान्य घोषित करने से इंकार किया था, यह मानते हुए कि पंजीकृत प्रमाण पत्र के कारण पूरी सुनवाई की आवश्यकता है।

इसके बाद हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के फैसले को पलट दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि जब महिला ने स्वयं मान लिया है कि हिंदू शादी की आवश्यक रस्में कभी नहीं निभाई गईं, तब दोनों पक्षों को लंबी सुनवाई से गुजरने के लिए मजबूर करने का कोई कारण नहीं है। बेंच ने कहा कि हिंदू मैरिज एक्ट की धारा 8 के तहत पंजीकरण केवल कानूनी तौर पर हुई शादी का सबूत देता है; यह अपने आप में पति-पत्नी का कानूनी दर्जा नहीं बना सकता। हाईकोर्ट ने सप्तपदी के महत्व का जिक्र कर कहा कि हिंदू शादी एक संस्कार है, न कि केवल गाने-बजाने या खाने-पीने का मौका, और न ही यह कोई कारोबारी लेनदेन है, यह एक पवित्र संस्था है। इस कारण, कोर्ट ने उस कथित शादी को अमान्य घोषित कर दिया और याचिकाकर्ता को शादी के पंजीकरण और प्रमाण पत्र को रद्द करवाने के लिए संबंधित अधिकारी के पास जाने की इजाज़त दे दी।

नगर आयुक्त की अध्यक्षता में संभव के तहत हुआ जनसुनवाई का आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा संभव के अंतर्गत जनसुनवाई की गई, जिसमें 29 शिकायत प्राप्त हुए। नगर आयुक्त के आदेश पर विभागों ने कार्यवाही प्रारंभ की। अधिकांश समसाए निर्माण विभाग से प्राप्त हुई। जनसुनवाई के दौरान निर्माण विभाग से 10, उद्यान विभाग संबंधित 4, प्रकाश विभाग संबंधित 1, प्रॉपर्टी संबंधित 1, जलकल संबंधित 5, स्वास्थ्य संबंधित 3

और एंक्रोचमेंट संबंधित 5 समासाये प्राप्त हुई।उपस्थित अधिकारियों को नगर आयुक्त ने कार्यवाही करने के निर्देश दिए। विभागों ने अन्य टीम को मौके पर भेज कर कार्यवाही प्रारंभ कराई गई। संभव के दौरान पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, प्रभारी संपत्ति पल्लवी सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथलेश व अन्य टीम उपस्थित रहे।

निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की तैयारी तेज, राजनीतिक दलों से मांगे सुझाव

बिजनौर (शिखर समाचार)। आगामी निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए राजनीतिक दलों से सुझाव आमंत्रित किए गए। जिलाधिकारी ने निर्वाचन कार्यालय से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन से संबंधित सभी सूचनाएं समयबद्ध तरीके से मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तक पहुंचाई जाएं। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या को संतुलित करने के लिए राजनीतिक दलों से प्रस्ताव प्राप्त किए जाएं। विशेष रूप से जिन मतदान केंद्रों पर 1200 से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं, उनका भौतिक सत्यापन कर आवश्यकतानुसार उनका तर्कसंगत विभाजन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि यदि किसी मतदान केंद्र के भवन, स्थान या अन्य व्यवस्थाओं में बदलाव की आवश्यकता महसूस होती है तो वे अपना लिखित प्रत्यावेदन संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अथवा जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध कराएं। प्राप्त सुझावों पर निर्वाचन नियमों के अनुरूप विचार कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में भारतीय जनता पार्टी के धीर सिंह, कांग्रेस के अनिल कुमार एवं काजी आतिफ, बहुजन समाज पार्टी के मोहम्मद सिद्दीक, समाजवादी पार्टी के अखलाक पप्पू सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हंसराज विश्वकर्मा के मंत्री बनने पर शामली में खुशी की लहर, विश्वकर्मा समाज ने जताया आभार

शामली (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता हंसराज विश्वकर्मा को उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग का राज्यमंत्री बनाए जाने पर शामली जनपद में विश्वकर्मा समाज और भाजपा कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया। समाज के लोगों ने इसे विश्वकर्मा समाज को मिला सम्मान बताते हुए भाजपा नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट किया।

मंत्री पद की जिम्मेदारी मिलने के बाद हंसराज विश्वकर्मा ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा पार्टी नेतृत्व के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने विश्वकर्मा समाज को उचित सम्मान देकर उसका गौरव बढ़ाया है। इसके लिए समाज सदैव पार्टी का आभारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विश्वकर्मा समाज सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करेगा। साथ ही वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव और वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की पुनः सरकार बनाने के लिए पूरी निष्ठा और शक्ति के साथ कार्य करेगा।

हंसराज विश्वकर्मा लंबे समय तक प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के प्रभारी रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने लगभग 15 वर्षों तक भाजपा के जिला अध्यक्ष के रूप में संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस अवसर पर भाजपा पश्चिम क्षेत्र ओबीसी मोर्चा के उपाध्यक्ष अमित विश्वकर्मा सहित पार्टी पदाधिकारी एवं विश्वकर्मा समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

श्रीठाकूर द्वारा बालिका विद्यालय : सुंदरकांड पाठ का हुआ आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। श्री ठाकूर द्वारा बालिका विद्यालय परिसर में ग्रीष्मकालीन अवकाश के उपरांत श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष दिनेश कुमार गोयल, उपाध्यक्ष दिनेश कुमार गोयल, प्रबंधक ज्ञानप्रकाश गोयल, उप-प्रबंधक अनिल कुमार तथा मोहित गुप्ता सहित प्रबंधन समिति के अन्य पदाधिकारी एवं समस्त अध्यापिकाएँ उपस्थित रहीं।

सुंदरकांड पाठ के पश्चात प्रधानाचार्या पूनम शर्मा ने भगवान हनुमान के आदर्श चरित्र, उनकी अटूट भक्ति, साहस एवं सेवा-भाव पर प्रकाश डालते हुए सभी को इन गुणों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। विद्यालय के अध्यक्ष दिनेश कुमार गोयल ने भगवान हनुमान से सभी के सुख, समृद्धि एवं कल्याण हेतु प्रार्थना की। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यालय परिसर में आध्यात्मिक वातावरण का सुंदर संचार हुआ, जिससे उपस्थित सभी जन भाव-विभोर हो गए। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

जनता हाई स्कूल के सामने कट को यू-टर्न में बदलने की मांग पर अधिकारियों ने किया स्थलीय निरीक्षण

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। सिंभावली ब्लॉक क्षेत्र के गांव खुडलिया की सीमा में पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग पर जनता हाई स्कूल के सामने बने कट को यू-टर्न में परिवर्तित करने की मांग को लेकर मंगलवार को संबंधित विभागों के अधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सिंभावली शुगर मिल के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। ग्रामीण धर्मेंद्र शर्मा और अन्य लोगों ने हाल ही में जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर इस कट को यू-टर्न में बदलने की मांग उठाई थी। ग्रामीणों का कहना था कि वर्तमान व्यवस्था के कारण लिंक रोड से आने वाले वाहनों को विपरीत दिशा में जाना पड़ता है, जिससे आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर यातायात की स्थिति, सड़क की बनावट और दुर्घटना की संभावनाओं का आकलन किया। निरीक्षण के बाद ग्रामीणों में इस बात की उम्मीद जगी है कि कट को यू-टर्न में परिवर्तित करने के संबंध में जल्द सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि जनता हाई स्कूल के सामने बने इस कट पर पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। यदि यहां यू-टर्न बनाया जाता है तो सड़क पार करने और दिशा बदलने वाले वाहनों की आवाजाही अधिक सुरक्षित हो जाएगी, जिससे दुर्घटनाओं में कमी आएगी। इसके अलावा सिंभावली शुगर मिल के गन्ना पेराई सत्र के दौरान इसी स्थान के सामने स्थित गन्ना यार्ड में ट्रक, ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य भारी वाहनों का लगातार आवागमन रहता है। भारी यातायात के कारण भी यहां हादसों की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों का मानना है कि यू-टर्न बनने से यातायात व्यवस्था सुगम होगी और दुर्घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकेगा।

आईजीआरएस शिकायतों के खराब निस्तारण पर डीएम सख्त, लापरवाह अधिकारियों से मांगा स्पष्टीकरण

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित आईजीआरएस समीक्षा बैठक में जन शिकायतों के निस्तारण की प्रगति का विभागवार आकलन किया। समीक्षा के दौरान शिकायतों की गुणवत्ता, लंबित एवं डिफॉल्टर प्रकरणों तथा शिकायतों के संतोषजनक निस्तारण की स्थिति पर चर्चा करते हुए उन्होंने खराब प्रदर्शन पर नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में संतोषजनक फीडबैक का प्रतिशत बढ़ाने के लिए नियमित रूप से क्षेत्र में जाकर शिकायतों का स्थलीय सत्यापन करें। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता से सीधे संवाद स्थापित कर तथ्यों के आधार पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिक प्रक्रिया तक सीमित न रहे, बल्कि शिकायतकर्ता की वास्तविक संतुष्टि को प्राथमिकता दी जाए। बैठक में खराब प्रदर्शन करने वाले अधिशासी अधिकारियों, खंड विकास अधिकारियों तथा सहायक विकास अधिकारियों (एडीओ) के प्रति जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट किया कि जन शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही, शिथिलता या अपेक्षित प्रगति का अभाव किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) शरदपाल सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला विकास अधिकारी रचना गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आधुनिक तकनीक और गुणवत्ता से एमएसएमई उद्योगों को मिलेगी नई पहचान: पवन सिंघल

मुरादनगर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम, प्रबंधन, उद्यमिता एवं व्यावसायिक कौशल परिषद तथा लघु उद्योग भारती के संयुक्त तत्वावधान में मुरादनगर में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सुशासन), जेडईडी (शून्य दोष-शून्य प्रभाव) प्रमाणन तथा प्रौद्योगिकी उन्नयन योजना विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लघु उद्योग भारती के संभाग अध्यक्ष पवन सिंघल तथा विशिष्ट अतिथि जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र, गाजियाबाद के उपायुक्त आशुतोष सिंह रहे। मेरठ मंडल अध्यक्ष अमरीश गोयल ने अतिथियों और उद्यमियों का स्वागत करते हुए कहा कि गुणवत्ता, तकनीकी उन्नयन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के इस दौर में उद्योगों के लिए नई

तकनीकों तथा सरकारी योजनाओं से जुड़ना समय की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि पवन सिंघल ने कहा कि ईएसजी, जेडईडी प्रमाणन और प्रौद्योगिकी उन्नयन जैसी पहलें एमएसएमई इकाइयों को नई पहचान देने के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएंगी। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक तकनीक को अपनाकर ही उद्योग दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित कर सकते हैं। संभाग महामंत्री अनुपम गुप्ता ने कहा कि भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वहीं उपायुक्त आशुतोष सिंह ने केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न औद्योगिक योजनाओं की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, औद्योगिक भूमि आवंटन, पूंजीगत अनुदान, ब्याज अनुदान तथा अन्य निवेश प्रोत्साहन योजनाओं का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने उद्यमियों से इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाकर अपने उद्योगों का विस्तार करने का आह्वान किया। उद्योग विशेषज्ञ एवं कार्यशाला संचालक चिराग पटेल ने ईएसजी और जेडईडी प्रमाणन की उपयोगिता तथा विभिन्न स्तरों पर इसके लाभों की जानकारी दी। व्यावसायिक कौशल परिषद के जिला समन्वयक आलोक राय ने प्रौद्योगिकी उन्नयन योजना के तहत आधुनिक मशीनरी के लिए उपलब्ध वित्तीय और तकनीकी सहायता की जानकारी दी।

कार्यशाला में गुणवत्ता सुधार, ऊर्जा दक्षता, डिजिटलीकरण तथा विभिन्न सरकारी प्रोत्साहन योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने उद्यमियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को उद्योगों के आधुनिकीकरण और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने की दिशा में उपयोगी पहल बताया। कार्यक्रम का संचालन नगर उपाध्यक्ष राजकुमार गोयल ने किया। इस अवसर पर जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र के सहायक आयुक्त मोहम्मद आकीफ सहित बड़ी संख्या में उद्यमी एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले को लेकर मंगलवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा का पाठ किया और दोषियों के खिलाफ त्वरित एवं कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुनील शर्मा और नगर अध्यक्ष बृजेश कुमार सेन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए तहसील मुख्यालय पहुंचे। उप जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठकर उन्होंने हनुमान चालीसा का पाठ किया और मामले में निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि चढ़ावा चोरी प्रकरण में नामजद सभी आरोपियों के विरुद्ध मुकदमे की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराई जाए तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उनका कहना था कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने उप जिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान चांदवीर चौधरी, भिखारी लाल कश्यप, सुनील कटारिया, वकील अहमद, कल्पना सिंह, राजकुमार त्यागी सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ई-रजिस्ट्री व्यवस्था वापस, फिर भी अधिवक्ताओं का कार्य बहिष्कार जारी

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। प्रदेश सरकार द्वारा ई-रजिस्ट्री व्यवस्था वापस लेने के बावजूद रेवेन्यू अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों, स्टाम्प विक्रेताओं और मुंशियों का आंदोलन जारी है। रेवेन्यू बार एसोसिएशन नगीना ने स्पष्ट किया है कि प्रांतीय नेतृत्व के निर्देश मिलने के बाद ही कार्य बहिष्कार समाप्त करने का निर्णय लिया जाएगा। मंगलवार को आंदोलन लगातार 16वें दिन भी जारी रहा। महानिरीक्षक निबंधन कार्यालय ने 4 जून को जारी आदेश के माध्यम से ऑनलाइन दस्तावेज पंजीकरण नियमावली-2024 के तहत ई-रजिस्ट्री व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया था। इसके विरोध में प्रदेशभर में रेवेन्यू अधिवक्ताओं और रजिस्ट्री कार्य से जुड़े संगठनों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी थी। लगातार बढ़ते विरोध के बाद महानिरीक्षक निबंधन नेहा शर्मा ने 29 जून को नया परिपत्र जारी कर 4 जून का आदेश वापस लेने की घोषणा की। इस संबंध में स्टाम्प एवं पंजीयन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने भी कहा कि 4 जून के आदेश को लेकर कुछ भ्रांतियां उत्पन्न हो गई थीं, जिन्हें देखते हुए सरकार ने आदेश वापस लेने का निर्णय लिया है। नगीना के उप निबंधक दिनेश कुमार ने भी नए शासनादेश के अनुरूप कार्य किए जाने की पुष्टि की। रेवेन्यू बार एसोसिएशन नगीना के अध्यक्ष हरदयाल सिंह सोढ़ी ने कहा कि ई-रजिस्ट्री व्यवस्था की वापसी आंदोलन की बड़ी सफलता है, लेकिन संगठन की अन्य लंबित मांगों पर निर्णय होने तक कार्य बहिष्कार जारी रहेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रांतीय नेतृत्व और शासन के बीच जल्द सहमति बनने के बाद आंदोलन समाप्त करने का निर्णय लिया जा सकता है।

दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की दो बाइक बरामद

शामली (शिखर समाचार)। थाना भवन पुलिस ने वाहन चोरी की तीन घटनाओं का खुलासा करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की दो स्प्लेंडर मोटरसाइकिलें बरामद की हैं, जबकि तीसरी बाइक की बरामदगी और फरार तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। प्रभारी निरीक्षक विजेंद्र सिंह रावत ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंकित और संकित निवासी मोहल्ला रेत्ती, थाना भवन के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने अपने साथी अनिल के साथ मिलकर क्षेत्र से तीन मोटरसाइकिलें चोरी करने की बात स्वीकार की है। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक शामली के निर्देशन में अपराध एवं वाहन चोरी की घटनाओं की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। बरामद दोनों मोटरसाइकिलों को कब्जे में लेकर संबंधित मुकदमों में शामिल कर लिया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। वहीं फरार आरोपी की गिरफ्तारी और तीसरी चोरी की बाइक की बरामदगी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है।

आयुष मलिक की घर वापसी का दावा, परिजनों ने बताया सनातन धर्म अपनाया

शामली (शिखर समाचार)। जनपद के चर्चित आयुष मलिक धर्मांतरण प्रकरण में एक बार फिर नया मोड़ सामने आया है। परिजनों का दावा है कि धर्म परिवर्तन कर इस्लाम स्वीकार करने वाले आयुष मलिक ने अब पुनः सनातन धर्म अपना लिया है। इस मौके पर शामली स्थित हनुमान धाम में स्वामी यशवीर महाराज, आयुष के पिता देवराज मलिक तथा हिंदू समाज के लोगों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया और परिवार का स्वागत किया। गौरतलब है कि गत 4 जून को शहर के मेडिकल व्यवसायी देवराज मलिक के पुत्र आयुष मलिक के धर्म परिवर्तन की खबर सामने आने के बाद मामला काफी चचाओं में रहा था। इस दौरान विभिन्न हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया था। बाद में देवराज मलिक की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने कथित धर्मांतरण और अन्य आरोपों के संबंध में मुकदमा दर्ज करते हुए चांदनी कुरैशी, उसके पिता इस्लाम कुरैशी तथा भोला कुरैशी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। यह मामला अभी न्यायिक प्रक्रिया में है। देवराज मलिक ने बताया कि उनका पुत्र पिछले करीब सात दिनों से घर पर रहकर पूजा-पाठ कर रहा है और परिवार उसके इस निर्णय से संतुष्ट है। उन्होंने इस पूरे प्रकरण में सहयोग के लिए सरकार और मीडिया का आभार भी व्यक्त किया। स्वामी यशवीर महाराज ने इसे सनातन धर्म की बड़ी जीत बताते हुए दावा किया कि आयुष ने घर में पूजा अर्चना शुरू कर दी है तथा आगामी 15 दिनों तक मौन व्रत रखकर आत्मचिंतन करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई स्वेच्छा से सनातन धर्म अपनाना चाहे तो उसका स्वागत है। हालांकि, आयुष मलिक की ओर से इस संबंध में कोई सार्वजनिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं, चांदनी कुरैशी या उनके पक्ष की ओर से भी इन दावों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। ऐसे में इस मामले में सामने आए दावे संबंधित पक्षों के बयान हैं, जिनकी स्वतंत्र पुष्टि फिलहाल नहीं हो सकी है।

बुढ़ाना महोत्सव में कवि सम्मेलन ने बांधा समां, पत्रकार व गणमान्य सम्मानित

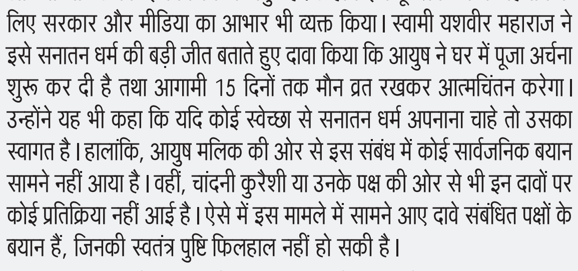

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। नगर पंचायत बुढ़ाना द्वारा आयोजित बुढ़ाना महोत्सव में कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। देश के प्रतिष्ठित कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले गणमान्य व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष उमा त्यागी और जिला बार संघ के अध्यक्ष प्रमोद त्यागी ने दीप प्रज्वलित कर किया। बुढ़ाना के प्रख्यात शायर अजहर इकबाल ने अपनी गजल घुटन सी होने लगी उसके पास जाते हुए, मैं खुद से रूठ गया हूं उसे मनाते हुए प्रस्तुत कर कवि सम्मेलन की शुरूआत की। इसके बाद हिमांशी बावरा ने दिल ऐसे मुब्तला हुआ तेरे मलाल में, जुल्फें सफेद हो गई उन्नीस साल में सुनाकर खूब तालियां बटोरीं। स्वयं श्रीवास्तव, प्रियंका सजल, सलीम सिद्दीकी, वरुण आनंद, महशर आफरीदी, इम्तियाज खान और डॉ. नवाज देवबंदी ने भी अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों से श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। सम्मान समारोह में वरिष्ठ पत्रकार राणा यशवंत को पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राव अमर सिंह त्यागी रईस बुढ़ाना स्मृति गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सपा नेता सुबोध त्यागी ने बताया कि राव अमर सिंह त्यागी रईस ने वर्ष 1870 के आसपास बुढ़ाना में मुद्रणालय की स्थापना कर अनेक पुस्तकों का प्रकाशन कराया था। उनके द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक समाचार पत्र 'सफीर बुढ़ाना' उस समय देश के विभिन्न छोटे-बड़े कस्बों तक पहुंचता था। कार्यक्रम में पूर्व सांसद कादिर राणा, पूर्व प्रमुख विनोद मलिक, सपा नेता ईलम सिंह गुर्जर, अधिवक्ता विनोद त्यागी, अतहर हसन, मौलाना शोएब, सभासद इमरान कुरैशी, राशिद मंसूरी, अंकुर त्यागी, अभिनव त्यागी, प्रवीण कुमार, दीपक प्रजापति, इकबाल कुरैशी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

कार में चालक का शव मिलने से सनसनी, परिजन शव लेकर गए

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के रूपवास बाईपास स्थित एक ढाबे के पास खड़ी कार में एक चालक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार का दरवाजा खुलवाकर शव बाहर निकाला। परिजनों ने किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई से इनकार करते हुए शव अपने साथ ले जाकर अंतिम संस्कार कर दिया। जानकारी के अनुसार रेलवे रोड स्थित पायल सिनेमा के पीछे रहने वाले विकास दुबे मूल रूप से जनपद एटा के निवासी थे और अपनी अर्टिगा कार को ओला कैब के रूप में चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे। सोमवार देर शाम उन्होंने रूपवास बाईपास स्थित एक ढाबे के पास अपनी कार खड़ी की। बताया जा रहा है कि उन्होंने कार में बैठकर शराब का सेवन किया और वहीं लेट गए। रात करीब 10 बजे तक जब वह कार से बाहर नहीं निकले तो आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो विकास दुबे कार के अंदर मृत अवस्था में मिले। इसके बाद पुलिस ने उनके परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे और पोस्टमार्टम सहित किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं कराने का अनुरोध करते हुए शव अपने साथ गांव ले गए, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला प्राकृतिक मृत्यु का प्रतीत होता है। परिजनों ने किसी प्रकार की कार्रवाई न कराने का अनुरोध किया था, जिसके बाद शव उन्हें सौंप दिया गया।

छेड़छाड़ का विरोध करने पर युवती को जबरन तेजाब पिलाने का आरोप, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के गांव गोंदी में एक युवती को कथित तौर पर छेड़छाड़ का विरोध करना भारी पड़ गया। पीड़िता के परिजनों का आरोप है कि मनचलों ने घर में घुसकर युवती को जबरन तेजाब पिला दिया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता के भाई राशिद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गांव निवासी कादिर और नाजिम उसकी बहन के डेरी पर आने-जाने के दौरान उसका पीछा करते थे और उससे छेड़छाड़ करते थे। इस संबंध में उन्होंने गांव के सालिम से शिकायत की थी। आरोप है कि शिकायत से नाराज होकर सोमवार को कादिर, नाजिम, अब्दुल्ला और सालिम उनके घर में घुस आए। इस दौरान आरोपियों ने परिवार के साथ गाली-गलौज की और छत पर मौजूद उसकी बहन को जबरन तेजाब पिला दिया। जाते समय आरोपियों ने पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी।
राशिद ने बताया कि 29 जून की शाम सूचना मिली कि उसकी बहन ने तेजाब पी लिया है। घर पहुंचने पर बहन ने बताया कि कादिर और नाजिम ने पीछे से पकड़कर उसे जबरन तेजाब पिलाया, जबकि अब्दुल्ला और सालिम भी मौके पर मौजूद थे। घटना के बाद युवती को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक पारस मलिक ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर कादिर, नाजिम, अब्दुल्ला और सालिम, सभी निवासी गांव गोंदी, के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी दस्तावेजों से बैनामा कराने का आरोपी गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। थाना सिंभावली पुलिस ने फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर बैनामा कराने के मामले में लंबे समय से वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, थाना सिंभावली में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 343/2025 में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले में वांछित अभियुक्त विशाल अग्रवाल, पुत्र स्वर्गीय सुभाषचंद, निवासी दुगार्पुरी, थाना खतौली, जनपद मुजफ्फरनगर, को ग्राम खुडलिया फ्लाईओवर के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी पर फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उनके आधार पर बैनामा कराने का आरोप है। मामले में वह काफी समय से फरार चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक अजीत सिंह एवं कांस्टेबल धारा सिंह शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गबन के खेल में शामिल थे बैंककर्मी गगनदीप और रत्नेश

बैंककर्मी के खिलाफ पुलिस के पास पुख्ता सबूत

लखनऊ, एजेंसी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में बैंक कर्मियों की बड़ी भूमिका रही। पूरा खेल उनकी मिलीभगत से चल रहा था। इसमें बैंक के दो कर्मी रत्नेश और गगनदीप की संलिप्तता रही। पुलिस को दोनों के खिलाफ पुख्ता साक्ष्य मिले हैं। एसआईटी की प्रारंभिक जांच ने भी बैंक कर्मियों की भूमिका की तरफ इशारा कर रही थी। जल्द इन कर्मचारियों पर पुलिस का शिकंजा कसना तय है।

चढ़ावे की राशि की गणना में बैंक कर्मियों की अहम भूमिका रहती है। इसमें बैंक की तरफ से संविदाकर्मी लगाए गए थे। वहीं, दो बैंक कर्मियों की ड्यूटी निगरानी के लिए लगाई जाती थी। इसमें निगरानी के लिए रत्नेश चतुर्वेदी और गगनदीप की ड्यूटी रहती थी। इनके सामने गणना की जाती थी और फिर पूरी रकम बैंक में जमा होती थी। इस पूरी प्रक्रिया में दोनों कर्मचारी मौजूद रहते थे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दोनों की मिलीभगत की पुष्टि हुई है। पुलिस कभी भी इन दोनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गिरफ्तारी कर सकती है।

एक तरह से कमीशन ले रहे थे बैंककर्मी : गणना के दौरान ही आरोपी रकम पार करते थे। चूंकि उस दौरान कर्मियों की मौजूदगी वहीं रहती थी, इसलिए उनसे बच पाना मुश्किल होता था। लिहाजा, बैंक कर्मी भी उसी में शामिल हो गए। उनको पता था कि गणनाकर्मी रकम पार कर ही रहे हैं, तो वह भी इसका फायदा उठाकर रुपये पार करने लगे। वहीं, जेल भेजे गए आरोपियों को भी पूरी छूट मिल गई। बस कैमरे की तरफ अपने साथियों को खड़ा करके घेरा बनवाते थे और फिर रकम भीतर कर लेते थे।

पुलिस ने कब्जे में लिए कागजात, दोबारा पूछताछ संभव : राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की जांच कर रही पुलिस ने रविवार सुबह आठों आरोपियों के घरों पर एक साथ छापा मारा। सूत्रों के अनुसार छापा मारने के दौरान पुलिस ने जिन सामग्रियों को जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण माना, उन्हें विधिक प्रक्रिया के तहत अपने कब्जे में लिया। बरामद सामग्री का परीक्षण कर उसकी कड़ियां मामले से जोड़ने की तैयारी है। वहीं, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हर पहलू की गहन पड़ताल की जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर आरोपियों से दोबारा पूछताछ भी की जा सकती है। छापेमारी से मिले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

बैंक अधिकारी, पैरोकार भी दायरे में : सूत्रों के मुताबिक, पुलिस आरोपियों के अलावा ट्रस्ट के कर्मचारियों, उन्हें नौकरी दिलाने वाले रसूखदारों और बैंक के अधिकारी व कर्मचारियों से भी पूछताछ करेगी। किसी तरह का संदेह होने व साक्ष्य मिलने पर संबंधित को भी कार्रवाई के दायरे में लाया जाएगा। सूत्रों के अनुसार अनुकल्प मिश्रा को ट्रस्ट में रखवाने के लिए कौशलपुरी स्थित उसके मकान के पास रहने वाले एक बड़े भाजपा नेता ने पैरवी की थी।

अविनाश का भाई बोला, गलती की हो तो मिले सजा : पुलिस की एक टीम आरोपी अविनाश के किराये के मकान पर गई। वहां मौजूद उसके भाई अभिषेक शुक्ला से करीब पांच घंटे तक पूछताछ हुई। इसके बाद अभिषेक मीडिया के सामने आए और उन्होंने मामले की जानकारी से इन्कार किया। कहा कि यदि उनका भाई चोरी में संलिप्त है तो उनका कोई लेना-देना नहीं है। यदि उसने गलती की है तो उसे सजा जरूर मिले। पुलिस की कार्रवाई के दौरान हुई प्रक्रियाओं के बारे में उन्होंने कुछ भी बताने से इन्कार किया।

फाल्ट से परेशान रहे लोग, कई इलाकों में घंटों गुल रही बिजली

गोरखपुर , एजेंसी। शहर के विभिन्न इलाकों में शनिवार रात से रविवार तक बिजली फाल्ट और तकनीकी खराबियों के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कहीं ट्रांसफार्मर खराब हुआ तो कहीं 11 केवी केबल कट गई, जबकि कई क्षेत्रों में लो-वोल्टेज की समस्या भी बनी रही।रविवार सुबह 11 बजे गड़ेरिया टोला-बशारतपुर क्षेत्र का 400 केवीए का ट्रांसफार्मर खराब हो गया। इससे लगभग 150 घरों के लोगों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। विद्युत विभाग ने ट्रांसफार्मर बदला इसके बाद शाम करीब सात बजे बिजली आपूर्ति सामान्य हो सकी। उधर, राप्तीनगर के कृष्णा नगर में कार्य के दौरान शनिवार रात करीब 1:30 बजे 11 केवी केबल कट जाने से एक हजार से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। राप्तीनगर के एसडीओ राघवेंद्र द्विवेदी ने बताया कि केबल कटने के बाद वैकल्पिक फीडर से बिजली आपूर्ति शुरू कराई गई। क्षतिग्रस्त केबल की मरम्मत कर रविवार सुबह करीब 10 बजे आपूर्ति पूरी तरह बहाल कर दी गई।बिलंदपुर क्षेत्र में भी लोगों को बिजली कटौती झेलनी पड़ी। वहीं हिंदी बाजार स्थित विरासत गलियारा में शनिवार रात 11:30 बजे फाल्ट से बिजली गुल हो गई, जिसे रात करीब दो बजे बहाल किया जा सका। मोहद्दीपुर उपकेंद्र के झरना टोला में शनिवार रात करीब एक बजे एक बिजली का पोल गिर जाने से 30 से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

आईएमएस बीएचयू में लार की ग्रंथि की सियालो इंडोस्कोपी विधि से होगी सर्जरी

वाराणसी , एजेंसी। आईएमएस बीएचयू के ईएनटी डिपार्टमेंट (नाक, कान, गला विभाग) में अब लार की ग्रंथि की नई तकनीक (सियालो इंडोस्कोपी विधि) से सर्जरी की सुविधा जल्द शुरू होगी। पहले लार की ग्रंथि की सर्जरी में पूरी ग्रंथि निकालनी पड़ती थी, वहीं इस विधि में पूरी ग्रंथि निकालने की जरूरत नहीं पड़ेगी। केएन उडुप्पा सभागार में एसोसिएशन ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (एओआई) के क्षेत्रीय सम्मेलन मिड एओआईकॉन में सियालो इंडोस्कोपी विधि पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने कैडेवरिक डिमॉन्स्ट्रेशन (देहदान में चिकित्सा परीक्षण के लिए मिली डेडबॉडी पर सर्जरी का परीक्षण) के माध्यम से प्रतिभागियों को जटिल शल्य प्रक्रियाओं, आधुनिक तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। बीएचयू ईएनटी डिपार्टमेंट के प्रो. विश्वंभर सिंह के निर्देशन में राइनोलॉजी, ओटोलॉजी, न्यूरोटोलॉजी, स्कल बेस सर्जरी, कॉक्लियर इम्प्लांटेशन, एयरवे रिकंस्ट्रक्शन, लैरिंगोलॉजी, हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी सहित अन्य विकारों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के इस्तेमाल से इलाज की विधियों पर विशेषज्ञों ने चर्चा की। इसके लिए प्रोजेक्टर पर अलग-अलग मॉडल के माध्यम से यह बताया गया कि किस तरह एआई सर्जरी की प्रक्रिया में मददगार साबित होगा। रोबोटिक सर्जरी प्रशिक्षण, वीएनजी एवं पोस्ट्यूरोग्राफी कार्यशाला, स्ट्रोबोस्कोपी प्रशिक्षण, सियालेंडोस्कोपी कार्यशाला इस आयोजन में आकर्षण का केंद्र रहीं। इस दौरान आगामी दिनों में होने वाले 15वें कॉन्फ्रेंस का पोस्टर भी जारी किया गया। सम्मेलन में ईएनटी के क्षेत्र में शिक्षा, नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने वाले लोगों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार, सह-अध्यक्ष डॉ. एसके अग्रवाल, कोषाध्यक्ष डॉ. शिवा एस ने सम्मेलन में आए सभी चिकित्सकों, प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

हाईवे पर पांच युवकों की स्टंटबाजी का वीडियो वायरल, पुलिस करेगी कार्रवाई

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र में नेशनल हाईवे-9 पर एक बाइक पर सवार पांच युवकों द्वारा खतरनाक स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। युवकों की लापरवाही न केवल उनकी जान के लिए खतरा बनी, बल्कि हाईवे से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा भी दांव पर लग गई। वायरल वीडियो में गढ़ रोड पर एक ही बाइक पर पांच युवक सवार दिखाई दे रहे हैं। किसी ने भी हेलमेट नहीं पहन रखा है। बाइक चला रहा युवक तेज रफ्तार में वाहन को लहराते हुए स्टंट कर रहा है, जबकि पीछे बैठे अन्य युवक बाइक पर खड़े होकर हुड़दंग मचाते नजर आ रहे हैं। इस दौरान हाईवे पर यातायात भी सामान्य रूप से चलता दिखाई दे रहा है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता था। यातायात प्रभारी नरेश कुमार ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर बाइक का पंजीकरण नंबर तलाशा जा रहा है। वाहन और युवकों की पहचान होने के बाद उनके खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने युवाओं से अपील की है कि सड़क पर स्टंटबाजी और यातायात नियमों की अनदेखी न करें, क्योंकि ऐसी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है।

अति पिछड़ा, दलित व महिलाओं को हिस्सेदारी दिलाना जन सेवा दल का लक्ष्य : वीनेश ठाकुर

अलीगढ़ , एजेंसी। जनसेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीनेश ठाकुर (कर्पूरी) ने कहा कि पार्टी का उद्देश्य अति पिछड़ा, दलित और महिलाओं को उनकी आबादी के अनुरूप राजनीतिक और सामाजिक भागीदारी दिलाना है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब समाज के सभी वर्गों को समान अवसर और सम्मान मिलेगा।

वह रविवार को शहर के आईटीआई रोड स्थित एक लॉज में आयोजित जनसभा को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अति पिछड़े, दलित और उपेक्षित समाज को राजनीतिक रूप से संगठित करने का अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्षों तक इन वर्गों के वोट लेकर विभिन्न राजनीतिक दल सत्ता में पहुंचे, लेकिन उन्हें सत्ता और संगठन में उचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया।

पार्टी ने प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने कर्पूरी ठाकुर के आरक्षण मॉडल का उल्लेख करते हुए पिछड़े वर्गों के वर्गीकरण और हिस्सेदारी सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रामनरेश सिंह व संचालन दिनेश सिंह राजौरिया ने किया।

सभा में मंडल अध्यक्ष रामवीर सिंह, महिला मंडल अध्यक्ष उजलेश देवी, राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा सत्ता पार्टी नलिन चौधरी, राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा अल्पना श्रीवास्तव, प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा शशि सेन, राष्ट्रीय प्रवक्ता मंजेश ठाकुर, प्रदेश अध्यक्ष अरविंद ठाकुर, उमेश माथुर एमबीसी प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश, प्रदेश प्रभारी भोलाराम सविता, मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा उज्जलेश देवी आदि ने एकजुटता रखने पर जोर दिया। मौके पर चंद्रभान सिंह प्रधान, बलवीर सिंह, ओमवीर सिंह, ओमप्रकाश, रमेश चंद्र शास्त्री, डॉ. राजेश कुमार, सुरेंद्र सिंह, अरुण सिंह, रामप्रकाश सिंह, रिंकू सेन, अनोखे लाल सैनी आदि मौजूद रहे।

सुसाइड नोट लिखकर आईएमएस बीएच में जूनियर डॉक्टर ने दी जान, दरवाजा तोड़कर बाहर निकाली गई बॉडी, सनसनी

वाराणसी, एजेंसी। आईएमएस बीएचयू के सुश्रुत हॉस्टल में रहने वाले जूनियर डॉक्टर ऋत्विक कुंदू (26) ने ड्रिप में दवा डालकर जान दे दी। रविवार की रात मौके पर पहुंचे सुरक्षाकर्मियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने हॉस्टल का दरवाजा तोड़ा और ऋत्विक का शव बाहर निकाला। पुलिस ने हॉस्टल में छानबीन की तो सुसाइड मिला है। सुसाइड नोट में एक लड़की का नाम भी लिखा है। कहा है कि लड़की बहुत प्यार करती थी।

डॉ. ऋत्विक मूलरूप से पश्चिम बंगाल के हुगली के रहने वाले थे। एनेस्थीसिया विभाग में जूनियर डॉक्टर थे। शनिवार की दोपहर से ही वह ड्यूटी पर नहीं दिखे तो उनके साथियों ने खोजबीन शुरू की। हॉस्टल के कमरा नंबर 361 पर पहुंचने पर पता चला कि उन्होंने दरवाजा अंदर से बंद कर रखा था। साथियों ने इसकी सूचना हॉस्टल प्रशासन को दी।

बीएचयू प्रशासन की तरफ से पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो डॉक्टर अंदर बिस्तर पर पड़े थे। मौके पर मौजूद लोगों ने देखा कि उनके हाथ में ड्रिप लगी थी। बीएचयू प्रशासन ने भी साफ किया है कि डॉक्टर ने ड्रिप के जरिये दवा लेकर जान दी है। किस दवा का इस्तेमाल किया, इसकी जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी। डॉक्टरों के मुताबिक, एनेस्थिसिया की ओवरडोज से भी जान जा सकती है।

परिजनों को सूचना दी गई, कारण का पता लगाया जा रहा : जूनियर डॉक्टर ने यह कदम क्यों उठाया, इसका स्पष्ट कारण अभी पता नहीं चल पाया है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से उनके परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है। थाना प्रभारी राजकुमार शर्मा ने बताया कि घटना के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। सुसाइड नोट मिला है। जांच जारी है।

मम्मी-पापा मुझे माफ करना। मैं, आपकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पा रहा हूं। जिंदगी बहुत शॉर्ट है। बाहर से लग रहा था कि बहुत अच्छा है लेकिन यहां आकर पता चला कि संघर्ष बहुत है। अपनी इच्छा से जान दे रहा हूं इसके लिए किसी को परेशान न किया जाए। खास कर उस लड़की को जो मुझसे बहुत प्यार करती है। मेरे लिए बहुत कुछ किया है।

तुम्हारे बेटे को खत्म कर दिया, लाश उठाकर ले जाओ, कातिलों ने बाप को फोन पर कहा, फिर मार डाला

मेरठ, एजेंसी। सोनीपत जनपद के गांव जठेड़ी में किराए पर रह रहे मेरठ के खरखौदा थाना इलाके के गांव खंदावली निवासी विशाल (26) की प्रेम-प्रसंग के शक में लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी गई। उसके पिता का आरोप है कि आरोपी पक्ष ने पहले बेटे को जान से मारने की धमकी दी थी और वारदात के बाद कॉल कर कहा- तुम्हारे लड़के को खत्म कर दिया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

सोनीपत के थाने राई में गांव खंदावली निवासी शिव कुमार ने प्राथमिकी दर्ज कराई। इसमें बताया कि कि बेटा विशाल राई क्षेत्र स्थित बेसन कंपनी में कार्यरत था। वह गांव जठेड़ी में किराए पर रहता था। उसके पड़ोस में ओमवीर भी परिवार के साथ किराए पर रहता है। दोनों परिवारों के बीच अच्छे संबंध थे।

एक-दूसरे के घर आना-जाना भी था। उनका आरोप है कि मार्च से ओमवीर को अपनी पत्नी और विशाल के बीच प्रेम प्रसंग होने का शक हुआ था। इसी बात को लेकर ओमवीर ने कॉल कर उन्हें बेटे विशाल को समझाने की बात कही थी और धमकी दी थी कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो वह विशाल को जान से मार देगा।

तुम्हारे बेटे को खत्म कर दिया है और उसे उठाकर ले जाओ : विशाल के पीड़ित पिता शिव कुमार ने बताया कि शनिवार रात मोबाइल पर कॉल आई थी। इसमें अनुज उर्फ तनुज बोल रहा था। उन्हें अपने बेटे विशाल की चीखने की आवाज भी सुनाई दे रही थीं। आवाज आई कि तुम्हारे बेटे को खत्म कर दिया है और उसे उठाकर ले जाओ।

आरोपी के पिता ने खुद पुलिस को दी सूचना : सोनीपत पुलिस के अनुसार, गांव जठेड़ी निवासी ओमवीर ने थाना राई पहुंचकर सूचना दी कि उसके बेटे तनुज ने विशाल की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी है और शव खेत में पड़ा हुआ है। सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां मैक्स हाइट मेट्रो व्यू के सामने जठेड़ी-राठधाना रोड स्थित खेत में विशाल का खून से लथपथ शव बरामद हुआ।

दो डंडे बरामद किए एफएसएल टीम प्रभारी डॉ. रवि ने टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया और खून से सनी मिट्टी तथा शव से कुछ दूरी पर पड़े दो बांस के डंडों को कब्जे में लेकर पुलिस को सौंपा। पुलिस ने मामले में विशाल के पिता शिव कुमार की शिकायत पर तनुज उर्फ अनुज तथा उसके अन्य साथियों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़, बहनें हुई बदहवास : विशाल की हत्या के बाद जहां परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट गया, वहीं पिता ने अपनी बेबसी दिखाते हुए बताया कि हत्यारों ने कॉल कर बेटे की हत्या की पूरी घटना परिजनों को सुनाई लेकिन वह बेटे को बचा नहीं सके। विशाल की मौत की खबर के बाद दो बहनें बदहवास हो गईं।

खंदावली निवासी शिवकुमार के अनुसार, परिवार के पालन-पोषण के लिए का उचित जरिया न होने के कारण वह खुद भी मेहनत-मजदूरी करते हैं। बड़ा बेटा अतुल नोएडा में नौकरी करता है। विशाल सोनीपत में चार वर्ष से था। परिवार में माता-पिता व दो बहनों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी दोनों भाइयों पर थी।

कुछ दिन पहले ही विशाल के चचेरे भाई की मौत हो गई थी तो विशाल कुछ दिन के लिए परिवार में रहकर गया था। पिता शिव कुमार ने बताया कि शनिवार रात करीब 8:00 बजे उसके फोन पर एक कॉल आई। इसमें कॉल करने वाले युवक ने शिवकुमार से बात की। दूसरी ओर से कॉल करने वाले युवक ने बताया कि तेरे बेटे की हत्या कर रहे हैं। कॉल पर बेटे की चिल्लाने की आवाज आई। हत्यारोपी ने शिवकुमार से कहा कि हम इसकी हत्या कर रहे हैं इसकी डेड बॉडी उठाकर ले जाना। मां कमल भी बिलखती रही। उसने बताया कि दोनों बेटों की शादी की भी तैयारी चल रही थी। लेकिन उससे पहले ही बेटे की हत्या हो गई। सोनीपत से शव पहुंचने पर देर शाम अंतिम संस्कार कर दिया गया।

▸▸ गांव जठेड़ी के खेत में युवक की पीटकर हत्या की गई है। प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी को दबिश दी जा रही है।

जांच अधिकारी एवं इंस्पेक्टर यशबीर, थाना प्रभारी राई, सोनीपत

यमुना प्राधिकरण ने आठ उद्योगों को सौंपे आशय पत्र, 3181 करोड़ रुपये के निवेश से 18 हजार से अधिक रोजगार के अवसर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (वाईईआईडीए) ने औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मंगलवार को आठ औद्योगिक निवेशकों को भूमि आवंटन के लिए आशय पत्र सौंपे। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने आयोजित कार्यक्रम में निवेशकों को आशय पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं निवेश प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी शैलेन्द्र कुमार भाटिया सहित प्राधिकरण के अधिकारी और निवेशक मौजूद रहे। प्राधिकरण के अनुसार इन आठ

परियोजनाओं के माध्यम से 3,181.20 करोड़ रुपये का निवेश होगा तथा करीब 18,126 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। प्रस्तावित इकाइयों में वाहन कलपुर्जा निर्माण, स्मार्ट विद्युत उपकरण, इस्पात फर्नीचर, चिकित्सा उपयोग के दस्ताने, खाद्य प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग, इत्र एवं सौंदर्य प्रसाधन, मुद्रित परिपथ पट्ट (पीसीबी) तथा इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों का निर्माण किया जाएगा। इससे यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में औद्योगिक

गतिविधियों को नई गति मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। सबसे बड़ा निवेश समवर्धना मदरसन इंटरनेशनल लिमिटेड करेगा, जिसे सेक्टर-8डी में 50 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। कंपनी 1,156 करोड़ रुपये के निवेश से वाहन कलपुर्जों की निर्माण इकाई स्थापित करेगी, जिससे लगभग 8,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके अलावा बालर मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड, त्रिवेणी अलमीराह प्राइवेट लिमिटेड, अनोंदिता हेल्थकेयर, क्रिस्पी सिटी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, ए.जी. ऑर्गेनिका प्राइवेट लिमिटेड, इनोवेक्स प्रोडक्ट्स एलएलपी तथा अपार इन्फ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड भी विभिन्न क्षेत्रों में अपनी औद्योगिक इकाइयां स्थापित करेंगी। मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने कहा कि यमुना प्राधिकरण निवेशकों को पारदर्शी, त्वरित और उद्योग अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इन परियोजनाओं से औद्योगिक विकास को गति मिलने के साथ उत्तर प्रदेश को विनिर्माण और निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी।

विकास कार्यों पर दुष्प्रचार करने वालों को जनता देगी जवाब : विधायक डॉ. मंजू सिवाच

मोदीनगर (शिखर समाचार)। मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र की विधायक डॉ. मंजू सिवाच ने मंगलवार को अपने कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों का ब्यौरा देते हुए सोशल मीडिया पर लगाए जा रहे आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सुनियोजित तरीके से विकास कार्यों को लेकर दुष्प्रचार कर रहे हैं, लेकिन जनता सच्चाई से भली-भांति परिचित है। विधायक ने कहा कि नंद नगरी, चूना भट्टी सहित कई मलिन बस्तियां वर्षों से विकास से वंचित थीं। उनके प्रयासों से इन क्षेत्रों में पहली बार सड़क निर्माण सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हुआ। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों में शासन के सहयोग से विधायक निधि के अतिरिक्त करीब 50 करोड़ रुपये के विकास कार्य कराए गए हैं। डॉ. सिवाच ने गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल में कुश्ती खिलाड़ियों के लिए मैट और खेल उपकरण उपलब्ध कराने को लेकर लगाए जा रहे आरोपों का भी जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि इसके लिए नगर में कई स्थानों का निरीक्षण किया गया, लेकिन उपयुक्त स्थान नहीं मिलने पर राष्ट्रीय एवं अन्य प्रतिभाशाली कुश्ती खिलाड़ियों से चर्चा के बाद छाया पब्लिक स्कूल का चयन किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वहां उपलब्ध कराए गए मैट और उपकरण किसी एक संस्था के लिए नहीं, बल्कि नगर के सभी कुश्ती खिलाड़ियों के उपयोग के लिए हैं। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र की 24 सड़कों का जीर्णोद्धार कराया जा चुका है, जबकि जर्जर हालत में पड़ी 25 अन्य सड़कों के निर्माण का प्रस्ताव मुख्यमंत्री को भेजा गया है। स्वीकृति मिलते ही इन सड़कों का निर्माण भी शुरू कराया जाएगा। इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्र सिखेड़ा रोड पर भी सड़क निर्माण कराया गया है। विधायक ने कहा कि कुछ लोग राजनीतिक दुर्भावना के चलते सोशल मीडिया पर उन्हें निशाना बना रहे हैं, जो पूरी तरह निंदनीय है। उन्होंने कहा कि विकास कार्य ही उनकी प्राथमिकता हैं और आगे भी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद वैशाली, भोजपुर ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. देवेंद्र सिवाच सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

लगातार दूसरे साल चैंपियन बनी 38 यूपी बटालियन एनसीसी, मैप रीडिंग व जियोस्पेशियल प्रतियोगिता में लहराया परचम

हापुड़ (शिखर समाचार)। 38 यूपी बटालियन एनसीसी, हापुड़ ने लगातार दूसरे वर्ष मैप रीडिंग एवं जियोस्पेशियल गतिविधि प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी श्रेष्ठता कायम रखी है। ग्रेटर नोएडा में आयोजित अंतर बटालियन थल सेना शिविर के दौरान हुई इस प्रतियोगिता में हापुड़ के कैडेट्स ने दस बटालियनों को पीछे छोड़ते हुए चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, गाजियाबाद के तत्वावधान में दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा में आयोजित प्रतियोगिता में गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, शामली, बड़ौत और हापुड़ की कुल 10 एनसीसी बटालियनों के कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में कैडेट्स की उन्नत मानचित्र अध्ययन क्षमता, क्षेत्र की समझ और भू-स्थानिक ज्ञान का परीक्षण किया गया, जिसमें हापुड़ के कैडेट्स ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया।

पुरस्कार वितरण समारोह में एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, गाजियाबाद के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर अजीत सिंह ने विजेता टीम को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह सफलता कैडेट्स की मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रशिक्षण का परिणाम है।

38 यूपी बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर ने भी विजेता कैडेट्स की सराहना करते हुए कहा कि भू-स्थानिक अध्ययन जैसे उभरते क्षेत्र में उनकी रुचि और दक्षता भविष्य के लिए प्रेरणादायक है। उल्लेखनीय है कि हापुड़ बटालियन ने वर्ष 2025 में भी इस प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया था और इस वर्ष भी अपनी बादशाहत बरकरार रखी है।

सेवानिवृत चार उपनिरीक्षकों व एक मुख्य आरक्षी को भावभीनी विदाई

शामली (शिखर समाचार)। पुलिस लाइन शामली में मंगलवार को आयोजित सम्मान समारोह में पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह ने अधिवर्षता आयु पूर्ण होने पर सेवानिवृत हुए चार उपनिरीक्षकों एवं एक मुख्य आरक्षी को सम्मानपूर्वक विदाई दी। इस दौरान उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों की दीर्घ, अनुकरणीय एवं उत्कृष्ट सेवाओं की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद और उज्वल भविष्य की कामना की।

समारोह को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस सेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित जनसेवा का महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने कहा कि सेवा अवधि के दौरान कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, ईमानदारी और समर्पण के साथ किया गया कार्य सदैव प्रेरणास्रोत बना रहता है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने सभी सेवानिवृत पुलिसकर्मियों को स्मृति-चिह्न, अंगवस्त्र एवं श्रीमद्भगवद्गीता की प्रति भेंट कर सम्मानित किया। वहीं, सेवानिवत्त अधिकारियों ने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा करते हुए विभाग और वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने वर्तमान पुलिसकर्मियों से निष्पक्षता, ईमानदारी और पूर्ण निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का आह्वान भी किया। सम्मान समारोह में सेवानिवृत होने वालों में उपनिरीक्षक दया शंकर, धर्मवीर सिंह, हरिओम शर्मा, वीरेंद्र कुमार कैन तथा मुख्य आरक्षी विजय सिंह शामिल रहे।

अग्नि सुरक्षा मानकों में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई, 15 दिन में एनओसी व पंजीकरण कराएं : डीएम मेधा रूपम

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद में संचालित कोचिंग संस्थानों, निजी अस्पतालों, होटल, रेस्टोरेंट, पीजी, हॉस्टल, लाइब्रेरी और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराने के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न संस्थानों के संचालकों और संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संस्थानों को भवन उपविधियों, अग्नि सुरक्षा मानकों और शासन के नियमों के अनुरूप आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी), पंजीकरण तथा अन्य वैधानिक अनुमतियां 15 दिनों के भीतर प्राप्त करनी होंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना वैधानिक स्वीकृतियों के किसी भी संस्थान का संचालन स्वीकार नहीं किया जाएगा। निर्धारित समय के बाद नियमों का पालन न करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध सीलिंग सहित कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में निर्देश दिए गए कि सभी संस्थानों में सुरक्षित प्रवेश और निकास की व्यवस्था रहे। जहां बायोमेट्रिक या इलेक्ट्रॉनिक प्रवेश द्वार हैं, वहां कर्मचारी की तैनाती अनिवार्य होगी तथा आपात स्थिति में निकासी के लिए एग्जिट गेट हर समय खुला रखा जाएगा। जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में बेसमेंट में कोचिंग, अस्पताल, होटल, रेस्टोरेंट या अन्य सार्वजनिक गतिविधियों का संचालन नहीं किया जाएगा। उन्होंने लिफ्ट अधिनियम का पालन सुनिश्चित करने, लिफ्ट का नियमित सुरक्षा परीक्षण और वार्षिक अनुरक्षण कराने के निर्देश दिए। साथ ही सभी संस्थानों को नियमित अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल आयोजित करने तथा सभी कर्मचारियों को आपदा की स्थिति में बचाव और सुरक्षित निकासी का प्रशिक्षण देने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गठित टीमें अभियान चलाकर कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों, होटल, पीजी, हॉस्टल और अन्य प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण करें। जहां भी सुरक्षा मानकों का उल्लंघन मिले, वहां तत्काल नियमानुसार कार्रवाई कर प्रतिदिन प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। बैठक में अग्निशमन, स्वास्थ्य, शिक्षा और विद्युत सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने एनओसी, पंजीकरण और अग्नि सुरक्षा संबंधी प्रक्रियाओं की जानकारी भी दी।

ऋषिकेश में एमडीडीए का महा-एक्शन: 5 ठिकानों पर गरजा बुलडोजर, अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त और बहुमंजिला इमारतें सील

आरव शर्मा
देहरादून (शिखर समाचार)।
मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने भू-माफियाओं और अवैध निर्माण के खिलाफ अपनी अब तक की सबसे बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। ऋषिकेश में एमडीडीए का बुलडोजर जमकर गरजा। प्राधिकरण की टीम ने एक साथ पांच अलग-अलग ठिकानों पर कार्रवाई करते हुए बिना नक्शा पास बनी बहुमंजिला इमारतों को सील कर दिया, जबकि कई बीघा कृषि भूमि पर काटी जा रही अवैध कॉलोनियों को नेस्तनाबूद कर दिया। एमडीडीए ने 'जीरो टॉलरेंस' का साफ संदेश देते हुए स्पष्ट कर दिया है कि शहर के सुनियोजित विकास में बाधा बनने वाले किसी भी अवैध निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा।

गंगा नगर से हुई कार्रवाई की शुरूआत

एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी के सख्त निर्देशों के बाद प्रवर्तन टीम ने सबसे पहले गंगा नगर स्थित परशुराम चौक पर छापा मारा। यहां बिना मानचित्र स्वीकृति के एक बहुमंजिला इमारत का निर्माण धड़ल्ले से चल रहा था। टीम ने तत्काल प्रभाव से इस निर्माणाधीन इमारत को सील कर आगे के निर्माण पर पूरी तरह से रोक लगा दी।

आमबाग में पांच बीघा अवैध प्लॉटिंग पर चला बुलडोजर

गंगा नगर के बाद टीम का रुख आमबाग क्षेत्र की ओर हुआ। यहां दो अलग-अलग स्थानों पर करीब पांच बीघा जमीन पर भू-माफियाओं द्वारा अवैध रूप से प्लॉटिंग की जा रही थी। प्राधिकरण की जेसीबी मशीनों ने मौके पर बनाई गई सड़कों, भूखंडों की बाउंड्री और अन्य विकास कार्यों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, कृषि भूमि को बिना अनुमति काटकर बेचने

का यह खेल शहर के भविष्य के लिए बड़ा खतरा बन रहा था। इसके साथ ही, आमबाग के गायत्री विला क्षेत्र और गली नंबर-2 में भी बिना अनुमति बन रही दो अन्य बहुमंजिला इमारतों पर भी ताला जड़ दिया गया।

अवैध कॉलोनियों से बढ़ता है बुनियादी सुविधाओं पर दबाव

प्राधिकरण को ऋषिकेश क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों और मनमाने निर्माण की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। स्थलीय जांच में इन शिकायतों की पुष्टि होने के बाद यह बड़ी कार्रवाई की गई है। अधिकारियों का मानना है कि अनधिकृत कॉलोनियों से भविष्य में सड़क, सीवर और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं पर भारी दबाव पड़ता है, जिसे देखते हुए ऐसे मामलों में अब कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

नियम तोड़ने वालों पर और तेज होगा एक्शन: एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी

एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सुनियोजित शहरी विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने दो टूक कहा कि नियमों को ताक पर रखकर अवैध निर्माण करने या बिना अनुमति प्लॉटिंग कर लोगों को भूखंड बेचने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। आने वाले दिनों में इस अभियान को और भी तेज किया जाएगा। वहीं, एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया ने आम जनता से अपील की है कि वे भवन निर्माण या भूमि विकास से पहले प्राधिकरण से सभी जरूरी स्वीकृतियां अवश्य लें। उन्होंने सख्त चेतावनी दी कि बिना नक्शा पास कराए निर्माण करने वालों के खिलाफ नोटिस, सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

डिजिटल अरेस्ट : बैंक के रिटायर्ड प्रबंधक से ठगी करने वाला 1 अभियुक्त गिरफ़्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर करोड़ों रुपये की साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के एक सदस्य शुभम को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो मोबाइल फोन और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं। साथ ही ठगी की रकम में से 19 लाख रुपये फ्रीज कराने में भी सफलता प्राप्त की है। एसीपी क्राइम अमित सक्सेना ने बताया कि रामप्रकाश हुरिया निवासी रामप्रस्थ कॉलोनी को 22 मई से 4 जून 2026 तक साइबर अपराधियों ने अपना निशाना बनाया था। आरोपियों ने उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने और गिरफ्तारी का भय दिखाकर कई दिनों तक तथाकथित डिजिटल अरेस्ट में रखा। इस दौरान पीड़ित पर लगातार मानसिक दबाव बनाते हुए उनके बैंक खाते से करीब 2.19 करोड़ रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करा लिए गए थे। मामले में थाना साइबर क्राइम में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान साइबर क्राइम टीम ने उन्नाव के अचलगंज थाना क्षेत्र से गिरोह के सदस्य शुभम सिंह यादव को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक शुभम ने पूछताछ में बताया कि उसने एमबीए करने के बाद होटल लीज और कंस्ट्रक्शन का काम शुरू किया था। उसकी मुलाकात हरिओम पांडेय से हुई, जिसने शेयर ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के नाम पर बैंक खातों की व्यवस्था कराने के लिए उसे तैयार किया। इसके बदले खाते में आने वाली रकम का पांच प्रतिशत कमीशन देने का लालच दिया गया। आरोपी ने अपने इंटरनेट बैंकिंग के क्रेडेंशियल्स और ओटीपी फॉरवर्ड करने की सुविधा भी हरिओम पांडेय को उपलब्ध करा दी, जिससे साइबर ठगी की रकम विभिन्न खातों में ट्रांसफर की जाती रही। गिरोह का मुख्य सरगना हरिओम पांडेय विदेश में बैठे अपने साथियों के संपर्क में था। विदेशी सदस्य, विशेषकर सिंगापुर और कंबोडिया से व्हाट्सएप कॉल कर लोगों को डिजिटल अरेस्ट का झांसा देते थे। पीड़ितों से ठगी गई रकम को कई बैंक खातों में ट्रांसफर कर साइफन किया जाता था और बाद में क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से कमीशन विदेश भेजा जाता था। इस अपराध में प्रयुक्त सिम कार्ड अमरोहा, बहाबलपुर और फरीदकोट से जारी किए गए थे। संबंधित पॉइंट ऑफ सेल संचालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी शुभम सिंह यादव उम्र 37 वर्षीय निवासी श्रीनगर आलमबाग लखनऊ एमबीए शिक्षित है। उसके कब्जे से दो मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस अब फरार आरोपी हरिओम पांडेय, आसिफ अंसारी और ओंकार श्रीवास्तव की तलाश में जुटी है। इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

ऑपरेशन प्रहार : इंदिरापुरम पुलिस ने अवैध गांजे के साथ तस्कर को दबोचा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ऑपरेशन प्रहार के तहत इंदिरापुरम थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब 1.5 किलोग्राम अवैध गांजा और गांजा बेचकर अर्जित किए गए 1110 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि 29/30 जून 2026 की रात ऑपरेशन प्रहार के अंतर्गत थाना इंदिरापुरम पुलिस क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान ग्रीन बेल्ट रोड, शक्ति खंड-4 स्थित झुग्गी-झोपड़ी के पास संदिग्ध गतिविधि करते हुए एक युवक को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 1.5 किलो गांजा और 1110 रुपये नकद बरामद हुए, जिसके बाद उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अवधीश कुमार उम्र 25 वर्ष पुत्र स्वर्गीय कल्ली सिंह के रूप में हुई है। वह वर्तमान में शक्ति खंड-4, इंदिरापुरम स्थित झुग्गी-झोपड़ी में रहता था, जबकि उसका मूल निवास बिहार के आरा जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के दर्शन छपरा गांव का है। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह दिल्ली से एक अज्ञात व्यक्ति से गांजा खरीदकर लाता था। इसके बाद वह गांजे की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर स्थानीय लोगों को बेचता था। उसने यह भी स्वीकार किया कि गांजा बेचकर मिलने वाले पैसों से वह अपने शौक पूरे करता था और स्वयं भी गांजे का सेवन करता है। आरोपी के इस खुलासे के बाद पुलिस अब उसके सप्लाई नेटवर्क और दिल्ली में गांजा उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति की तलाश में जुट गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

गाली गलौज का विरोध करने पर युवक से मारपीट, तीन के खिलाफ मुकदमा

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव मेहंदीपुर में गाली-गलौज का विरोध करने पर एक युवक के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में गांव मेहंदीपुर निवासी मुबिन खान ने बताया कि उनके बड़े भाई शौकीन के साथ गांव के फजर मोहम्मद ने खेत की जुताई को लेकर फोन पर अभद्र भाषा का प्रयोग किया। आरोप है कि जब शौकीन ने इसका विरोध करते हुए फजर मोहम्मद से बात करने पहुंचा, तो वहां फजर मोहम्मद, उसकी पत्नी जरीना और बेटी ने मिलकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में शौकीन घायल हो गया। आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मोदीनगर में गैस सिलेंडर फटने से मकान की छत उड़ी, चार पड़ोसी मकानों में आई दरारें

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भोजपुर गांव में मंगलवार सुबह रसोई गैस सिलेंडर फटने से जोरदार धमाका हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि मकान की छत उड़ गई, घर का पूरा सामान जलकर राख हो गया और आसपास के चार मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं। गनीमत रही कि महिला और उसके तीनों बच्चे समय रहते बाहर निकल गए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार मेरठ निवासी रेशमा अपने तीन बच्चों के साथ भोजपुर गांव में यूनुस के मकान में किराये पर रहती हैं। मंगलवार सुबह रेशमा चाय बनाने के लिए रसोई में गईं। जैसे ही उन्होंने गैस चूल्हा जलाने के लिए माचिस जलाई, अचानक आग भड़क उठी। स्थिति को भांपते हुए उन्होंने तुरंत अपने तीनों बच्चों को लेकर घर से बाहर निकल गईं। कुछ ही देर बाद तेज धमाके के साथ रसोई गैस सिलेंडर फट गया। विस्फोट से मकान की छत उड़ गई और घर में रखा सारा सामान आग की चपेट में आकर नष्ट हो गया। धमाके का असर इतना तेज था कि पड़ोसी ओमकार और श्रीचंद समेत चार मकानों की दीवारों में दरारें आ गईं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटना की सूचना दमकल विभाग को दी गई, लेकिन काफी देर तक दमकल की गाड़ी मौके पर नहीं पहुंची। इसके बाद ग्रामीणों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक घर का पूरा सामान जल चुका था। प्राथमिक जानकारी के अनुसार गैस सिलेंडर पहले से रिसाव कर रहा था। साथ ही रसोई के पास बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट की भी समस्या बताई जा रही है। आशंका है कि इन्हीं कारणों से आग लगी और बाद में सिलेंडर में विस्फोट हो गया। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और विस्फोट के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

संपादकीय

रोजगार की नई गारंटी: वादे से विश्वास तक का कठिन सफर

उत्तर प्रदेश में एक जुलाई 2026 से ग्रामीण रोजगार व्यवस्था एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। वर्षों से ग्रामीण रोजगार का आधार रही मनरेगा की जगह अब विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जीरामजी) लागू किया जा रहा है। राज्य सरकार का दावा है कि यह केवल नाम परिवर्तन नहीं बल्कि ग्रामीण रोजगार, आजीविका और विकास की सोच में व्यापक बदलाव का प्रयास है। इस नई व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यदि पंजीकरण के बाद किसी पात्र श्रमिक को 15 दिनों के भीतर काम उपलब्ध नहीं कराया जाता है तो 16वें दिन से उसे दैनिक बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। इसके साथ ही यदि मजदूरी का भुगतान निर्धारित समय सीमा के भीतर नहीं होता है तो मजदूर को प्रतिदिन की दर से विलंब मुआवजा भी मिलेगा। यह व्यवस्था सरकार की जवाबदेही तय करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। लेकिन किसी भी नई योजना की सफलता केवल उसके आकर्षक प्रावधानों से नहीं बल्कि उसके ईमानदार और प्रभावी क्रियान्वयन से तय होती है।

ग्रामीण भारत की सबसे बड़ी चुनौती आज भी रोजगार और आय का स्थायित्व है। खेती पर बढ़ता दबाव, सीमित कृषि आय, छोटे जोतों का लगातार बंटवारा और गांवों से शहरों की ओर पलायन लंबे समय से चिंता का विषय रहे हैं। मनरेगा ने कठिन परिस्थितियों में करोड़ों परिवारों को राहत देने का काम किया, लेकिन समय के साथ इसमें भ्रष्टाचार, फर्जी उपस्थिति, भुगतान में देरी, अधूरे कार्य और निगरानी की कमजोर व्यवस्था जैसी शिकायतें भी सामने आती रहीं। ऐसे में यदि नई योजना इन कमियों को दूर करते हुए ग्रामीण रोजगार को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और परिणामोन्मुख बना सके तो निश्चित रूप से यह एक सकारात्मक बदलाव साबित होगा।

नई योजना के तहत रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण पर भी विशेष जोर दिया गया है। जल संरक्षण, सिंचाई, ग्रामीण सड़कें, तालाबों का पुनर्जीवन, वृक्षारोपण, कृषि आधारित ढांचे का विकास, पशुपालन और स्थानीय संसाधनों के संरक्षण जैसे कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। यदि इन योजनाओं का सही चयन किया जाता है तो इससे केवल मजदूरी ही नहीं मिलेगी बल्कि गांवों की उत्पादन क्षमता भी बढ़ेगी। यही किसी भी रोजगार योजना की वास्तविक सफलता होगी कि वह अस्थायी आय के साथ-साथ भविष्य के लिए स्थायी विकास का आधार भी तैयार करे।

इस योजना में डिजिटल तकनीक का अधिक उपयोग किए जाने पर भी जोर दिया गया है। श्रमिकों का पंजीकरण, कार्य आवंटन, उपस्थिति, भुगतान और निगरानी को तकनीक से जोड़ने का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना है। यदि इसका सही उपयोग हुआ तो फर्जीवाड़े पर काफी हद तक रोक लग सकती है और वास्तविक लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना आसान होगा। हालांकि यह भी ध्यान रखना होगा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी डिजिटल साक्षरता और इंटरनेट की उपलब्धता समान रूप से नहीं है। इसलिए तकनीक सुविधा बने, बाधा नहीं, इसका विशेष ध्यान रखना होगा।

बेरोजगारी भत्ता और विलंब मुआवजा जैसी व्यवस्थाएं इस योजना की सबसे बड़ी ताकत मानी जा रही हैं। लंबे समय से श्रमिक संगठन मांग करते रहे हैं कि यदि सरकार समय पर काम नहीं दे पाती तो उसकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

~ मौलिक चिंतन ~

यदि आपको सुनने की आदत नहीं है, तो आप कहने का अधिकार भी खो देते हैं।

~~~~~~~~

© विनय संकोची

मयार्दा के मंदिर में पारदर्शिता की घंटी कब बजेगी?

सोनम लववंशी

'राम' भारतीय मानस में केवल एक नाम नहीं, बल्कि मयार्दा का पर्याय हैं। इसलिए जब उनके नाम से जुड़ी किसी संस्था, ट्रस्ट या व्यवस्था पर वित्तीय अनियमितताओं, कथित गबन या अपारदर्शिता के आरोपों की चर्चा होती है, तब चोट केवल कानून को नहीं लगती है। यह घाव समाज की आत्मा पर पड़ता है। ईंट-पत्थर से बने मंदिरों की मरम्मत संभव है, लेकिन टूटे हुए विश्वास का पुनर्निर्माण सबसे कठिन कार्य है। इतना ही नहीं विडंबना यह है कि इस देश में धर्म की रक्षा के नाम पर अक्सर धर्म के मूल तत्व सत्य, ईमानदारी और उत्तरदायित्व को ही सबसे पहले किनारे रख दिया जाता है। प्रश्न पूछने वाले को संदेह की निगाह से देखा जाता है, जबकि हिसाब देने वाले से कोई प्रश्न नहीं किया जाता। मानो श्रद्धा का अर्थ विवेक का परित्याग हो। यह वही समाज है जो दान-पात्र में नोट डालते समय आँखें बंद कर लेता है और बाद में खुलासों पर आँखें मलता रह जाता है।

कबीर ने लिखा था कि, 'राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट।' उनका आशय भक्ति की उस अमूल्य संपदा से था जिसे हर कोई बिना मूल्य प्राप्त कर सकता है। लेकिन समय ने इस पंक्ति का ऐसा विडंबनापूर्ण रूप गढ़ दिया है कि अब कई बार यह प्रश्न उठने लगता है। क्या कहीं 'राम' साधना का नहीं, साधन का नाम बनते जा रहे हैं? क्या आस्था की छाया में जवाबदेही का सूर्य अस्त हो जाता है? ऐसे में यदि राम मंदिर या उससे जुड़े किसी ट्रस्ट के संदर्भ में वित्तीय गड़बड़ियों या कथित गबन की बातें सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनती हैं, तो सबसे पहली अपेक्षा निष्पक्ष जांच और पूर्ण पारदर्शिता की होनी चाहिए। जो संस्था स्वयं को नैतिक आदर्शों का प्रतिनिधि मानती है, उसे सामान्य संस्थाओं से कहीं अधिक कठोर सार्वजनिक परीक्षण स्वीकार करना चाहिए। यदि सब कुछ सही है तो जांच से प्रतिष्ठा बढ़ेगी; यदि नहीं, तो सुधार का मार्ग खुलेगा। दोनों ही स्थितियों में सत्य का लाभ होगा। सबसे बड़ा व्यंग्य यह है कि भगवान राम ने राजपाट त्यागकर मयार्दा बचाई थी, लेकिन आज कहीं-कहीं मयार्दा को त्यागकर प्रतिष्ठान बचाने की बेचैनी दिखाई देती है। राम ने न्याय के लिए अपने निजी सुखों का बलिदान दिया था, जबकि आधुनिक समय में कुछ लोग न्याय से बचने के लिए राम के नाम का सहारा खोजते दिखाई देते हैं। यह विरोधाभास केवल हास्यास्पद नहीं, गहरी नैतिक विफलता का संकेत है।

समाज का एक हिस्सा हर आरोप को बिना जांच अंतिम सत्य मान लेता है और दूसरा हर आरोप को बिना जांच षड्यंत्र कहकर खारिज कर देता है। दोनों प्रवृत्तियाँ लोकतांत्रिक चेतना को कमजोर करती हैं। न अंधविश्वास स्वस्थ है, न अंध-अविश्वास। आवश्यकता तथ्यों, स्वतंत्र जांच और सार्वजनिक जवाबदेही की है। कानून और नैतिकता दोनों का सम्मान तभी संभव है जब भावनाएँ प्रमाणों का स्थान न ले लें। आज हमारी सबसे बड़ी समस्या भ्रष्टाचार से भी अधिक चयनात्मक नैतिकता है। यदि आरोप किसी विरोधी पर हों तो हम न्याय की माँग करते हैं, और यदि वही प्रश्न अपने प्रिय पक्ष पर उठे तो उसे आस्था पर हमला घोषित कर देते हैं। सिद्धांतों का मूल्य तभी है जब वे व्यक्ति, दल, विचारधारा और संस्था से ऊपर खड़े रह सकें। अन्यथा नैतिकता केवल भाषणों की सजावट बनकर रह जाती है।

राम का नाम किसी आर्थिक लेन-देन की ढाल नहीं बन सकता। वह तो स्वयं सत्य की कसौटी है। यदि किसी ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं के विश्वास और दान का दुरुपयोग किया हो, तो वह केवल वित्तीय अपराध नहीं बल्कि नैतिक विश्वासघात भी होगा। और यदि आरोप असत्य हों, तो उन्हें तथ्यों और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से खारिज किया जाना चाहिए, न कि भावनात्मक नारों के सहारे। यह भी विचारणीय है कि मंदिर की भव्यता केवल शिखर की ऊँचाई से नहीं मापी जाती। उसकी वास्तविक ऊँचाई उसके लेखे-जोखे की ईमानदारी, प्रशासन की पारदर्शिता और प्रबंधन की जवाबदेही से तय होती है। संगमरमर की चमक उस समय फीकी पड़ जाती है जब हिसाब की किताब धुंधली दिखाई देने लगे। राम भारतीय संस्कृति में इसलिए पूजनीय नहीं हैं कि वे शक्तिशाली थे, बल्कि इसलिए कि उन्होंने शक्ति पर मयार्दा को वरीयता दी। यदि आज उनके नाम पर बनी किसी भी व्यवस्था में मयार्दा की जगह अपारदर्शिता, सत्य की जगह प्रचार और जवाबदेही की जगह मौन ले ले, तो सबसे बड़ा अपमान राम का नहीं होगा। सबसे बड़ा अपमान उन मूल्यों का होगा जिनके कारण राम युगों-युगों तक आदर्श बने रहे। समय की माँग स्पष्ट है: श्रद्धा बनी रहे, किंतु उसके साथ साहस भी जुड़ा रहे; मंदिर खड़े रहें, लेकिन उनके साथ सत्य भी खड़ा रहे; दान आता रहे और उसके साथ सार्वजनिक लेखा-परीक्षा भी चलती रहे। क्योंकि अंततः राम की सबसे बड़ी पूजा दीप जलाने में नहीं, सार्वजनिक जीवन को मयार्दा, ईमानदारी और सत्य के प्रकाश से आलोकित करने में है।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस - सफेद कोट में बसती है उम्मीद की सबसे बड़ी ताकत

योगेश कुमार गोयल

मानवता के सबसे बड़े जीवन-रक्षक को नमन...

चिकित्सकों के समाज के प्रति समर्पण एवं प्रतिबद्धता के लिए कृतज्ञता और आभार व्यक्त करने तथा मेडिकल छात्रों को प्रेरित करने के लिए प्रतिवर्ष एक जुलाई को 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस' मनाया जाता है। इस साल राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस 'मुखौटे के पीछेः चिकित्सकों का उपचार कौन करता है?' (Behind the Mask: Who Heals the Healers?) विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय डॉक्टरों की भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक भलाई को स्वीकार करने और उसका समर्थन करने की आवश्यकता पर बल देता है, यह स्वीकार करते हुए कि उन्हें भी देखभाल और समर्थन की आवश्यकता है जबकि वे अपना जीवन दूसरों की देखभाल के लिए समर्पित करते हैं। वैसे चिकित्सक दिवस मनाने का मूल उद्देश्य चिकित्सकों की बहुमूल्य सेवा, भूमिका और महत्व के संबंध में आमजन को जागरूक करना, चिकित्सकों का सम्मान करना और साथ ही चिकित्सकों को भी उनके पेशे के प्रति जागरूक करना है। दरअसल कुछ चिकित्सक ऐसे भी देखे जाते हैं, जो अपने इस सम्मानित पेशे के प्रति ईमानदार नहीं होते लेकिन ऐसे चिकित्सकों की भी कमी नहीं, जिनमें अपने पेशे के प्रति समर्पण की कमी नहीं होती। बिना चिकित्सा व्यवस्था के इंसान की जिंदगी कैसी होती, इसकी कल्पना मात्र से ही रोम-रोम सिहर जाता है। यही कारण है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में चिकित्सकों का महत्व सदा से रहा है और हमेशा रहेगा।

भारतीय समाज में चिकित्सकों को भगवान के समान दर्जा दिया गया है। हालांकि यह अलग बात है कि निजी अस्पतालों में डॉक्टरों और अन्य स्टाफ की भूमिका पर अक्सर सवाल उठते रहे हैं लेकिन यह भी सच है कि चिकित्सक लोगों को विभिन्न प्रकार की घातक बीमारियों से निजात दिलाने में पूरी ताकत लगा देते हैं। भारत में चिकित्सक दिवस की स्थापना वर्ष 1991 में हुई थी। पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री और जाने-माने चिकित्सक डा. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में चिकित्सकों की उपलब्धियों तथा चिकित्सा क्षेत्र में नए आयाम हासिल करने वाले डॉक्टरों के सम्मान के लिए इसका आयोजन होता है। वे एक जाने-माने चिकित्सक, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और वर्ष 1948 से 1962 में जीवन के अंतिम क्षणों तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने पश्चिम बंगाल में दुगार्पुर, बिधाननगर, अशोकनगर, कल्याणी तथा हबरा नामक पांच शहरों की स्थापना की थी। संभवतः इसीलिए उन्हें पश्चिम बंगाल का महान वास्तुकार भी कहा जाता है। कलकत्ता विश्वविद्यालय से मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने वर्ष 1911 में एमआरसीपी और एफआरसीएस की डिग्री लंदन से ली। उन्होंने एक साथ फिजिशयन और सर्जन की रॉयल कॉलेज की सदस्यता हासिल कर हर किसी को अपनी प्रतिभा से हतप्रभ कर दिया था। वर्ष 1911 में भारत में ही एक चिकित्सक के रूप में उन्होंने अपने चिकित्सा कैरियर की शुरूआत की। वे कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में शिक्षक नियुक्त हुए। वर्ष 1922 में वे कलकत्ता मेडिकल जनरल के सम्पादक और बोर्ड के सदस्य बने। 1926 में उन्होंने अपना पहला राजनीतिक भाषण दिया और 1928 में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सदस्य भी चुने गए। डा. बिधान चंद्र रॉय ने 1928 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के गठन और भारत की मेडिकल काउंसिल (एमसीआई) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कई बड़े-बड़े पदों पर रहने के बाद भी वे प्रतिदिन गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज किया करते थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् उन्होंने अपना समस्त जीवन चिकित्सा सेवा को समर्पित कर दिया। बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं को आम जनता की पहुंच के भीतर लाने के लिए वे जीवन पर्यन्त प्रयासरत रहे। 4 फरवरी 1961 को उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 1967 में दिल्ली में उनके सम्मान में डा. बी.सी. रॉय स्मारक पुस्तकालय की स्थापना हुई और 1976 में उनकी स्मृति में केन्द्र सरकार द्वारा डा. बी.सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना की गई। संयोगवश डा. रॉय का जन्म और मृत्यु एक जुलाई को ही हुई थी। उनका जन्म 1 जुलाई 1882 को पटना में हुआ था और मृत्यु 1 जुलाई 1962 को हृदयाघात से कोलकाता में हुई थी।

भारत के अलावा दूसरे देशों में भी चिकित्सकों के सम्मान में ऐसे ही दिवस मनाए जाते हैं किन्तु वहां उनका आयोजन अलग-अलग तारीखों में होता है। वैसे चिकित्सक दिवस की शुरूआत सबसे पहले अमेरिका के जॉर्जिया में हुई थी। वहां चिकित्सकों के सम्मान के लिए एक दिन निश्चित करने का सुझाव जॉर्जिया निवासी डा. चार्ल्स बी एलमंड की पत्नी यूडोरा ब्राउन एलमंड ने 30 मार्च 1933 को दिया था। 30 मार्च 1958 को यूएस के हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स ने उनके उस सुझाव को स्वीकार करते हुए यह दिवस मनाना शुरू किया। वहां इसके लिए 30 मार्च की तारीख इसलिए रखी गई क्योंकि जॉर्जिया में इसी दिन डा. क्राफोर्ड डब्ल्यू लोंग ने पहली बार ऑपरेशन के लिए एनेस्थीसिया का उपयोग किया था। जहां अमेरिका में 30 मार्च को चिकित्सक दिवस मनाया जाता है, वहीं वियतनाम में इसकी स्थापना 28 फरवरी 1955 को हुई थी और वहां तभी से 28 फरवरी को या उसके आसपास वाले किसी दिन यह दिवस मनाया जाता है। ब्राजील में महान चिकित्सक रहे कैथोलिक चर्च के सेंट ल्यूक के जन्मदिवस के अवसर पर 18 अक्तूबर

को जबकि क्यूबा में पीले बुखार पर शोध करने वाले चिकित्सक कार्लोस जुआन फिनले के जन्मदिवस 3 दिसम्बर को यह दिवस मनाया जाता है। नेपाल में यह दिवस नेपाल मेडिकल एसोसिएशन की स्थापना के बाद 4 मार्च को तथा ईरान में महान चिकित्सक एविसेना के जन्मदिवस के अवसर पर 23 अगस्त को मनाया जाता है।

बहरहाल, चूंकि चिकित्सकों को पृथ्वी पर भगवान का रूप माना गया है, इसलिए समाज की भी उनसे यही अपेक्षा रहती है कि वे अपना कर्त्तव्य ईमानदारी और पूरी निष्ठा के साथ निभाएं। हालांकि निजी अस्पतालों के कुछ चिकित्सकों पर मरीजों और उनके परिजनों के साथ लापरवाही और लूट के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। दरअसल निजी चिकित्सा तंत्र मुनाफाखोरी के व्यवसाय में परिवर्तित हो चुका है लेकिन फिर भी इस दीगर सच को भी नकारा नहीं जा सकता कि कोरोना हो या कैंसर, हृदय रोग, एड्स, मधुमेह इत्यादि कोई भी बीमारी, छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी बीमारियों से चिकित्सक ही करोड़ों लोगों को उबारते हैं। चूंकि चिकित्सक प्रायः मरीज को मौत के मुंह से भी बचाकर ले आते हैं, इसीलिए चिकित्सकों को भगवान का रूप माना जाता रहा है। चिकित्सा केवल पैसा कमाने के लिए एक पेशा मात्र नहीं है बल्कि समाज के कल्याण और उत्थान का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। इसीलिए चिकित्सक को सदैव सम्मान की नजर से देखने वाले समाज के प्रति उनसे भी समर्पण की उम्मीद की जाती है।

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

ललित गर्ग

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं।

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के

भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है।

एक अन्य गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़ की है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करना, जंगलों का अंधाधुंध विनाश, अतिक्रमण, खनन और अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप भूस्खलन, अचानक बाढ़, शहरी जलभराव और जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार आने वाली त्रासदियां हमें चेतावनी दे रही हैं कि विकास का मॉडल प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत होना चाहिए। यह मान लेना भी खतरनाक है कि जिस क्षेत्र में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया, वहां भविष्य में भी खतरा नहीं होगा। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी मानव नहीं जान पाया है। इसलिए केवल पुराने अनुभवों के आधार पर किसी क्षेत्र को पूर्णतः सुरक्षित मान लेना आत्मघाती हो सकता है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, तेज हवाएं, तापमान में वृद्धि और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। भविष्य के शहरों को बहुस्तरीय सुरक्षा की अवधारणा के आधार पर विकसित करना समय की मांग है। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की अपेक्षा पहले से सुरक्षा पर निवेश करना कहीं अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण और मानवीय दृष्टिकोण है। सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक होना होगा। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। आधुनिक चेतावनी प्रणालियों को गांवों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, पारदर्शी प्रशासन और जागरूक नागरिकों का समन्वित प्रयास आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती और मानव की दूरदर्शिता की परीक्षा लेती है। वेनेजुएला का भूकम्प एक चेतावनी है-विकास की परिभाषा बदलने की। विकसित राष्ट्र वह नहीं होगा जिसके पास सबसे ऊंची इमारतें हों, बल्कि वह होगा जिसके पास सबसे सुरक्षित इमारतें, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन, सबसे संवेदनशील शासन और सबसे सजग नागरिक हों। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था की मजबूरी होती है, लेकिन आपदा आने से पहले तैयारी करना एक दूरदर्शी राष्ट्र की संस्कृति और जिम्मेदार शासन की पहचान है।
~~~~~~~~

ये हैं जेईई मेन परीक्षा क्रैक करने के लिए जरूरी टिप्स

जेईई मेन एग्जाम की डेट नजदीक आ रही है। इस परीक्षा का पहला सेशन फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लाखों उम्मीदवार अपनी काबिलियत को आजमाएंगे। देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली इस परीक्षा को देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अगर आप भी इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको यहां पर हम जेईई मेंस की प्रिपरेशन प्लानिंग के बारे में पूरी जानकारी और टिप्स देंगे।

सिलेबस को समझ कर बनाएं प्लान

जेईई मेन की तैयारी के लिए छात्रों को प्रभावी प्लान बनाने की जरूरत पड़ेगी और इसमें मदद करेंगा परीक्षा का सिलेबस। सबसे पहले सिलेबस को समझे और इसके आसान और कठिन विषयों को ध्यान में रखकर अपनी प्रिपरेशन प्लानिंग बनाएं। अपनी क्षमता और स्पीड के आधार पर, तीनों विषयों को शामिल करते हुए एक डेली प्रिपरेशन प्लान बनाएं। इसका नियमित रूप से पालन भी करें।

बेहतर टाइम टेबल बनाएं

इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही टाइम टेबल होना बहुत जरूरी है। टाइम टेबल को अपने परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाएं। इस परीक्षा में उम्मीदवारों को 90 प्रश्नों में से 75 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पेपर की अवधि 3 घंटे है। प्रत्येक विषय में 20 एमसीक्यू और 10 न्यूमेरिकल प्रश्न होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। एमसीक्यू के लिए, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा। वहीं, न्यूमेरिकल प्रश्नों में सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और इस खंड में कोई निगेटिव मार्किंग नहीं है।

मौजूदा टॉपिक को पूरा करें

इस परीक्षा के पहले अटेम्ट के लिए अब दो माह से कम समय बचा है। इसलिए तैयारी में आपको पूरा जोर लगाना पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस परीक्षा के प्रमुख टॉपिक को आप पूरा कर लें। उसके बाद दूसरे टॉपिक को शुरू करें। यह तरीका आगे चलकर आपके लिए महत्वपूर्ण पहलू साबित होगा, क्योंकि जेईई मेन की तैयारी के अंतिम चरण के दौरान, उम्मीदवारों को अधिक जोर नहीं लगाना पड़ेगा।

फ्लैश कार्ड तैयार करें

इस परीक्षा की तैयारी के लिए शॉर्ट नोट्स बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। फ्लैशकार्ड और शॉर्ट नोट्स तैयार करने का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के आयोजन में जब एक सप्ताह का समय बचा हो, उस समय अधिक से अधिक समय को बचाकर इनसे तैयारी कर सकें। इनसे उम्मीदवार जल्दी से इन शॉर्ट नोट्स और फ्लैश नोट्स के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहरा सकेंगे।

सैंपल पेपर्स की प्रैक्टिस करें

जेईई मेंस परीक्षा की तैयारी के लिए लगातार सैंपल पेपर और प्रश्न पत्रों को हल करें। जेईई मेन प्रश्न पत्र को हल करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उनकी तैयारी के स्तर को जानने में सक्षम बनाना है। इससे, उम्मीदवार यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि वे हर विषय में प्रत्येक प्रश्न को हल करने में कितना समय ले रहे हैं। साथ ही क्या वे अपने समय का उचित प्रबंधन कर पा रहे हैं या नहीं, यह समझ भी उनमें आएगी। जितना अधिक वे प्रश्नों को हल करेंगे, उन्हें पता चल जाएगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें उन्हें अधिक काम करना होगा ताकि परीक्षा के दिन कोई कठिनाई न आए। वे अपनी कमियों को दूर कर अपनी प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

लगातार मॉक टेस्ट दें

अब सभी परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट बेहद जरूरी हो गया है। यह हमें परीक्षा से पहले असपल परीक्षा का एहसास कराता है। अगर आप जेईई मेन की तैयारी कर रहे हैं, तो प्रतिदिन एक मॉक टेस्ट जरूर देने की कोशिश करें। इससे जेईई मेन प्रवेश परीक्षा के दिन उम्मीदवारों को किसी तरह के प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रिवीजन जरूर करें

सभी परीक्षा के लिए रिवीजन बहुत ही जरूरी है। इसके बिना परीक्षा को क्रैक नहीं कर सकते। इसलिए, उम्मीदवारों को समय रहते जो कुछ पढ़ा है उसे अच्छी तरह से दोहरा लेना चाहिए। इससे टॉपिक को याद करने में काफी मदद मिलेगी। आप जो भी टॉपिक पढ़े उसका हर सप्ताह रिवीजन भी करें। इससे आपको याद करते में मदद मिलेगी।

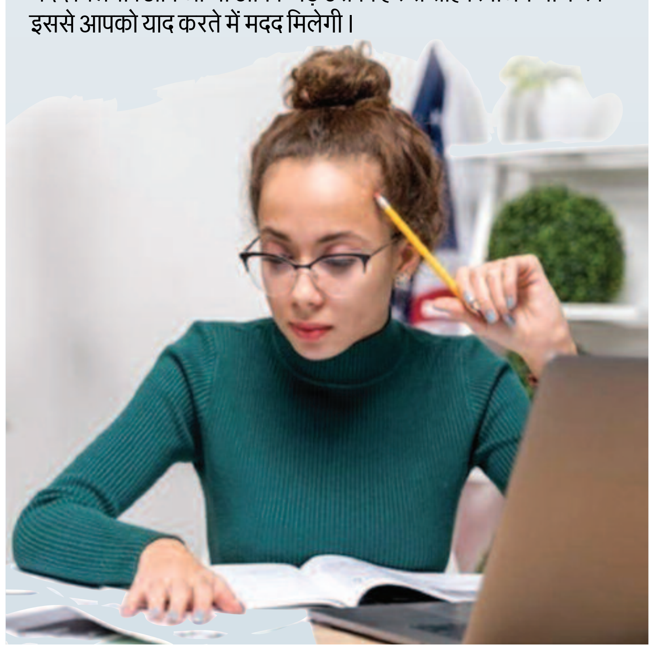

डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर संवारें अपना कॅरियर

डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। शरीर के अन्य भागों की तरह ही दांत भी मनुष्य के शरीर का एक अहम हिस्सा हैं। आमतौर पर ओरल हेल्थ का ख्याल रखना बेहद ही जरूरी माना जाता है और लोग इसका ख्याल रखते भी हैं। हालांकि दांतों व ओरल हेल्थ से संबंधित कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है और ऐसे में एक पेशेवर की जरूरत पड़ती है। वैसे जब ओरल हेल्थ को लेकर डॉक्टर का ख्याल आता है तो हम सभी डेंटिस्ट के पास जाना पसंद करते हैं। लेकिन अब, दंत चिकित्सा तेजी से बदल रही है, कई अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। दंत चिकित्सकों के रूप में मुख्य कॅरियर के अलावा, दंत चिकित्सा सहायक, डेंटल हाइजीन के क्षेत्र में भी आप कॅरियर के अवसर तलाश सकते हैं। तो चलिए आज हम जानते हैं कि डेंटल हाईजीनिस्ट बनकर आप अपना कॅरियर कैसे संवार सकते हैं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। डेंटल हाइजिनिस्ट अमूमन डेंटिस्ट को मरीजों के दांतों की देखभाल करने और अच्छे मौखिक स्वास्थ्य को मेंटेन रखने में रोगियों को शिक्षित करने में सहायता करते हैं। डेंटल हाइजीनिस्ट के कुछ अधिक विशिष्ट कर्तव्यों में दांतों से टार्टर और प्लाक को हटाना, दांतों की सुरक्षा के लिए फ्लोराइड या सीलेंट लगाना, एक्स–रे लेना और उचित मौखिक स्वच्छता पर मरीजों को शिक्षित करना शामिल है। हाइजीनिस्ट मरीजों को अपने दांतों की देखभाल के बारे में बात करने में समय बिताते हैं। वे लोगों को उन प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हैं जो उनके आहार और जीवन शैली का उनके दांतों पर प्रभाव डालते हैं। साथ ही वे दांतों को स्वस्थ रखने के लिए तकनीकों और आदतों के बारे में बताते हैं।

शैक्षिक योग्यता

डेंटल हाइजीनिस्ट कोर्स को कई डेंटल कॉलेजों में डिप्लोमा या सर्टिफिकिट कोर्स के रूप में पेश किया जाता है। जो छात्र डेंटल हाइजीनिस्ट का कोर्स करना चाहते हैं, उन्हें 12वीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषय में पास करना अनिवार्य है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, डेंटल हाइजीनिस्ट की आंखों की रोशनी, सुनने और संचार कौशल अच्छा होना चाहिए। किसी भी अन्य चिकित्सा क्षेत्र के साथ, उन्हें दूसरों की मदद करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए, और दंत चिकित्सकों के निर्देशों का बारीकी से पालन करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, अच्छा पारस्परिक कौशल, धैर्य, परिश्रम और उच्च स्तर की सटीकता एक अच्छा हाइजीनिस्ट होने के लिए आवश्यक कौशल हैं। एक टीम के रूप में काम करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

संभावनाएं ही संभावनाएं

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बतौर डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर भी आप एक अच्छा कॅरियर देख सकते हैं। एक डेंटल हाईजीनिस्ट अस्पताल से लेकर कम्युनिटी डेंटल सर्विस के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे पीरियोडोंटिक्स या बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में भी काम कर सकते हैं। डेंटल हाईजीनिस्ट डेंटल हॉस्पिटल, आर्म्ड फोर्स, पब्लिक हेल्थ सेक्टर व प्राइवेट रूप से भी प्रैक्टिस कर सकते हैं।

आमदनी

डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, अनुभव व स्थान के आधार पर भिन्न होती है। एक डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी घंटे, दिन, सैलरी या कमिशन बेस पर हो सकती है। हालांकि इस क्षेत्र में एक फ्रेशर प्रति माह आठ से दस हजार रूपए वेतन प्राप्त कर सकता है।

प्रमुख संस्थान

- भारत इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- भारत यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- जया पैरामेडिकल कॉलेज एंड एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, हरियाणा
- लक्ष्मी बाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल, पटियाला

कृषि का अध्ययन करने के बाद एक सफल उद्यमी कैसे बनें

उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी। उद्यमिता आजकल हर जगह पाई जा सकती है। हर पेशे में एक उद्यमी क्षेत्र होता है। उस विशेष क्षेत्र में कृषि निश्चित रूप से बहुत अहम भूमिका निभाता है। उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी।

उद्यमिता क्षेत्र के किसान आजकल अपने खेतों को व्यवसाय मानते हैं और वे उन्हें ऐसा ही मानेंगे। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं, वे नई और इनोवेटिव तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और सामान्य तौर पर वे अपनी सामर्थ्य के हिसाब से सब कुछ करेंगे जो उन विचारों के साथ आएंगे जो उनके लाभ को अधिकतम करेंगे, उनके प्रयास को कम करेंगे और उनके व्यवसाय को बढ़ाएंगे। आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए उद्यमियों की भूमिका को मान्यता देते हुए विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर में कई पाठ्य कार्यक्रमों ने छात्रों के उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए एक विषय के रूप में उद्यमिता को शामिल किया है। हालांकि, मौजूदा समय में नौकरियों को भरने के लिए कॉलेज में इस विषय का अध्ययन करने वाले पर्याप्त छात्र नहीं हैं। और इसके परिणामस्वरूप सफल कृषि व्यवसाय चलाने के अनुभव वाले कम लोग ही होंगे।

कृषि–उद्यमी बनने के लिए जरूरी कदम

प्रक्रिया का पहला चरण– यदि उद्यमिता की अवधारणा के साथ खुद को परिचित करना है तो आपको यह समझने की आवश्यकता है कि उद्यमशीलता क्या है और यह आपके खेत को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

दूसरा कदम– कृषि की दुनिया के सभी नए नए विचारों के बारे में सीखना है। नई सामग्रियों और उर्वरकों से लेकर नई मशीनों और प्रौद्योगिकियों तक। इससे आपको अपने खेत को एक वास्तविक बड़े व्यवसाय के रूप में कल्पना करने में और उन सभी छोटी छोटी चीजों को व्यवस्थित करने में, जो आपको याद आ रही हैं, काफी मदद मिलेगी।

तीसरा कदम– एक साझेदारी बनाना है। एक उद्यमी के रूप में सफल होने के लिए ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी और आपको उन चीजों को प्रदान करने के लिए किसी की आवश्यकता भी संभवत: हो सकती है। उन लोगों के साथ सही साझेदारी बनाएं, जो आपके सपने और सफलता की महत्वाकांक्षा को साझा करते हैं।

चौथा कदम– कृषि के क्षेत्र में 'धमाकेदार' के साथ अपना नया 'स्टार्ट–अप' व्यवसाय शुरू करना है। आपको एक बहुत मजबूत और ठोस व्यवसाय योजना की आवश्यकता है। आपको कुछ जोखिम भी उठाने पड़ सकते हैं। यह जानना कि आप किस उद्देश्य से काम कर रहे हैं, सही व्यवसाय योजना बनाना बहुत कठिन काम नहीं है।

आपके लिए यह याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि साझेदारी आपके कृषि व्यवसाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि आप वास्तव में सफल उद्यमी बनना चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जो भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं, उसका ठीक से उपयोग करेंगे।

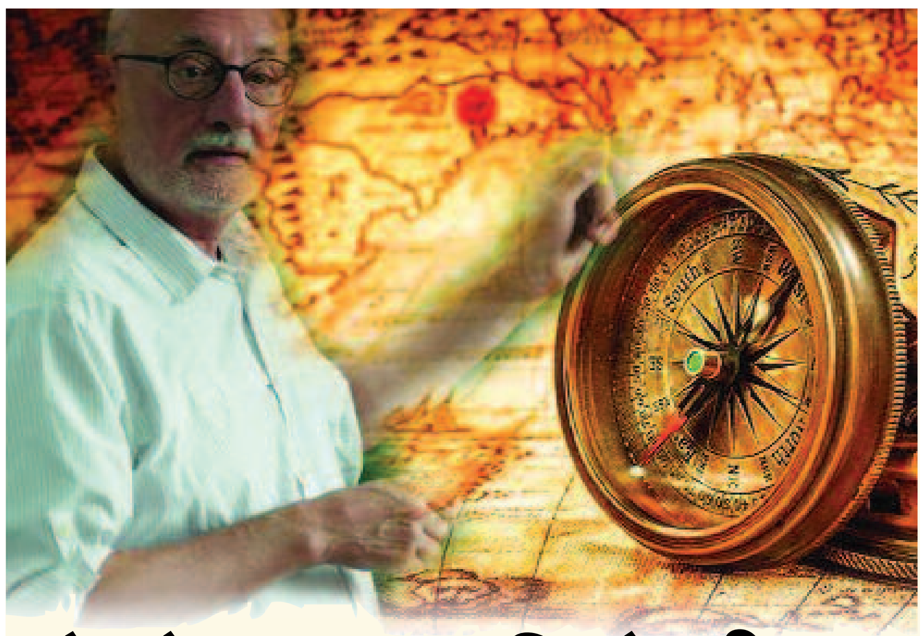

कैसे बनाएं अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर

प्रत्येक स्थान का इतिहास हजारों पांडुलिपियों, अभिलेखों, शिलालेखों, दस्तावेजों आदि में अंतर्निहित है, इन अद्वितीय अभिलेखों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित और अभिलेखीय अभिलेख या आर्काइवल रिकॉर्ड्स कहा जाता है, जो किसी विशेष क्षेत्र और समाज के इतिहास को समझने में मदद करते हैं। आमतौर पर लोग म्यूजियम, आर्काइव्स और लाइब्रेरी को लेकर भ्रमित हो जाते हैं, क्योंकि ये सभी सांस्कृतिक संस्थाएं हैं, जो सांस्कृतिक विरासत के संग्रह और संरक्षण से संबंधित हैं। यह तीनों ही इतिहास को संरक्षित रखने में मदद करते हैं, लेकिन फिर भी इनमें अंतर है। जहां, संग्रहालय ऐतिहासिक कलाकृतियों और वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं पुस्तकालय में प्रकाशित पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि को रखा जाता है, जबकि आर्काइव्स अभिलेखों पर ध्यान केंद्रित करने में माहिर हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर कैसे बनाएं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं। वे उन अभिलेखों का मूल्यांकन, संग्रह, आयोजन, संरक्षण और रखरखाव करते हैं, जिनके पास अतीत की विश्वसनीय यादों के रूप में स्थायी मूल्य होते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो राष्ट्रीय और स्थानीय अभिलेखागार, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, व्यवसायों, आदि में दस्तावेजीकरण के लिए जिम्मेदार हैं, वे कानूनी, वित्तीय और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड को संरक्षित और सुलभ बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकंाश कॉलेज और विश्वविद्यालय सूचना विज्ञान के साथ एक सहायक विषय के रूप में अभिलेखीय विज्ञान पढ़ाते हैं। वहीं, भारत में कुछ संस्थान ऐसे भी हैं, जो अभिलेखीय विज्ञान में सर्टिफकिट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जैसे कि अभिलेखागार में पीजी प्रमाणपत्र, अभिलेखागार अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और अभिलेखागार और प्रबंधन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक आर्काइविस्ट में बेहतर कम्युनिकेशन स्किन के अलावा एनालिटकल एंड रिसर्च स्किल्स, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और आर्गेनाइजेशनल एबिलिटी होना बेहद जरूरी है। उन्हें धैर्य रखने के अलावा

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं।

सटीक, पूरी तरह से समझने और क्या जानकारी रखने के बारे में अच्छे निर्णय लेने में सक्षम होने की आवश्यकता है। उन्हें एक सुव्यवस्थित और व्यवस्थित तरीके से काम करना चाहिए, जानकारी को निजी रखने और दबाव में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, एक आर्काइविस्ट को कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए।

संभावनाएं

आर्काइविस्ट विभिन्न संगठनों जैसे संग्रहालयों, सरकारी एजेंसियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, औद्योगिक और वाणिज्यिक फर्मों, ऐतिहासिक सोसाइटी, निगमों और अन्य कई संस्था में काम कर सकते हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करने वालों को संघ लोक सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा। भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, जो राष्ट्र के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अभिलेखागार का प्रबंधन करता है, अपनी विभिन्न इकाइयों में योग्य उम्मीदवारों को नौकरी के विभिन्न अवसर प्रदान करता है।

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर शुरुआती वेतन 10000 रुपये से लेकर 15000 रुपये प्रति माह तक कमा सकता है। अनुभवी और योग्य पेशेवर प्रति माह लगभग 20,000 रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ–साथ आपकी आमदनी भी बढ़ती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- पटना यूनिवर्सिटी, पटना
- महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर
- द गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु

एचडीएफसी बैंक ने आयुक्त राजीव कुमार को बनाया नया पार्ट-टाइम चेयरमैन

अतानु चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद हुआ बड़ा फेरबदल, RBI की अंतिम मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली ।

श के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी में एक बड़े प्रशासनिक फेरबदल की घोषणा की गई है, जहां पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त और पूर्व वित्त सचिव राजीव कुमार बैंक के नए पार्ट-टाइम चेयरमैन का पद संभालेंगे। इस हाई-प्रोफाइल नियुक्ति ने बैंकिंग और कॉर्पोरेट जगत को चौंका दिया है, खासकर पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के इस साल मार्च में नैतिक चिंताओं के कारण अचानक इस्तीफे के बाद। बैंक के बोर्ड ने सोमवार को राजीव कुमार को 30 जून से आगामी चार साल के लिए एडिशनल इंडिपेंडेंट डायरेक्टर और पार्ट-टाइम चेयरमैन के रूप में मंजूरी दी है। बैंक ने रेगुलेटरी फाइलिंग में स्पष्ट किया है कि उन पर कोई कानूनी रोक नहीं है, हालांकि अब पूरी इंडस्ट्री की नजरें रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की अंतिम मंजूरी पर टिकी हैं। राजीव कुमार का वित्तीय और प्रशासनिक करियर बेहद कड़क रहा है। उन्होंने बतौर मुख्य चुनाव आयुक्त दुनिया का सबसे बड़ा आम चुनाव संपन्न कराया है। केंद्रीय वित्तीय सेवा विभाग के सचिव के रूप में (2017-2020), उन्होंने सरकारी बैंकों को एनपीए संकट, पूंजी की कमी और नोटबंदी के बाद की चुनौतियों से उबारा। उनके कार्यकाल में फर्जी कंपनियों के खाते फ्रीज किए गए और फोर-आर रणनीति से बैंकिंग सिस्टम मजबूत किया, जिसमें बैंकों का ऐतिहासिक विलय भी शामिल था।

कच्चा तेल 70 डॉलर से नीचे, फिर भी पेट्रोल-डीजल में राहत की उम्मीद कम

तेल कंपनियां और सरकार कर रहीं पुराना घाटा पूरा

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है, जिससे भारत के लिए औसत आयात मूल्य पश्चिम एशिया में तनाव शुरू होने के बाद पहली बार 70 डालर प्रति बैरल से नीचे आ गया है। हालांकि, इस राहत का सीधा फायदा भारतीय उपभोक्ताओं को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी के रूप में मिलने की संभावना न के बराबर है। इसके पीछे सरकारी तेल कंपनियों और सरकार का एक बड़ा गणित काम कर रहा है। जब वैश्विक तेल की कीमतें आसमान छू रही थीं, तब भारत में ईंधन के दाम स्थिर रखे गए, जिससे सरकारी तेल विपणन कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। अब क्रूड सस्ता होने पर कंपनियां पहले उस पुराने नुकसान की भरपाई कर रही हैं। वे पेट्रोल पर करीब 5-6 रुपये प्रति लीटर मुनाफा कमा रही हैं, पर डीजल पर उन्हें अभी भी 8-10 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है, जिसे पेट्रोल के लाभ से पाटा जा रहा है। पेट्रोल-डीजल सस्ता न होने का दूसरा बड़ा कारण सरकार है। संकट के दौरान आम जनता को राहत देने के लिए केंद्र ने मार्च में पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10-10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी। इस कटौती से सरकार को हर महीने लगभग 14,000 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हो रहा है, जो कुल 1.23 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। सरकार भी अब इस बड़े वित्तीय बोझ को पूरा करने के मूड में है।

1 जुलाई से बदलेंगे नियम और बढ़ेंगे खर्चे

आयकर एलपीजी सब्सिडी, पासपोर्ट और रेल यात्रा से जुड़े कई नियमों में होंगे बदलाव

नई दिल्ली।

30 जून कई वित्तीय और सरकारी कामों को निपटाने का आखिरी दिन है। यदि आपने अभी तक इनकम टैक्स, एलपीजी-ईकेवायसी, पासपोर्ट आवेदन जैसे जरूरी काम पूरे नहीं किए हैं, तो तुरंत कर लें। दरअसल, 1 जुलाई से कुछ नए नियम लागू होने जा रहे हैं, जिनके कारण आपको आर्थिक नुकसान या बढ़ी हुई फीस का सामना करना पड़ सकता है। इनकम टैक्स से जुड़ा काम- यदि आपने असेसमेंट ईयर 2025-26 के लिए अपना इनकम टैक्स रिटर्न फाइल किया है, तो 30 जून तक आयकर विभाग कुछ मामलों में जांच के लिए नोटिस जारी कर सकता है। रिकॉर्ड में अंतर होने पर यह नोटिस मिल सकता है, जिसका समय पर जवाब देना महत्वपूर्ण है। इंडेन, भारत गैस या एचपी गैस के ग्राहकों को 30 जून तक ईकेवायसी कराना अनिवार्य है ताकि सब्सिडी जारी रहे। इसे न करने पर आपकी सब्सिडी रुक सकती है। 1 जुलाई से नए पासपोर्ट या नवीनीकरण की फीस बढ़ जाएगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 249, निफ्टी 80 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 249.70 अंक टूटकर 76,478.67 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 80.50 अंक नीचे आकर 23,865.75 पर बंद हुआ। था। एक ओर जहां मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी देखने को मिली, वहीं लार्जकैप में बिकवाली हावी रही। । निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 230.40 अंक की तेजी के साथ 61,797.70 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 100 इंडेक्स 190 अंक बढ़कर 18,863.10 पर था। निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी रियल्टी में सबसे अधिक तेजी रही। इसके अलावा, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स,निफ्टी फार्मा, निफ्टी मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी ऑटो,

निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी हेल्थकेयर के शेयरों में तेजी रही जबकि निफ्टी आईटी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सर्विसेज के शेयर गिरे। सेंसेक्स पैक में टाइटन, बजाज फाइनेंस, इटरनल, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, इंडिगो, ट्रेंट और एनटीपीसी के शेयर लाभ में रहे। वहीं टीसीएस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, आईटीसी, एचयूएल, एसबीआई, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, एमएंडएम, कोटक महिंद्रा बैंक, एलएंडटी, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट, के शेयर गिरे।

वैश्विक संकेतों के दम पर बाजार में हल्की बढ़त

सेंसेक्स ऊपरी स्तर से फिसला निफ्टी 23,900 के करीब

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच, भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारतीय शेयर बाजार ने मंगलवार को मामूली बढ़त दर्ज की। इस दौरान निवेशकों ने कुछ सतर्कता बरती, लेकिन सकारात्मक धारणा बनी रही। मंगलवार को निफ्टी 50 3.90 अंक बढ़कर 23,950.15 पर और सेंसेक्स 66.71 अंक चढ़कर 76,795.08 पर बंद हुआ। व्यापक बाजार भी मजबूती के साथ कारोबार करता दिखा, जिसमें निफ्टी मिडकैप 0.23 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 0.48 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। यह दर्शाता है कि वैश्विक सकारात्मकता ने स्थानीय बाजार को सहारा दिया। हालांकि, एक्सिस डायरेक्ट के हेड ऑफ रिसर्च राजेश पालविया ने पिछले सत्र के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि निफ्टी 50 में मुनाफावसूली देखी गई थी, जिससे यह 110 अंक गिरकर 23,946 पर बंद हुआ और 24,000 के अहम स्तर से नीचे फिसल गया। उन्होंने बताया कि दिन के शुरुआती लाभ बिकवाली के कारण खत्म हो गए, जिसका मुख्य कारण रुपये में कमजोरी और अमेरिका के प्रमुख श्रम बाजार आंकड़ों से पहले निवेशकों की सतर्कता थी।

ईपीएफओ की ऑनलाइन सेवाएं 1 जुलाई से शुरू

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के लाखों सदस्यों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना है। संगठन ने डेटाबेस एकीकरण और सॉफ्टवेयर अपग्रेडेशन के चलते अपनी कुछ ऑनलाइन सेवाओं को अस्थाई रूप से बंद कर दिया है। यह व्यवधान 26 जून से शुरू हुआ है और उम्मीद है कि सभी सेवाएं 1 जुलाई से दोबारा शुरू हो जाएंगी। ईपीएफओ ने अपने सदस्यों को रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर संदेश भेजकर सूचित किया है कि इस प्रक्रिया के कारण 26 जून से क्लेम सब्मिट करने, पासबुक डाउनलोड करने और नए कर्मचारियों के लिए यूएएन जनरेट करने जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। इस दौरान ई-पासबुक भी एक्सेस नहीं की जा सकेगी। संगठन ने असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए बताया कि ये सभी सेवाएं 1 जुलाई से फिर से बहाल हो जाएंगी। ईपीएफओ का मानना है कि अपग्रेडेशन पूरा होने के बाद क्लेम प्रोसेसिंग पहले से अधिक तेज और सुगम होगी, जिससे सदस्यों को बेहतर ऑनलाइन अनुभव मिलेगा और दावों के निपटारे में लगने वाला समय कम होगा। इस दौरान सदस्यों और नियोक्ताओं से अपील की गई है कि वे अपने पीएफ से जुड़े लेनदेन की योजना इस अस्थायी व्यवधान को ध्यान में रखकर बनाएं। किसी भी सहायता के लिए ईपीएफओ का हेल्पलाइन नंबर 14470 उपलब्ध रहेगा।

खाद्य महंगाई का खतरा, आलू, प्याज, टमाटर के दामों में फिर तेजी

गर्मी और आपूर्ति बाधित होने से बढ़े दाम, दिल्ली में टमाटर दोगुना महंगा

नई दिल्ली ।

देश के कई शहरों में आलू, प्याज और टमाटर की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखने को मिल रही है। इन प्रमुख सब्जियों की बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है, जिससे आने वाले समय में खाने-पीने की चीजों की महंगाई यानी कि खाद्य मुद्रास्फीति (फूड इंफ्लेशन) बढ़ने का डर सताने लगा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक महीने में टमाटर की औसत खुदरा कीमत में 18 फीसदी, प्याज में 11 फीसदी और आलू में 1.3 फीसदी की वृद्धि हुई है। यदि साल-दर-साल के आधार पर देखें तो टमाटर 25 फीसदी और प्याज 3.3 फीसदी महंगा हुआ है, जबकि आलू की कीमतों में 17 फीसदी की गिरावट

दर्ज की गई है।

भीषण गर्मी और आपूर्ति श्रृंखला में कमी का सीधा असर सब्जियों की कीमतों पर दिख रहा है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में टमाटर 50 फीसदी तक महंगे हो गए हैं, वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इसकी कीमतें लगभग दोगुनी हो चुकी हैं। विभिन्न राज्यों में प्याज की कीमतों में भी 10-20 फीसदी का इजाफा देखा गया है। अल-नीनो प्रभाव और बारिश में देरी के कारण पड़ी भीषण गर्मी ने विशेष रूप से टमाटर जैसी नाजुक फसल को सबसे अधिक प्रभावित किया है। आजादपुर प्याज व्यापारी संघ के अनुसार, टमाटर की कम आवक के साथ-साथ गर्मी के कारण इसके परिवहन में भी परेशानी आ रही है। राजस्थान और हरियाणा से दिल्ली आने वाली टमाटर की आपूर्ति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

जानकारों का मानना है कि वर्तमान मौसम और मॉनसून की स्थिति को देखते हुए आने वाले दिनों में टमाटर और प्याज की कीमतों में और उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। इसका सीधा असर देश की समग्र महंगाई दर और विशेषकर खाद्य महंगाई पर पड़ने की संभावना है।

बीएटी में 9,000 नौकरियों की छंटनी सिगरेट से वेप की ओर शिफ्ट

तंबाकू दिग्गज का बड़ा पुनर्गठन; लागत घटाने और स्मोक-फ्री उत्पादों पर फोकस

नई दिल्ली ।

दुनिया की प्रमुख तंबाकू कंपनी ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको (बीएटी) ने वैश्विक स्तर पर लगभग 9,000 कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। यह फैसला सिगरेट की घटती मांग और कंपनी के व्यापार मॉडल को पारंपरिक तंबाकू से हटाकर वेप, ई-सिगरेट और निकोटीन पाउच जैसे स्मोक-फ्री उत्पादों पर केंद्रित करने की रणनीति का हिस्सा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीएटी इस साल के अंत तक 5,500 कर्मचारियों को निकालेगी, जबकि करीब 3,500 पदों को आउटसोर्स किया जाएगा। यह कदम कंपनी के अमेरिका से बाहर के 47,000 कर्मचारियों में से लगभग 20 प्रतिशत को प्रभावित करेगा। इस पुनर्गठन का लक्ष्य 2028 तक सालाना करीब 600 मिलियन पाउंड (लगभग 6,800 करोड़ रुपये) की लागत बचाना है। कंपनी का मानना है कि 2026 तक रेगुलर सिगरेट की वैश्विक बिक्री में 2 प्रतिशत की गिरावट आएगी, इसलिए व्यूस और वेलो जैसे नए उत्पादों पर बड़ा निवेश किया जा रहा है, जिनसे भविष्य की आधी से

ज्यादा आय अर्जित करने का लक्ष्य है। छंटनी के साथ बीएटी कई फैक्टरियों को बंद कर रही है और प्रशासनिक कार्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) व ऑटोमेशन का उपयोग बढ़ा रही है। बीएटी के सीईओ टाडेउ मारोको ने इस कठिन निर्णय पर दुःख व्यक्त करते हुए प्रभावित कर्मचारियों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है। एक्सपर्ट्स इसे तंबाकू उद्योग में एक बड़े बदलाव का संकेत मान रहे हैं, जहां स्वास्थ्य जागरूकता और नए विकल्प कंपनियों को अपने व्यापार मॉडल में बड़े फेरबदल करने पर मजबूर कर रहे हैं।

चीन की अर्थव्यवस्था को एआई हार्डवेयर का सहारा, जून में विनिर्माण बढ़ा

आधिकारिक पीएमआई मई के 50 से बढ़कर जून में 50.3 हुई

हांगकांग ।

कृत्रिम मेधा (एआई) हार्डवेयर की मजबूत निर्यात मांग के दम पर जून में चीन की विनिर्माण गतिविधियों में तेजी दर्ज की गई है। मंगलवार को राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा जारी एक आधिकारिक सर्वेक्षण के मुताबिक, देश का विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मई के 50 से बढ़कर जून में 50.3 पर पहुंच गया, जो गतिविधियों में विस्तार का संकेत है।

यह आंकड़ा अर्थशास्त्रियों के अनुमान से बेहतर रहा और धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था की चिंताओं के बीच राहत लेकर आया। सर्वेक्षण से पता चला कि नए ऑर्डर का उप-सूचकांक मई के 49.9 से बढ़कर जून में 51.2, और उत्पादन का उप-सूचकांक 51.2 से बढ़कर 51.4 हो गया।

राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के मुख्य सांख्यिकीविद हुओ लिहुई ने कहा कि जून के आंकड़े आर्थिक गतिविधियों में सुधार का रुख दर्शाते हैं। विश्लेषकों का मानना है कि एआई उत्पादों के बढ़ते निर्यात से चीन इस साल के 4.5 से 5 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि के लक्ष्य को हासिल कर सकता है।

दिल्ली कैबिनेट ने नई ईवी नीति को दी मंजूरी

प्रदूषण पर लगाम, इलेक्ट्रिक वाहनों को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली ।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में राजधानी के प्रदूषण पर लगाम कसने और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नई ईवी नीति को मंजूरी दे दी गई है। यह नीति 1 जुलाई से दिल्ली में लागू होगी और 31 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगी, जिसका लक्ष्य दिल्ली को एक स्वच्छ महानगर में बदलना है। इस नीति के तहत, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने वालों को 30,000 और तिपहिया वाहन खरीदने वालों को 50,000 रुपए की सब्सिडी मिलेगी। सभी ईवी पर रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी, जिसमें 30 लाख तक के चार पहिया वाहन शामिल हैं। पुरानी बीएस-आईवी गाड़ियों को स्क्रैप करने पर 10,000 से 1 लाख रुपए तक का प्रोत्साहन भी मिलेगा। सरकार ने भविष्य की गतिशीलता के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई हैं। अगले साल 1 जनवरी से केवल

इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा और 1 अप्रैल 2028 से सिर्फ इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का ही पंजीकरण होगा।

अगले चार सालों में 15,000 करोड़ का निवेश कर 30,000 चार्जिंग पॉइंट स्थापित करने का लक्ष्य है। नीति अब उपराज्यपाल की अंतिम मंजूरी के लिए भेजी गई है, जिससे दिल्ली में ईवी को अपनाने और वायु गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद है।

भारतीय उद्योग में तेजी, मई में आईआईपी ग्रोथ 5.1 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत में, मई महीने में देश की औद्योगिक गतिविधियों ने ज़ोर पकड़ा है। फैक्ट्रियों का उत्पादन मापने वाला औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी)बढ़कर 5.1 फीसदी पर पहुंच गया है, जो अप्रैल के 4.9 फीसदी से अधिक है। इस वृद्धि का मुख्य श्रेय मजबूत मैन्युफैक्चरिंग और बिजली उत्पादन को जाता है, जो उद्योगों में निरंतर मजबूती को दर्शाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 5.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, मोटर वाहन, कंप्यूटर और टेक्सटाइल जैसे उद्योगों ने बेहतर प्रदर्शन किया।

वहीं, बिजली और गैस सप्लाई सेक्टर में 9.9 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी हुई, जिसमें रिन्यूएबल एनर्जी का उत्पादन 18त्न बढ़ा। एंटीक ब्रोकिंग के मुताबिक, पूंजीगत वस्तुओं (कैपिटल गुड्स) का उत्पादन 12.9 फीसदी बढ़ा, जो कंपनियों के बढ़ते निवेश का स्पष्ट संकेत है। उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं (कंज्यूमर ड्यूरेबल्स) में भी 7.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

हालांकि, कुछ चिंताएं भी बरकरार हैं। मई में माइनिंग सेक्टर का उत्पादन 1.6 फीसदी घट गया। इसके अतिरिक्त, कमजोर मानसून और अल नीनो की आशंका के चलते ग्रामीण मांग पर चिंताएं बनी हुई हैं।

नुवामा की रिपोर्ट के अनुसार आईआईपी की गणना पद्धति में भी बदलाव किया गया है, जिसमें अब थोक मूल्य सूचकांक की जगह आउटपुट प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स का उपयोग होगा।

कुल मिलाकर, मजबूत औद्योगिक गतिविधियों के साथ, निवेश में वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक तस्वीर प्रस्तुत करती है।

वित्त मंत्री को 9,400 करोड़ से अधिक का रिकॉर्ड डिविडेंड

वित्त वर्ष 2025-26 के रिकॉर्ड मुनाफे के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने सरकारी खजाने में डाली जान

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की झोली में वित्त वर्ष 2025-26 के रिकॉर्ड मुनाफे से निकली एक बड़ी रकम डाली है। वित्तीय सेवा विभाग के उच्च अधिकारियों और प्रमुखों की मौजूदगी में, इन बैंकों ने कुल मिलाकर 9,400 करोड़ रुपये से अधिक का डिविडेंड सरकार को सौंपा है, जो उनके शानदार प्रदर्शन और सुधरती वित्तीय सेहत का प्रमाण है। इस बंपर भुगतान से न केवल सरकारी खजाने को बल मिला है, बल्कि यह भी साबित हो गया है कि सार्वजनिक बैंकों के अच्छे दिन अब पूरी तरह लौट आए हैं। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ी बाजी बैंक ऑफ बड़ौदा ने मारी है, जिसने अकेले ही सरकार को 2,811 करोड़ रुपए का भारी-भरकम डिविडेंड सौंपा। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. देबदत्त चंद ने वित्तीय सेवा विभाग के सचिव संजय लोहिया की मौजूदगी में यह चेक वित्त मंत्री को दिया। बैंक ऑफ बड़ौदा ने वित्त वर्ष 2025-26 में 20,021 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ अर्जित किया, जो पहली बार बीस हजार करोड़ के आंकड़े के पार गया है, जिसके फलस्वरूप यह ऐतिहासिक लाभांश संभव हुआ। अन्य प्रमुख बैंकों ने भी सरकारी खजाने को समृद्ध करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने 2,416 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक सरकार को सौंपा, जिसके प्रबंध निदेशक अशोक चंद्र ने इसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को प्रदान किया। इसके ठीक पीछे, केनरा बैंक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने वित्त वर्ष 2025-26 के शानदार नतीजों के दम पर 2,397 करोड़ रुपए का चेक देकर सरकार की वित्तीय ताकत को और बढ़ाया। इस कतार में इंडियन बैंक ने भी अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई, जिसके प्रबंध निदेशक एवं सीईओ ने 1,815 करोड़ रुपए का बड़ा डिविडेंड चेक सीधे वित्त मंत्री को सौंपा। सार्वजनिक क्षेत्र के इन बैंकों द्वारा दिया गया यह बंपर डिविडेंड इस बात का सीधा प्रमाण है कि पिछले पूरे साल के दौरान इन्होंने न सिर्फ अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता (एसेट क्वालिटी) को सुधारा है, बल्कि अपनी बैलेंस शीट को भी पहले से कई गुना अधिक मजबूत किया है।

रिकॉर्ड मुनाफे से सरकारी बैंकों ने सरकार को दिए 9,400 करोड़

पिछले वित्त वर्ष के शानदार प्रदर्शन का परिणाम, अकेले बैंक ऑफ बड़ौदा ने दिए 2,811 करोड़

नई दिल्ली ।

देश के सरकारी बैंकों ने हाल ही में वित्त मंत्रालय के खजाने का रुख किया और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को 9,400 करोड़ रुपए से अधिक का भारी-भरकम डिविडेंड सौंपा। यह राशि पिछले वित्त वर्ष के उनके रिकॉर्ड तोड़ मुनाफे का परिणाम है। इस अप्रत्याशित वित्तीय सहयोग से न केवल सरकार की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि यह भी साफ हो गया है कि सरकारी बैंकों के अच्छे दिन अब पूरी तरह लौट आए हैं। वित्तीय सेवा विभाग के उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों ने एक के बाद एक कर डिविडेंड के चेक वित्त मंत्री के हाथों में थमाए। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ी बाजी बैंक ऑफ बड़ौदा ने मारी, जिसने अकेले ही सरकार को 2,811 करोड़ रुपये का सबसे बड़ा हिस्सा दिया। बैंक ने हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष में अपने इतिहास का सबसे अधिक 20,021 करोड़ रुपए का स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पहली बार बीस हजार करोड़ के आंकड़े के पार गया है। इस कतार में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने भी 2,416 करोड़ का बड़ा डिविडेंड चेक सरकार के हवाले किया। इसके ठीक पीछे केनरा बैंक ने भी 2,397 करोड़ का भारी-भरकम चेक सौंपकर सरकार की वित्तीय ताकत को और बढ़ाया। इंडियन बैंक ने भी 1,815 करोड़ का बड़ा डिविडेंड चेक सीधे वित्त मंत्री को प्रदान किया।

सार्वजनिक क्षेत्र के इन बैंकों द्वारा दिया गया यह बंपर डिविडेंड इस बात का सीधा प्रमाण है कि पिछले पूरे साल के दौरान इन्होंने न सिर्फ अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता (एसेट क्वालिटी) को सुधारा है, बल्कि अपनी बैलेंस शीट को भी पहले से कई गुना अधिक मजबूत किया है, जिससे केंद्र सरकार को, जो इन बैंकों की सबसे बड़ी शेयरधारक है, यह बंपर रिटर्न मिला है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में बड़ा उलटफेर, मोरक्को ने पेनल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को किया बाहर

मैक्सिको (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मोरक्को ने रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली। निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। इसके बाद गोलकीपर यासीन बोनू की शानदार बचाव और इस्माइल सैबारी के निर्णायक गोल ने मोरक्को को यादगार जीत दिला दी।

पेनल्टी शूटआउट में मोरक्को ने मारी बाजी

मैक्सिको के एस्टाडियो बीबीवीए स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चार राउंड के बाद पेनल्टी शूटआउट का स्कोर 2-2 से बराबर था। ऐसे में मोरक्को के गोलकीपर यासीन बोनू ने नीदरलैंड के क्रिसेंसियो समरविले की पेनल्टी को शानदार अंदाज में रोक दिया। इसके बाद इस्माइल सैबारी ने दबाव में शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के निचले बाएं कोने में पहुंचाया और मोरक्को को 3-2 से जीत दिला दी।

गाकपो ने दिलाई बढ़त, डियोप ने बराबरी कराई

मुकाबले में पहला गोल नीदरलैंड की ओर से कोडी गाकपो ने 72वें मिनट में किया। क्रिसेंसियो समरविले के शानदार पास पर गाकपो ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। गोल के बाद डच खिलाड़ी जश्न मनाने मैदान पर दौड़ पड़े और भावुक गाकपो को गले लगाया। हाल ही में गाकपो और उनकी साथी नोआ वैन डेर बिज ने अपने अजन्मे बच्चे को खो दिया था, जिसके कारण यह गोल उनके लिए बेहद भावनात्मक पल बन गया। हालांकि, मोरक्को ने हार नहीं मानी। दूसरे हाफ के इंजरी टाइम (91वें मिनट) में चेम्सदीन तालबी के शानदार क्रॉस पर इस्सा डियोप ने हेडर के जरिए गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

अतिरिक्त समय में नहीं निकला नतीजा

30 मिनट के अतिरिक्त समय में दोनों टीमों ने कई प्रयास किए, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सकी। इसके बाद मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। यह फीफा वर्ल्ड कप 2026 का दूसरा मुकाबला रहा, जिसका नतीजा पेनल्टी शूटआउट से निकला। इससे पहले पराग्वे ने जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

टॉप-7 टीमों की टक्कर में मोरक्को भारी

यह मुकाबला विश्व रैंकिंग की दो शीर्ष टीमों के बीच था। मोरक्को फीफा रैंकिंग में छठे और नीदरलैंड सातवें स्थान पर है। इस जीत के साथ मोरक्को ने लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप के नॉकआउट चरण में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया और अंतिम-16 में जगह पक्की कर ली।

न्यूजीलैंड / इंग्लैंड : टॉम लैथम ने रचा इतिहास, इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतकर एलीट कप्तानों की लिस्ट में शामिल

स्पोर्ट्स डेस्क । टॉम लैथम की कप्तानी में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को तीसरे और अंतिम टेस्ट में 160 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। बेन स्टोक्स की टीम को 373 रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन अंतिम दिन पूरी टीम 212 रन पर सिमट गई। जेमी स्मिथ ने 60 रन बनाए, लेकिन वह हार नहीं टाल सके।

इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने इतिहास रच दिया। टीम ने पहली बार किसी टेस्ट सीरीज का पहला मैच हारने के बाद वापसी करते हुए सीरीज जीती। साथ ही 1999 के बाद इंग्लैंड में तीन या उससे अधिक मैचों की टेस्ट सीरीज जीतने का कारनामा भी किया।

टॉम लैथम एलीट कप्तानों की सूची में शामिल

इस ऐतिहासिक जीत के साथ टॉम लैथम ने कप्तानी में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसे सिर्फ छठे कप्तान बने हैं, जिन्होंने भारत और इंग्लैंड दोनों देशों में जाकर टेस्ट सीरीज जीती है। इतना ही नहीं, 21वीं सदी में लैथम पहले विदेशी कप्तान हैं जिन्होंने यह दुर्लभ उपलब्धि हासिल की है। इस प्रदर्शन ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट के सबसे सफल विदेशी कप्तानों में शामिल कर दिया है।

भारत के बाद इंग्लैंड में भी बजा जीत का डंका

इंग्लैंड में मिली यह जीत लैथम की 2024 में भारत में मिली ऐतिहासिक सफलता के बाद आई है। तब न्यूजीलैंड ने भारतीय सरजमीं पर भारत को 3-0 से क्लीन स्वीप कर इतिहास रचा था। यह पहली बार था जब किसी विदेशी टीम ने भारत को उसके घर में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया था। अब इंग्लैंड में सीरीज जीतकर लैथम ने लगातार दुनिया की दो सबसे कठिन विदेशी चुनौतियों को जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

'बैजबॉल' नहीं, पारंपरिक टेस्ट क्रिकेट से मिली सफलता

सीरीज जीतने के बाद टॉम लैथम ने कहा कि यह न्यूजीलैंड क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने टीम की मेहनत की तारीफ करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने पूरे दौरे में अनुशासन और धैर्य के साथ प्रदर्शन किया। लैथम ने इंग्लैंड की आक्रामक 'बैजबॉल' रणनीति पर भी अप्रत्यक्ष टिप्पणी करते हुए कहा कि उनकी टीम ने पारंपरिक टेस्ट क्रिकेट खेलकर सफलता हासिल की और यही जीत की सबसे बड़ी वजह रही।

बेन स्टोक्स को बताया 'पीढ़ी में एक बार आने वाला खिलाड़ी'

मैच के बाद टॉम लैथम ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले बेन स्टोक्स को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि स्टोक्स ने टेस्ट क्रिकेट को नई दिशा दी और उनके खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा। लैथम ने कहा, 'बेन स्टोक्स पीढ़ी में एक बार आने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने पिछले 15 वर्षों में इंग्लैंड क्रिकेट के लिए जो योगदान दिया है, वह हमेशा याद रखा जाएगा। हम उनके शानदार करियर के लिए उन्हें बधाई देते हैं और भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।'

फीफा विश्वकप : पैराग्वे ने पूर्व विश्व चैंपियन जर्मनी को 4–3 से हराकर किया हैरान

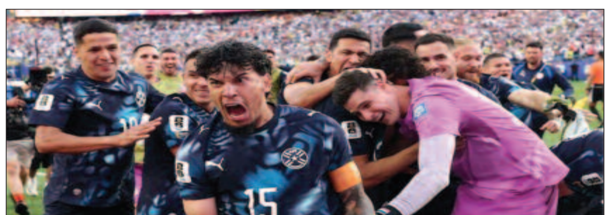

बोस्टन (एजेंसी)। पैराग्वे ने फीफा विश्वककप फुटबॉल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूर्व विश्व चैंपियन जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। ये मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहने के बाद मुकाबल पेनाल्टी शूटआउट में चला गया जहां पैराग्वे ने बाजी मार ली।

पैराग्वे की ओर से मैच के 42वें मिनट में जूलियो एन्सिसो ने हेडर के जरिए गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलायी। इसके बाी जर्मनी ने पलटवार करते हुए दूसरे हाफ के 52वें मिनट में काई हावर्ट्ज़ के गोल से मुकाबला 1- से बराबरी पर ला दिया।

वहीं अतिरिक्त समय में जर्मनी ने जोनाथन टाह के हेडर से गोल कर 2-1 की बढ़त बना ली थी पर वीडियो असिस्टेंट रेफरी की समीक्षा में फाउल होने के कारण ये गोल अमान्य कर दिय गया। जिससे मुकाबला फिर बराबरी पर पहुंच गया। ऐसे में पेनल्टी शूटआउट का अवसर दिया गया। जिसमें पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने दो गोल रोक दिये। वहीं जोस कैनाले ने सडन डेथ में पेनल्टी को गोल में बदलकर पैराग्वे को 4-3 से शानदार जीत दिलाई। इससे पहले विश्वकप में दोनो टीमों के बीच साल 2002 में मुकाबला हुआ था। तब जर्मनी ने पैराग्वे को 1-0 से हराया था। अब करीब 24 साल बाद पैराग्वे ने जर्मनी को हराकर उस हार का बदला ले लिया है। पैराग्वे का समाना अब राउंड ऑफ-16 में फ्रांस और स्वीडन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से भिड़ेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

–वैभव को मिल सकता है डेब्यू का अवसर

चेस्टर ली स्ट्रीट (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को इससे पहले आयरलैंड जैसी कमजोर टीम से हार का सामना करना पड़ा था। जिससे मिले सबक को ध्यान में रखने हुए भारतीय टीम का लक्ष्य बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच खेलने हैं।

इस सीरीज के पहले मैच में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को डेब्यू का अवसर मिलेगा या नहीं ये देखना होगा। सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने स्पष्ट किया है कि सूर्यवंशी को भी अन्य खिलाड़ियों की तरह एकादश में जगह बनाने के लिए प्रक्रिया से गुजरना होगा और सही समय का इंतजार करना होगा।, उन्होंने हालांकि वैभव की प्रशंसा करते हुए उसे योग्य बताया है। डोएशे ने माना है कि आयरलैंड से मिली 0-2 की हार के बाद टीम में निराशा है, जिससे बड़े बदलावों की संभावना बढ़ गई है।

गौरतलब है कि सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन आयरलैंड के खिलाफ दोनो ही मैच में असफल रहे थे। ऐसे में उन्हें आराम देकर अभिषेक शर्मा के साथ वैभव को पारी की शुरुआत करने का अवसर मिला सकता है। सैमसन के अलावा ईशान किशन भी आयरलैंड के खिलाफ असफल रहे थे। ऐसे में प्रबंधन उन्हें भी बाहर कर सकता है।

इंग्लैंड में सफलता के लिलए भारतीय बल्लेबाजों को अपनी सोच और खेलने के तरीके में तुरंत बदलाव करना होगा, क्योंकि इंग्लैंड में बेलफास्ट की तरह ही तेज और उछाल वाली पिचें हैं। बेलफास्ट में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे।

इंग्लैंड के पास जोफ्रा आर्चर, जोश टंग जैसे तेज गेंदबाज और आदिल रशीद, रेहान अहमद जैसे अच्छे स्पिनर हैं। अगर भारतीय बल्लेबाज इन गेंदबाजों के खिलाफ हालात से तालमेल बिठाने में असफल रहे तो उसके लिए जीतना कठिन होगा। मेजबान टीम को घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा।

इंग्लैंड के पास कप्तान हैरी ब्रूक के अलाव जोस बटलर, जोर्डन कॉक्स और फिल सॉल्ट जैसे बेहतरीन बल्लेबाज हैं। आयरलैंड के खिलाफ दोनों मैच में भारतीय गेंदबाज शुरुआती पकड़ बनाने के बाद बीच के ओवरों में विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में असफल रहे थे जिससे मैच हाथ से फिसल गया था। इस बार ऐसा हुआ तो इंग्लैंड के बल्लेबाज आसानी से जीत हासिल कर लेंगे। इसलिए भारतीय गेंदबाजों को कसी हुई गेंदबाजी करनी होगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत– श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

इंग्लैंड– हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, जोर्डन कॉक्स, सैम कुरन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग और ल्यूक वुड।

हैरी ब्रूक को बनाया जाये नया टेस्ट कप्तान : स्टोक्स

लंदन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक ही संन्यास लेने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि कप्तानी संभालने के लिए युवा खिलाड़ी हैरी ब्रूक सबसे बेहतर रहेंगे। 27 वर्षीय ब्रूक अभी सीमित ओवरों की कप्तानी कर रहे हैं। गौरतलब है कि कप्तानी स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार के बाद अचानक ही खेल को अलविदा कहने की घोघणा कर दी थी। संन्यास की घोषणा के बाद अब स्टोक्स चाहते हैं कि ब्रूक को टीम की कमान मिलनी चाहिए। स्टोक्स के अनुसार ब्रूक लंबे समय से टीम के उपकप्तान हैं और नेतृत्व की जिम्मेदारी निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। स्टोक्स ने कहा, उन्हें इस टीम का उपकप्तान किसी वजह से बनाया गया है। वह शानदार खिलाड़ी हैं और इस टीम के सबसे वरिष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। स्टोक्स ने यह भी साफ किया कि उनकी गैरमौजूदगी में जो रूट को कप्तानी देने के फैसले में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि उपकप्तान का पद किसी खिलाड़ी को भविष्य के कप्तान के तौर पर तैयार करने के लिए ही दिया जाता है और उन्होंने स्वयं भी जो रूट के नेतृत्व में इसी सफर को तय किया था, जो बाद में टेस्ट कप्तान बने। स्टोक्स जहां ब्रूक को टेस्ट कप्तान बनाने के पक्ष में हैं। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड टीम प्रबंधन इस फैसले में जल्दबाजी नहीं करना चाहता, क्योंकि ब्रूक पहले से ही एकदिवसीय और टी20 टीम की कप्तानी कर रहे हैं। ऐसे में अगर उन्हें टेस्ट टीम की कमान भी सौंपी जाती है तो उनके ऊपर तीनों फॉर्मेट की कप्तानी का अतिरिक्त दबाव आ सकता है। खेल विश्लेषकों का मानना है कि यह स्थिति युवा कप्तान के प्रदर्शन और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यदि ब्रूक टेस्ट कप्तान बनते हैं तो उन्हें सीमित ओवरों के किसी एक प्रारूप की कप्तानी छोड़नी पड़ सकती है, ताकि काम के बोझ को संतुलित किया जा सके। ऐसे में सैम करन और जैकब बेथेल को व्हाइट–बॉल टीम की कप्तानी दी जा सकती है। दूसरी ओर इस पूरे मामले पर इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने इंतजार करने को कहा है।

विंबलडन टेनिस 2026: सिनर और जोकोविच जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंचे

लंदन (एजेंसी)। इटली के टेनिस स्टार और विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 के पहले दौर में सर्बिया के मिओमिर केमैनोविक को पांच सेटों तक चले एक रोमांचक मुकाबले में 4-6, 6-3, 6-7 (6), 6-2, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया है। वहीं एक अन्य मैच में विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने भी जीत के साथ शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में जगह बनायी है।

सिनर और केमैनोविक के मैच की बात करें तो शुरुआती सेट में पिछड़ने के बाद सिनर ने शानदार वापसी करते हुए और करीब साढ़े तीन घंटे तक चले मुकाबले के बाद अंत में जीत दर्ज की।

सेंटर कोर्ट पर खेले गए इस मुकाबले में दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी सिनर को शुरुआत में ही कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। दुनिया के 50वें नंबर के खिलाड़ी मिओमिर केमैनोविक ने अपनी आक्रामक खेल शैली और सटीक शॉट्स के दम पर पहले सेट में 6-4 से जीत हासिल कर सभी को हैरान कर दिया। इसके बाद सिनर ने जल्द ही अपनी लय पकड़ी और दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए 6-3 से जीत दर्ज कर मुकाबले को बराबरी पर ला खड़ा किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी का खेल तीसरे सेट में भी जारी रहा, जहां हर अंक के लिए जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। यह सेट टाई-ब्रेक तक पहुंचा, और केमैनोविक ने 8-6 के स्कोर के साथ टाई-ब्रेक जीतकर 2-1 की बढ़त बना ली, जिससे सिनर पर दबाव और बढ़ गया।

सिनर ने चौथे सेट में अपनी सर्विस और फोरहैंड का बखूबी इस्तेमाल करते हुए केमैनोविक पर दबाव बनाया और 6-2 से जीत हासिल कर मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक खींच लिया। पांचवें और अंतिम सेट में सिनर पूरी तरह हावी रहे। उन्होंने 6-3 से यह सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

वहीं जोकोविच ने एक अन्य मुकाबले में चीन के वू यिबिंग को चार सेट तक चले संघर्ष के बाद 6-4, 5-7, 6-4, 6-4 हराया। अब दूसरे दौर में जोकोविच का सामना यूनान के स्टार खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास से होगा।

स्टोक्स के आसान नहीं होगा संन्यास के बाद मैदान से दूर रहना : सचिन

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अचानक की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को सोशल मीडिया के जरिये दिये अपने संदेश में कहा है कि उनके लिए मैदान से दूर रहना कठिन होगा। इस दौरान सचिन ने स्टोक्स के निडर अंदाज और जीत के जज्बे के सथ ही प्रेरणादायक कप्तानी की जमकर प्रशंसा की। स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद अचानक ही संन्यास की घोषणा कर 15 साल के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का सामापन कर दिया। तेंदुलकर ने स्टोक्स के खेल को अलविदा कहने के फैसले पर कहा कि ऑलराउंडर ने हर मैच में जो ऊर्जा दिखाई, वह हमेशा ही अद्वितीय रही। उन्होंने स्टोक्स के एक ऑलराउंडर और कप्तान के तौर पर टीम में पड़े प्रभाव की भी सराहना की है। तेंदुलकर ने सोशल मीडिय में लिखा, ' स्टोक्स, मुझे इसलिए पसंद रहे क्योंकि वह खेल में काफी ऊर्जा लेकर आते थे। उनका सकारात्मक रवैया, बेखौफ इरादा और दबाव में मैच का रुख पलटने की कला हमेशा याद आयेगी।卐 उन्होंने स्टोक्स को इंग्लैंड के बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक बताया। साथ ही लिखा, 卐एक ऑलराउंडर के तौर पर आप इंग्लैंड के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में रहे हैं। कप्तान के रूप में आपकी साहसिक रणनीतियां और खेल को सहज समझने की क्षमता ने आपकी टीम को एक नई दिशा दी।'

एशियाई खेलों के लिए हरमनप्रीत की कप्तानी बरकरार, यास्तिका की जगह कमलिनी शामिल

-15 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित की गयी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों 2026 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर के पास ही रहेगी। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम को टी20 विश्वकप में हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी बोर्ड का उनपर भरोसा बना हुआ है। ऐसे में हरमनप्रीत का लक्ष्य एशियाई खेलों में भारतीय टीम को खिताब जिताना रहेगा। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही 17 साल की एक उभरती हुई क्रिकेटर जी. कमलिनी को भी पहली बार शामिल किया गया है।

17 वर्षीय युवा विकेटकीपर–बल्लेबाज कमलिनी को अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया की जगह पर लिया गया है। कमलिनी ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 मैच खेले हैं। कमलिनी को पहली बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर जगह मिली है जिसमें वह बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना होगा। ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल की टीम में वापसी हुई है हालांकि उनको टीम में जगह फिटनेस क्लियरेंस पर निर्भर करेगी। चोट के कारण श्रेयंका टी20 विश्व कप से बाहर हो गई थीं। ऐसे में उनकी जगह पर प्रेमा रावत को टीम में शामिल किया गया था पर वह प्रभावित नहीं कर पायी थीं, प्रेमा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू भी किया था पर वह केवल एक मैच ही खेल सकीं और उस मुकाबले में उन्होंने अपने दो ओवर में 21 रन दिए थे।

भारतीय महिला टीम ने साल 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था जिसे वह इस बार भी बरकरार रखने उतरेगी। हरमनप्रीत की अगुवाई में यह टीम युवा जोश और अनुभव का सही मिश्रण प्रतीत होती है, जो उम्मीद है कि एशिया के सबसे बड़े खेल महाकुंभ में भारतीय टीम इस बार भी स्वर्ण पदक जीतेगी।

टीम इस प्रकार है– हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्ज, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पटिल* (फिटनेस के अधीन), राधा यादव, नंदिनी शर्मा।

महिला क्रिकेट को सभी विभागों में सुधार करना होगा : मजूमदार

लंदन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा है कि टीम को अभी खेल के तीनों विभागों बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में सुधार की जरुरत है। अमोल के अनुसार टीम टी20 विश्वकप में इन सभी क्षेत्रों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पारी जिसके कारण ही उसे हार का सामना करना पड़ा है। साथ ही कहा कि टीम का सामूहिक प्रदर्शन उस स्तर का नहीं रहा जिसकी ऐसे बड़े टूर्नामेंट में उम्मीद की जाती है। मजूमदार ने भविष्य की रणनीति पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हमें अपनी रणनीति और अपने टी20 खेल पर नए सिरे से विचार करना होगा।

आईसीसी गेंदबाजी रैंकिंग में भारत की श्री चरणी शीर्ष पर बरकरार

–सोफी एक्लेस्टोन तीसरे स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अंतराष्ट्रीय टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय स्पिनर श्री चरणी नंबर एक स्थान पर बरकरार हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल बल्लेबाजी में और वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज ऑलराउंडरों में नंबर-1 पर कायम हैं।इसके अलावा सभी श्रेणियों में कई बदलाव शीर्ष पांच खिलाड़ियें में हुए हैं। आईसीसी टी20 विश्वकप में प्रदर्शन के आधार पर ये बदलाव हुए हैं।

गेंदबाजों की रैंकिंग में, श्री चरणी ने विशवकप में 14 विकेट लिए। वहीं गेंदबाजों की शीर्ष-5 रैंकिंग में शामिल इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन विश्वकप में आठ विकेट लेने के कारण एक स्थान के लाभ के साथ ही तीसरे स्थान पर पहुँच गई हैं, जबकि उनकी साथी लॉरेन बेल तीन पायदान ऊपर आकर चौथे स्थान पर आ गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की नॉनकुलुलेक म्लाबा एक स्थान ऊपर पाँचवें और पाकिस्तान की अनुभवी नशरा संधू एक स्थान ऊपर नौवें स्थान पर पहुँच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाज मारिजाने कैप सात स्थान के लाभ के साथ ही 14वें, स्कॉटलैंड की ऑलराउंडर कैथरीन ब्राइस 17 स्थान ऊपर आकर 26वें और न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग छह स्थान के लाभ के साथ ही 31वें स्थान पर पहुँच गयी हैं।

बल्लेबाजों की सूची में, ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल अपनी नंबर-1 पर बनी हुई हैं, जबकि उनकी साथी खिलाड़ी बेथ मूनी दूसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ड्ट ने एक स्थान की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया है। श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू, जिन्होंने आयरलैंड के खिलाफ शानदार शतक जड़ा था, दो स्थान के लाभ के साथ ही सातवें नंबर पर आ गई हैं। इंग्लैंड की ओपनर डैनी वायट हॉज पाँच पायदान ऊपर 11वें स्थान पर पहुँच गई हैं। भारत के खिलाफ 56 रनों की शानदार पारी खेलने वाली ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी क्रिकेटर एलिस पेरी ने पाँच स्थान के लाभ के साथ ही 17वें स्थान पर पहुंच गयी है। दक्षिण अफ्रीका की एनेरी डर्कसेन चार स्थान ऊपर 24वें पर और स्कॉटलैंड की डार्सी कार्टर 13 स्थान ऊपर 42वें पर पहुंच गयी हैं। ऑलराउंडर्स की सूची में, वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज नंबर एक पर बनी हुई है, जबकि

न्यूजीलैंड की अमेलिया केर दूसरे नंबर पर हैं। आयरलैंड की स्टार ओर्ला प्रेंडरगैस्ट ने दो स्थान ऊपर आकर संयुक्त तीसरे स्थान पर आ गयी हैं। मारिजाने कैप एक स्थान चढ़कर आठवें पर, ब्राइस तीन स्थान चढ़कर 11वें पर और एनाबेल सदरलैंड दो स्थान चढ़कर 17वें पर पहुंच गयी हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगाा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3934

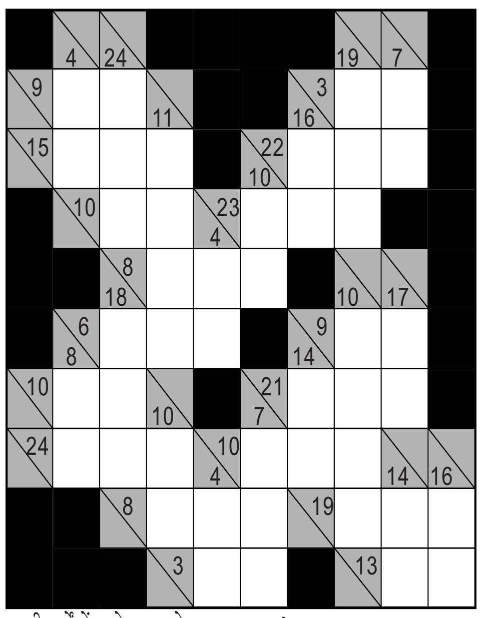

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

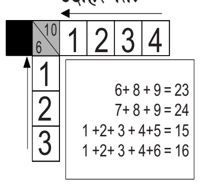

काकुरो - 3933 का हल

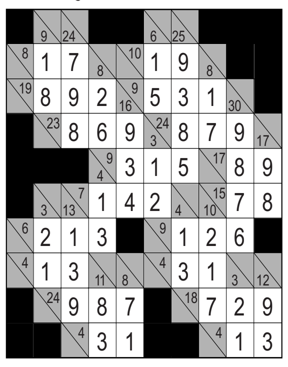

हंसी के फूव्वारें

मालकिन ने नई नौकरानी से पूछा-'देखो ! मैं ज्यादा बातचीत नहीं करती. अगर मैं अंगुली से इशारा करूँ तो समझ लो कि मैं बुला रही हूँ.'
इस पर नौकरानी बोली-'जी ! मैं भी बहुत कम बोलना पसन्द करती हूँ. अगर मैं अपना सिर हिला दूं तो समझ जाइये कि मैं नहीं आ सकती.'

जेल की एक कोठरी में बैठे तीन कैदी बता रहे थे कि वे क्यों पकड़कर बन्द कर दिये गए ?
पहला-'मैं चुनाव में राजनारायण के पास में काम कर रहा था !'
दूसरा-'और मैं राजनारायण के खिलाफ काम कर रहा था !'
तीसरा-'राजनारायण मैं खुद हूँ.'

प्रेमिका बोली, ''मैं किसी ऐसे व्यक्ति के साथ विवाह न करूंगी जो झूठ बोलता हो.''
प्रेमी बोला,''तब तो तुम सारा जीवन कुंवारी रहोगी.''

मंत्री जी ने अस्पताल के नवनिर्मित ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन करते हुए अपने भाषण में कहा-''भाइयों, ऑपरेशन थिएटर का निर्माण एक अच्छी बात है. इतने बड़े अस्पताल में रोगियों के मनोरंजन के लिए उनका अपना थिएटर होना बहुत जरूरी है.''

फिल्म वर्ग पहेली- 3934

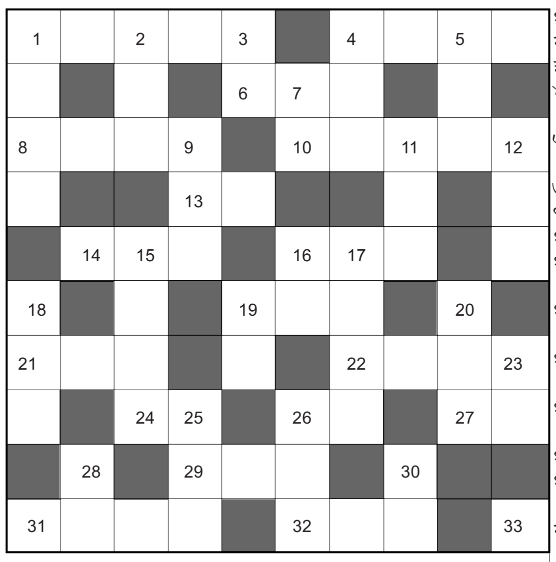

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3933

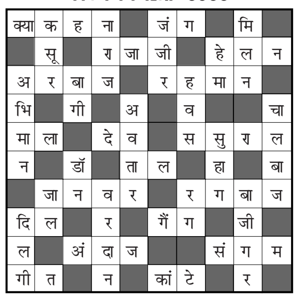

सूडोकु -3934

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3933 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 3934

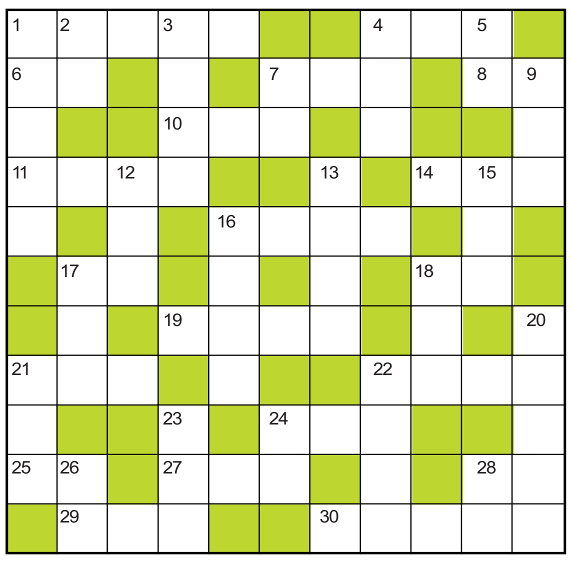

बाएँ से दाएँ

1.हाईकमान-5
4.बुशर्ट,शर्ट-3
6.लाख,गोंद-2
7.प्रतिज्ञा-3
8.मां का भाई-2
10.धनवान,रईस-3
11.मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14.जिज्ञासा,उत्साह-3
16.अनगिनत-4
17.वर्ष,बरस-2
18.लय,स्वर-2
19.गदर,बलवा-4
21.ईर्ष्या-3
22.गरुर,घमंड-4
24.राजा,सम्राट-3
25.पानी से सराबोर-2
27.व्यर्थ,फिजूल-3
28.चतुर्थ,चौथा-2
29.बहने का भाव-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आरामदायी-5
2.एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3.सेवा शुल्क-4
4.अभिव्यक्ति-3
5.बचत,जोड़-2
7.वहम-2
9.स्वामी-3
12.प्रवेश-3
13.धरोहर,थाती-4
15.तरंग,हिलोर-3
16.निरंकुश,मुंहजोर-4
17.किनारा,तट
18.कामधेनू, सुगंध-3
20.नुकसानदेह-5
21.दुनिया,जग-3
22.कहासुनी-4
23.चयन-3
24.चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26.ईश्वर,भगवान-2
28.प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली -3933 का हल

रेसिपी

अंजीर का हलवा

सामग्री

- सूखे अंजीर- 100 ग्राम
- घी- 2 चम्मच
- मिल्क पाउडर- 1 चम्मच
- चीनी- 2 चम्मच
- इलायची पाउडर- 1/4 चम्मच
- दूध- 1 कप

गार्निशिंग के लिए

- सूखे मेवे की कतरन और चांदी का वर्क

विधि

सबसे पहले अंजीर को दूध में भिगो दें फिर मिक्सी में पीस लें। अब नॉनस्टिक पैन को गर्म करके उसमें घी गर्म करें। अंजीर वाले मिश्रण को पैन में डालकर अच्छी तरह से भून लें। मिश्रण में अब मिल्क पाउडर और चीनी मिलाएं। जब चीनी घुल जाए तो इलायची पाउडर मिलाकर गैस बंद कर दें। तैयार हलवे को सर्विंग बाउल में निकालकर उसके ऊपर बादाम की कतरन डालेंऔर ऊपर से चांदी का वर्क लगाकर अंजीर का हलवा सर्व करें ।

सूजी बर्फी

सामग्री

- तिल - 150 ग्राम
- सूजी - 180 ग्राम
- चीनी - 225 ग्राम
- घी - 125 ग्राम
- पिस्ता - 1 टेबल स्पून
- बादाम - 1 टेबल स्पून
- घी - 2 टेबल स्पून
- इलायची पाउडर - 1 छोटी चम्मच

विधि

तिल सूजी की बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले तिल भून लीजिए। इसके लिए पैन गरम कीजिए। इसमें तिल डालकर लगातार चलाते हुए तब तक तिल को भूनिए जब उसका रंग हल्का सा बदलने लगे और वह हल्का सा फूलने लगे। भुने तिल को प्लेट में निकाल लीजिए। अब कड़ाही में घी डालकर इसमें सूजी डाल दीजिए और सूजी को लगातार चलाते हुए धीमी से मध्यम आंच पर हल्की ब्राउन होने और अच्छी महक आने तक भून लीजिए। सूजी भुन जाने पर इसे भी प्लेट में निकाल लीजिए। पिस्तों को पतला-पतला काट लीजिए और बादाम को भी बारीक काटकर तैयार कर लीजिए।

चाशनी बनाएं : पैन में चीनी और कप पानी डालकर चीनी के पानी में घुलने के बाद 1 से 2 मिनिट तक पकाएं। जब चाशनी में से तार निकलने लगे तो समझ लीजिए चाशनी बनकर के तैयार है। इलायची पाउडर और बारीक कटे हुए बादाम डालकर अच्छे से मिक्स कीजिए। एक थाली को थोड़े से घी से चिकना कीजिए। मिश्रण को थाली में डालकर फैलाइए और बारीक कटे हुए पिस्तों से इसे सजा दीजिए। बर्फी को ठंडा होने के लिए रख दीजिए। मिश्रण के जम जाने पर इसे चाकू की सहायता से अपने मनपसंद आकार के टुकड़ों में काट सर्व करें

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

सूरज नांबियार से सेपरेशन के बाद बोलीं मौनी राय

मैं आसानी से माफ कर देती हूं

अपने पति सूरज नांबियार से अलग होने की घोषणा के कुछ दिनों बाद एक्ट्रेस मौनी रॉय ने माफी, भावनात्मक घावों और मुश्किल अनुभवों से उबरने में आध्यात्मिकता की भूमिका के बारे में बात की है। एक्ट्रेस ने बताया कि समय के साथ माफी को लेकर उनकी समझ कैसे बदली है। इस बीच वो एक्टिंग में भी लगातार सक्रिय हैं।

बातचीत में मौनी रॉय ने कहा कि कम उम्र में भी लोगों को माफ करना कभी मुश्किल काम नहीं था। असली चुनौती तो उसके बाद भी रह जाने वाले दर्द को भूलना थी। जब मैं बहुत छोटी थी, तब मैं बहुत आसानी से माफ कर देती थी और आज भी करती हूं, लेकिन मैं भूल नहीं पाती थी। अब अपनी पर्सनल और आध्यात्मिक यात्रा के साथ मुझे लगता है कि बस माफ कर देना चाहिए। भगवान ही आपको भुलाने में मदद करते हैं।

ज्यादा तकलीफ उसे होती है, जो छोड़ नहीं पाता

मौनी ने माफी को एक ऐसी प्रक्रिया बताया जो तब आसान हो जाती है, जब आप दुख को हमेशा ढोते रहने वाली चीज मानना छोड़ देते हैं। उनके अनुसार, नाराजगी को मन में बनाए रखने से अक्सर उसी व्यक्ति को ज्यादा तकलीफ होती है जो उसे छोड़ नहीं पाता। अगर आप इसे जाने नहीं देंगे, तो सबसे ज्यादा तकलीफ आपको ही होगी। उन्होंने उस असंतुलन के बारे में भी बात की जो अक्सर किसी के दुख पहुंचाने के बाद पैदा होता है। उन्होंने कहा कि जिसे दुख पहुंचा है, वह उस अनुभव को लंबे समय तक बार-बार याद करता रह सकता है, जबकि दूसरा व्यक्ति उससे आगे बढ़ चुका होता है। कभी-कभी जिस व्यक्ति ने आपको दुख पहुंचाया होता है, वह इसके बारे में सोच भी नहीं रहा होता, चाहे उन्होंने आपको कितना भी गहरा दुख क्यों न दिया हो।

मेडिटेशन ने बदला नजरिया

एक्ट्रेस ने हाल के साल में ज्यादा शांति और स्पष्टता पाने का श्रेय मेडिटेशन, मंत्र-जाप और आध्यात्मिकता जैसी चीजों को दिया। उन्होंने बताया कि इन अनुभवों ने रिश्तों, निराशा और इमोशनल रिकवरी के प्रति उनके नजरिए को बदल दिया है।

साथ ही मौनी ने यह भी साफ किया कि माफ करने का मतलब नुकसान पहुंचाने वाले व्यवहार को नजरअंदाज करना या उसके अस्तित्व को नकारना नहीं है। उन्होंने किसी व्यक्ति को जज करने और नुकसानदेह कामों या आदतों को पहचानने के बीच फर्क बताया। उन्होंने समझाया कि कुछ बुरे लोग होते हैं जो आपको दुख पहुंचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। मैं उस व्यक्ति को बुरा नहीं कह रही हूं, बल्कि उनकी आदतों को बुरा कह रही हूं।

'अब होगा हिसाब' में नजर आईं मौनी

वर्कफ्रंट की बात करें तो मौनी रॉय आखिरी बार 'अब होगा हिसाब' में नजर आई हैं। इसमें उनके साथ शाहिर शेख, संजय कपूर और अविनाश मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। इससे पहले मौनी वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े स्टारर फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में भी नजर आई थीं।

अब कॉमेडी करना मुश्किल हो गया है

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की रिलीज की तैयारी में लगे हैं। फिल्म का प्रमोशन जोरों पर चल रहा है। इस कॉमेडी फिल्म में बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर अक्षय कुमार का मानना है कि डिजिटल दौर में कॉमेडी करना ज्यादा मुश्किल हो गया है। जहां मीम्स और इंस्टाग्राम रील्स रोजाना लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। एक्टर ने स्टैंड-अप कॉमेडियंस की भी तारीफ की कि वे किस तरह लोगों को हंसाते हैं।

आज हर जगह रील्स और मीम्स के जरिए कॉमेडी कंटेंट मौजूद है बातचीत में अक्षय ने माना कि मौजूदा वक्त में कॉमेडी करना काफी मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि यह अब और भी मुश्किल हो गया है। आज हर जगह रील्स, मीम्स और कॉमेडी कंटेंट मौजूद हैं। लेकिन कॉमेडी एक बड़ी नदी की तरह है; यह कभी सूखती नहीं है। कॉमेडी के कई रूप हैं, जैसे फिजिकल कॉमेडी, सिचुएशनल कॉमेडी, स्लॅपस्टिक कॉमेडी और डार्क ह्यूमर। एक्टर ने भारत में पिछले कुछ साल में कॉमेडी के नए तरीकों जैसे स्टैंड-अप के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि लोगों को हंसाने के अनगिनत तरीके हैं। अगर आप इंस्टाग्राम खोलें, तो आपको ढेर सारे मीम्स और मजेदार वीडियो मिल जाएंगे। लोग रोजाना कॉमेडी देखते-सुनते हैं। बहुत सारे कॉमेडी शो और टैलेंटेड स्टैंड-अप कॉमेडियन हैं जो नया कंटेंट बना रहे हैं। लेकिन लोगों को हंसाना आज भी सबसे मुश्किल कामों में से एक है। लोग अक्सर कॉमेडी को कमतर आंकते हैं। मैं स्टैंड-अप कॉमेडियन का बहुत सम्मान करता हूं। दर्शकों के सामने अकेले खड़े होकर लोगों को हंसाना वाकई बहुत मुश्किल काम है।

इमरान हाशमी की फिल्म 'रूह' की हुई घोषणा

हॉरर फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी करने वाले अभिनेता इमरान हाशमी पांच वर्षों के बाद एक बार फिर हॉरर जॉनर फिल्म में नजर आने वाले हैं। उनकी नई फिल्म 'रूह' की घोषणा हो चुकी है। मेकर्स ने इसका पहला लुक भी जारी किया है। इसमें यह भी जानकारी दी गई है कि यह कब रिलीज होगी।

फिल्म के मेकर्स ने एक वीडियो के जरिए फिल्म 'रूह' की घोषणा की है। 52 सेकंड के वीडियो में देखा जा सकता है कि एक जंगल में एक रहस्यमयी लड़की है। इसके बाद एक धुंधला सा शीशा नजर आता है। इस शीशे को एक रहस्यमयी हाथ साफ करता है। शीशे में इमरान हाशमी का चेहरा नजर आता है। देखते-देखते इमरान हाशमी की आंखें काली हो जाती हैं। इसके बाद फिल्म का टाइटल 'रूह' लिखा नजर आता है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

मेकर्स ने वीडियो में ही बताया है कि यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु जैसी भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशक मयंक शर्मा होंगे। इसके लेखक मयंक शर्मा और विशाल कपूर हैं। फिल्म के निर्माता विक्रम खंखर और सनी खन्ना होंगे।

हाई-कॉन्सेप्ट हॉरर फिल्म फिल्म में दिखेंगी जाह्नवी कपूर

जाह्नवी कपूर अब अपने करियर में एक बार फिर नया और चुनौतीपूर्ण मोड़ लेने की तैयारी में हैं। खबरों के मुताबिक, वह निर्देशक राही अनिल बर्वे की एक हाई-कॉन्सेप्ट हॉरर फिल्म के लिए बातचीत कर रही हैं। राही वही फिल्मकार हैं, जिन्होंने अपनी चर्चित फिल्म 'तुम्बाड' के जरिए भारतीय हॉरर सिनेमा को नया आयाम दिया था। सूत्रों के अनुसार, जाह्नवी और निर्माताओं के बीच बातचीत अंतिम चरण में है। जाह्नवी फिलहाल कई स्क्रिप्ट्स पर विचार कर रही हैं, लेकिन इस हॉरर प्रोजेक्ट में उनकी विशेष रुचि बताई जा रही है। फिल्म को बड़े स्केल पर तैयार किया जा रहा है और इसे क्रिएचर हॉरर की श्रेणी में रखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि इसके लिए प्री-प्रोडक्शन और शुरुआती तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं।

सुपर सुब्बू का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा

अभिनेत्री मिथिला पालकर अपनी आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज सुपर सुब्बू की रिलीज की तैयारी में हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस सीरीज में उनका किरदार हास्य और वास्तविक मानवीय भावनाओं के बीच बेहतरीन संतुलन स्थापित करता है। इसमें सुंदीप किशन और मुरली शर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कहानी सुब्रमण्यम 'सुब्बू' चिल्लुकुरी राव के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी पोस्टिंग काल्पनिक गांव माकीपुर में होती है, जहां कोई भी शिक्षक जाना नहीं चाहता। सुब्बू अपने परिवार के सामने सम्मान बनाए रखने के इरादे से गांव पहुंचता है और पढ़ाने के लिए तैयार रहता है, लेकिन उसे गांव में सबसे असहज जिम्मेदारी यानी सेक्स एजुकेशन पढ़ाने का काम सौंप दिया जाता है।
सीरीज में अपने किरदार को लेकर मिथिला पालकर ने कहा, 'मुझे 'सुपर सुब्बू' की ओर सबसे ज्यादा आकर्षित करने वाली बात यह थी कि यह हास्य के साथ-साथ वास्तविक मानवीय भावनाओं को भी खूबसूरती से प्रस्तुत करती है। इस यात्रा में हर किरदार कुछ यादगार लेकर आता है।' उन्होंने आगे कहा, 'ऐसी कहानी का हिस्सा बनना जो मनोरंजक होने के साथ-साथ सार्थक भी हो, मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा। नेटफ्लिक्स के साथ काम करना हमेशा घर वापसी जैसा महसूस होता है। मैं उनके शुरुआती ओरिजिनल शो लिटल थिंग्स का हिस्सा रही हूं और अब उनकी पहली तेलुगु ओरिजिनल सीरीज 'सुपर सुब्बू' से जुड़ना ऐसा लगता है जैसे यह सफर पूरा चक्र पूरा कर चुका हो।

किसी बड़े नाम के भरोसे पूरी फिल्म को नहीं बेचा जा सकता

अली फजल इन दिनों वेब सीरीज 'राख' को लेकर चर्चा में हैं। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। अली ने अपने रोल और इस सीरीज के बारे में बातें साझा कीं।

इस सीरीज को हां करने की वजह क्या रही?

यह कहानी आज के समय में बेहद प्रासंगिक है। हालांकि इसकी प्रेरणा एक कुख्यात केस से ली गई है, जो आज भी लोगों के जेहन में ताजा है। दिल्ली उस दौर की तुलना में काफी बदल चुकी है, लेकिन उस समय के कई लोग आज भी मिलते हैं और बताते हैं कि तब क्या-क्या हुआ था। हाल ही में किसी ने मुझे बताया कि उस केस के दोनों आरोपी मुंबई के जेवीपीडी इलाके में भी देखे गए थे। यही बात इस मामले को और चौंकाने वाली बनाती है। साथ ही यह सवाल भी उठता है कि आज ऐसे कितने मामले हो रहे हैं। मेरे हिसाब से सिनेमा की जरूरत तब पड़ती है, जब लोगों को जागरूक करना हो कि एक परिवार के साथ जो हुआ, वह किसी और के साथ न हो। वहीं, जय प्रकाश का किरदार मुझे बहुत दिलचस्प लगा।

सब-इंस्पेक्टर के किरदार में ढलने के लिए आपने क्या-क्या किया?

इस किरदार को गढ़ने में मेरी पूरी टीम का बड़ा योगदान रहा। हम सभी ने इस पर काफी रिसर्च की और बहुत पढ़ाई की। शुरुआत में हमने सिर्फ सीन पढ़े, फिर धीरे धीरे किरदार की दुनि दुनिया में उतरते गए। हमने समझने की कोशिश की कि अगर यह उस दौर का व्यक्ति है, तो उसकी फितरत कैसी होगी, उसकी आदतें क्या होंगी। कहानी इमरजेंसी के बाद के समय की है, इसलिए उस दौर में पुलिस कैसे काम करती थी? इस पर भी काफी चर्चा हुई। उदाहरण के तौर पर उस समय दिल्ली में कॉन्स्टेबल्स को शॉर्ट्स पहनने से मना कर दिया गया था। लोगों की भाषा भी काफी पुख्ता थी और वे ज्यादातर हिंदुस्तानी में बात करते थे। मेरे हिसाब से इन सभी पहलुओं को गहराई से समझना इस किरदार की तह तक पहुंचने के लिए बेहद जरूरी था।

दर्शकों पर इस सीरीज का क्या प्रभाव पड़ा?

मुझे लोगों से बहुत अलग-अलग और दिलचस्प प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। आमतौर पर ऐसी कहानियों में या तो सिर्फ अपराधी का दृष्टिकोण दिखाया जाता है या फिर पुलिस का, लेकिन इस सीरीज में दोनों के बीच संतुलन रखा गया है। मेरे लिए इसकी सबसे अहम बात 'वर्दी की बंदिश' है। जब आप वर्दी पहनते हैं तो आपके काम करने की एक सीमा तय हो जाती है और आपको उसी दायरे में रहकर काम करना पड़ता है। लोगों को लगता है कि पुलिस के पास बहुत आजादी होती है, लेकिन हकीकत हमेशा वैसी नहीं होती। इस सीरीज में मेरा किरदार भी एक आम इंसान की तरह नजर आता है जो इस केस को पूरी शिद्दत और ईमानदारी से सुलझाने की कोशिश करता है।

शूटिंग का अनुभव कैसा रहा?

मेरे अनुसार शूटिंग करीब डेढ़ से दो महीने तक चली। हमारे निर्देशकों की यह स्पष्ट इच्छा थी कि हम वास्तविक लोकेशनों पर ही शूटिंग करें और सेट न बनाए जाएं। इसलिए ज्यादातर शूट असली स्थानों पर हुआ। हमने काफी शूटिंग आगरा और उसके आसपास के इलाकों में की। इसके बाद मुंबई में काम किया और फिर मुख्य शूटिंग दिल्ली में हुई। दिलचस्प बात यह रही कि दिल्ली का शेड्यूल मार्च में रखा गया था, जब वहां काफी गर्मी रहती है।

क्या आज के समय में स्टार कास्ट से ज्यादा फिल्म की कहानी केंद्र में आ रही है?

जी, मैं इससे पूरी तरह सहमत हूं। जिस दिन कहानी किसी फिल्म की असली हीरो बन जाएगी, उस दिन पूरा खेल बदल जाएगा। उसके बाद अगर उस कहानी के साथ अच्छे कलाकार जुड़ जाएं, तो बात और बेहतर हो जाती है। मेरा मानना है कि अगर कहानी मजबूत नहीं है, तो सिर्फ किसी बड़े नाम के भरोसे पूरी फिल्म को नहीं बेचा जा सकता। इसके अलावा मैं किसी भी स्क्रिप्ट का चयन काफी सोच-समझकर करता हूं।

संक्षिप्त समाचार

युद्धविराम उल्लंघन पर ईयू की चिंता, पाकिस्तान से कहा- बातचीत के रास्ते खुले रखें

ब्रुसेल्स, एजेंसी। यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने रविवार को पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार से फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच हाल में हुए युद्धविराम उल्लंघन पर गंभीर चिंता जताई। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की तेजी से बदलती स्थिति पर चर्चा की। कैलास ने इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन (एमओयू) तक पहुंचने में पाकिस्तान की कूटनीतिक भूमिका की सराहना की, लेकिन कहा कि सभी पक्षों को युद्धविराम का पालन करना चाहिए और संवाद के रास्ते खुले रखने जरूरी हैं। इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान पश्चिम एशिया में स्थायी शांति और स्थिरता के लिए लगातार कूटनीतिक प्रयास कर रहा है। उन्होंने सभी पक्षों से युद्धविराम समझौते का सम्मान करने की अपील की। दोनों नेताओं ने भविष्य में भी संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई। अमेरिका और ईरान ने 18 जून को शांति बहाली के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

इराक में भ्रष्टाचार के आरोप में 5 सांसदों समेत सात गिरफ्तार

बगदाद, एजेंसी। इराक में पांच सांसदों समेत सात लोगों को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। ये गिरफ्तारियां तेल मंत्रालय के पूर्व उप मंत्री अदनान अल जुमैली के बयान के आधार पर की गई, जिन्हें पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था। ग इराकी न्यूज के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने रविवार तड़के राजधानी के कड़ी सुरक्षा वाले ग्रीन जोन के सभी प्रवेश द्वारों को सील किया और उस परिसर के भीतर छापे मारे, जहां प्रमुख सरकारी संस्थान और विदेशी दूतावास स्थित हैं।

सोशल मीडिया पर अंकुश के लिए अमेरिका में उठी आवाज

वाशिंगटन, एजेंसी। सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिए अमेरिका में इससे जुड़े कानूनों में सुधार की मांग की जा रही है। यहां कई पीड़ितों के परिजनों ने एकजुट होकर बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा के लिए मुहिम शुरू की है। उनके प्रयासों से देश के कई हिस्सों में ऐसे बच्चों की याद में स्मृति दिवस भी मनाया गया, जो सोशल मीडिया के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं। यह आंदोलन धीरे-धीरे टेक कंपनियों की जवाबदेही तय करने की बड़ी ताकत बनता जा रहा है।

सिंगापुर : श्रमिकों को एआई तकनीक सिखाएंगे आईआईटी के पूर्व छात्र

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में रहने वाले प्रवासी श्रमिकों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक नई पहल शुरू हुई है। इसके तहत आईआईटी के पूर्व छात्र सिंगापुर में प्रवासी श्रमिकों को एआई तकनीक सिखाएंगे। आईआईटी एल्युमनी एसोसिएशन ने अगले दो वर्षों में लगभग 1,000 प्रवासी श्रमिकों को एआई और डिजिटल साक्षरता का प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम शुरू किया है। इस उद्देश्य के लिए रविवार को आईआईटी एल्युमनी एसोसिएशन ने माइग्रेंट वर्कर्स सेंटर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। भारतीय उच्चायोग की सक्रिय मदद से यह साझेदारी की गई है। प्रशिक्षण सत्र महीने में दो बार जुरोंग औद्योगिक क्षेत्र के एमडब्ल्यूसी रिक्रिएशन क्लब में आयोजित किए जाएंगे। इसकी शुरुआत अगस्त 2026 से होगी। इस पाठ्यक्रम में डिजिटल साक्षरता और एआई जैसी उभरती तकनीकों को शामिल किया गया है।

हैती और सीरिया के नागरिकों का टीपीएस खत्म करने के ट्रंप के फैसले से रिपब्लिकन पार्टी में मतभेद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हैती और सीरिया के हजारों प्रवासियों का टेम्पररी प्रोटेक्टेड स्टेटस (टीपीएस) समाप्त करने के फैसले को लेकर रिपब्लिकन पार्टी में मतभेद उभरकर सामने आए हैं। जहां होमलैंड सिक्योरिटी सचिव मार्कवेन मुलिन ने इस फैसले का समर्थन किया, वहीं ओहायो के गवर्नर माइक डिवाइन ने इसे 'गलत फैसला' करार दिया। रविवार को अलग-अलग टीवी कार्यक्रमों में बातचीत के दौरान मार्कवेन मुलिन ने कहा कि टीपीएस कभी भी स्थायी व्यवस्था नहीं थी और इसका उद्देश्य केवल सीमित समय के लिए सुरक्षा प्रदान करना था। उन्होंने कहा, 'टेम्पररी प्रोटेक्टेड स्टेटस का मकसद कभी स्थायी नहीं था। लाभार्थियों के पास कई विकल्प हैं। वे स्थायी निवास या अस्थायी वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं या फिर अपने देश लौट सकते हैं। यदि वे वापस जाना चाहते हैं तो सरकार उनकी मदद करेगी।' मुलिन ने कहा कि स्वदेश लौटने वाले प्रवासियों को सरकार हवाई टिकट के साथ लगभग 2,100 डॉलर की आर्थिक सहायता भी देगी, ताकि वे अपने देश में दोबारा जीवन शुरू कर सकें।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान बॉर्डर पर हवाई हमला, 29 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने रविवार को अफगानिस्तान से लगी अपनी सीमा पर हवाई हमले किए, जिसमें 29 लोग मारे गए. डॉन ने यह जानकारी दी. पाकिस्तान के इन्फॉर्मेशन मिनिस्टर अत्ताउल्लाह तरार ने रविवार रात कहा कि पाकिस्तान की सिक्योरिटी फोर्स ने पाकिस्तान-अफगान बॉर्डर पर एक अच्छी तरह से प्लान किया हुआ इंटेलिजेंस बेस्ड ग्राउंड ऑपरेशन किया और बॉर्डर इलाके में हमले किए.

मंत्री ने कहा कि यह कार्रवाई पाकिस्तान के अंदर खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान और पाकिस्तान रेंजर्स (सिंध) कैंप, कराची के मासूम लोगों के खिलाफ हाल ही में हुई कई आतंकवादी घटनाओं के बाद की गई. सिंध पुलिस चीफ ने डॉन को बताया कि सिंध रेंजर्स पर शनिवार रात कराची के गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके में पाकिस्तान सिंध रेंजर्स के प्रांतीय हेडक्वार्टर पर हुए हमले में तीन पाकिस्तानी पैरामिलिट्री के जवान और तीन आतंकवादी मारे गए.

सिंध के इंस्पेक्टर जनरल जावेद आलम ओधो ने कहा कि आतंकवादियों ने अपनी गाड़ी से मेन गेट में टक्कर मारी थी और शुरू में वे यह कन्फर्म नहीं कर पाए कि कोई ब्लास्ट भी हुआ था या नहीं. डॉन के मुताबिक ओधो ने आगे कहा कि एक सफाई अभियान चल रहा था और इलाके को स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट के कमांडो, एंटी-टेररिस्ट फोर्स (ATF) और रेंजर्स के जवानों ने सील कर दिया था. पुलिस सर्जन सुम्मैया सैयद ने डॉन को बताया कि एक घायल पैरामिलिट्री जवान को पैर में गोली लगने के बाद अस्पताल लाया गया था.

इससे पहले डॉन के मुताबिक इलाके में भारी फायरिंग और धमाके की खबर मिलने के बाद पुलिस वाले घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर दिया था. रेस्क्यू 1122 सिंध ने कहा कि उसे गुलिस्तान-ए-जौहर ब्लॉक 5 के पास धमाके की खबर मिली थी. उसने तुरंत अपने सेंट्रल कमांड और कंट्रोल सेंटर से टीमों को मौके पर भेज दिया. अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक जमात-उल-अहरार से जुड़े एक ग्रुप ने शनिवार देर रात हमले की जिम्मेदारी ली. यह ग्रुप तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का एक अलग हथियारबंद ग्रुप है, जिसे पाकिस्तानी तालिबान के नाम से भी जाना जाता है. ग्रुप ने कहा कि हमले में नौ हमलावर शामिल थे. अल जजीरा के मुताबिक यह ऐसे समय में हुआ है जब पूरे देश में पाकिस्तान के सुरक्षा बलों को निशाना बनाया जा रहा है.

बाजौर में 4, अफगानिस्तान में 25 आतंकी मारे : अताउल्लाह तरार ने बताया कि खुफिया जानकारी मिलने पर बाजौर जिले में ऑपरेशन शुरू किया गया। इसमें खान फरोश समेत चार आतंकी मारे गए। खैबर पख्तूनख्वा का बाजौर, अफगानिस्तान से लगा जिला है। इसके बाद अफगानिस्तान के पक्तिया, पक्तिका और कुनार प्रांतों में तीन अलग-अलग ठिकानों पर हमले किए गए। वहां 25 आतंकी मारे गए। इन ठिकानों पर रखा हथियार और गोला-बारूद भी नष्ट कर दिया गया।

पाकिस्तान बोला- नागरिकों की सुरक्षा से समझौता नहीं करेंगे : तरार ने कहा कि पाकिस्तान क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने की कोशिश करता रहा है, लेकिन अपने नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। पाकिस्तान पिछले साल से अफगान सीमा और उसके भीतर कई बार हमले कर चुका है। उसका कहना है ये हमले टीटीपी और दूसरे आतंकी संगठनों के ठिकाने किए गए हैं। पाकिस्तान लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार टीटीपी के आतंकियों को पनाह देती है।

खुफिया जानकारी पर आधारित था ऑपरेशन : पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने स्थानीय मीडिया 'डॉन न्यूज' के हवाले से पुष्टि की है कि यह हमला पूरी तरह से सुनियोजित और खुफिया जानकारी पर आधारित था। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने सीमावर्ती इलाकों में उन ठिकानों को निशाना बनाया, जहां से पाकिस्तान विरोधी गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। यह ऑपरेशन रविवार की देर रात शुरू हुआ और इसने सीमा के दोनों तरफ हड़कंप मचा दिया है। सूचना मंत्री तरार के अनुसार, यह सख्त कार्रवाई हाल के दिनों में पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में हुई आतंकी घटनाओं के मद्देनजर की गई है। हाल ही में खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान और कराची जैसे शहरों में निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाया गया था। पाकिस्तान ने आरोप लगाया है कि इन हमलों की साजिश सीमा पार से रची जा रही थी, जिसके बाद सरकार ने जवाबी कार्रवाई का फैसला लिया।

गैस संकट से जूझ रहा पाकिस्तान, अब ईरान से है बड़ी उम्मीद

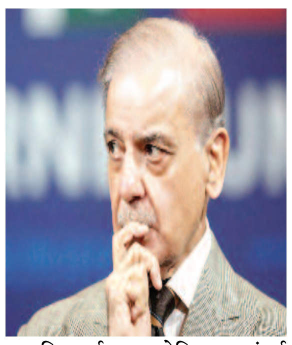

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान पिछले कुछ वक्त से गैस की समस्या से जूझ रहा है। पाकिस्तान के अर्थशास्त्री महमूद रसूल ने कहाकि वहां के अधिकांश हिस्सों में इस समय गैस की गंभीर कमी है। उन्होंने आगे कहाकि सरकार संकट के कारण खासकर पंजाब में उपभोक्ताओं को दिन में कुछ घंटे के लिए गैस दे रही है। इस समस्या से निबटने के लिए पाकिस्तान की नजरें अब ईरान की तरफ लगी हुई हैं। गौरतलब है कि पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान युद्ध रुकवाने में अहम भूमिका निभाई। अब वह शांति समझौते का फायदा उठाने की तैयारी में है।

गौरतलब है कि अमेरिका ने अस्थायी तौर पर प्रतिबंधों को आसान कर दिया है। उसने 60 दिन की छूट जारी की है जो ईरान को विशिष्ट शर्तों के तहत कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद एक्सपोर्ट करने की अनुमति देती है। हालांकि यह प्रतिबंधों की स्थायी छूट नहीं है और यह छूट अमेरिका-ईरान वार्ताओं के परिणाम के आधार पर नवीनीकृत या समाप्त की जा सकती है। इस फैसले के बाद, कई जगहों से ईरान से सस्ता तेल और गैस खरीदने की मांग उठी है ताकि आम जनता को फायदा हो सके।

पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने लाहौर में कहाकि ईरान-अमेरिका संघर्ष समाप्त होने के बाद खाड़ी क्षेत्र में शांति बहाल हुई है। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोलियम की कीमतों में गिरावट आई है। उन्होंने कहाकि हम ईरान से सस्ते दामों में तेल और गैस आयात करने के विकल्प पर विचार कर रहे हैं। मलिक ने कहाकि पाकिस्तान सरकार अंतरराष्ट्रीय समझौतों और दायित्वों के अनुसार काम करना जारी रखेगी।

इस दौरान मंत्री ने आरोप लगाया कि कुछ तत्व पेट्रोलियम की कीमतों के बारे में जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहाकि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने यह सुनिश्चित किया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की कम कीमतों का फायदा तुरंत जनता तक पहुंचे। अमेरिका-ईरान युद्ध के समय पाकिस्तान में पेट्रोलियम की कीमतें 414 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ गई थीं। वर्तमान में, पेट्रोल की कीमत 300 रुपए प्रति लीटर है।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद हुई तबाही के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, मृतकों की संख्या बढ़कर 1450 हुई

काराकस, एजेंसी। वेनेजुएला नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने कहा कि वेनेजुएला में बुधवार को आए दो शक्तिशाली भूकंपों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,450 हो गई है। नेशनल इमरजेंसी पर सरकार के नए अपडेट में रोड्रिगेज ने कहा कि 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद, वेनेजुएला में 430 हल्के से मध्यम झटके रिकॉर्ड किए गए हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इससे पहले शनिवार को उन्होंने सरकारी टेलीविजन पर कहा था कि इस आपदा से 3,238 लोग घायल हुए हैं और 3,142 परिवार प्रभावित हुए हैं। वेनेजुएला के अधिकारियों की ओर से, रोड्रिगेज ने इस प्राकृतिक आपदा के हजारों पीड़ितों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई। उन्होंने कहा कि हजारों लोग अभी भी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। इस बीच, वेनेजुएला फाउंडेशन फॉर सीस्मोलॉजिकल रिसर्च ने शनिवार को बताया कि दक्षिण अमेरिकी देश के मध्य क्षेत्र में 4.1 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया, जिससे इस हफ्ते की शुरुआत में आए दो विनाशकारी भूकंपों के बाद पहले से ही परेशान लोग और तकलीफ में आ गए। राज्य की भूकंप एजेंसी ने कहा कि ताजा झटके का केंद्र ला गुएरा से लगभग 35 किमी पश्चिम में था, जो सेंट्रल कोस्ट पर एक मुख्य पोर्ट शहर है, जिसे बुधवार को आए दो शक्तिशाली भूकंपों से हुए भारी नुकसान के बाद डिजास्टर जोन घोषित कर दिया गया है। एजेंसी ने बताया कि भूकंप 5 किमी की कम गहराई पर आया, जिससे आम तौर पर जमीन का कंपन बढ़ जाता है और स्ट्रक्चरल डैमेज का खतरा भी बढ़ता है। काराकास और आस-पास के इलाकों में रहने वालों ने बताया कि उन्हें भूकंप के झटके महसूस हुए और कई लोग बिल्डिंग के और गिरने के डर से बाहर भागे। यह भूकंप बुधवार को इस इलाके में दो बड़े भूकंप के झटकों के कुछ ही दिन बाद आया है। पिछले हफ्ते 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंप से बहुत ज्यादा तबाही हुई, जिसमें बिल्डिंग गिरना, भूस्खलन और मौतें शामिल थीं। अधिकारियों को राहत के कामों में तालमेल बिठाने में मुश्किल हो रही है, क्योंकि बचाव दल तटीय और पहाड़ी इलाकों में प्रभावित समुदायों तक पहुंचने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

फ्रांस में 'स्काइडाइविंग' विमान दुर्घटनाग्रस्त, 11 लोगों की मौत, सऊदी हेलीकॉप्टर क्रैश में 14 की गई जान

नैंसी (फ्रांस), एजेंसी। उत्तर-पूर्वी फ्रांस में रविवार को 'स्काइडाइविंग' में इस्तेमाल होने वाला एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे इसमें सवार सभी 11 लोगों की मौत हो गई. यह जानकारी एक अधिकारी ने दी. मर्थ-ए-मोसेल क्षेत्र के अधिकारी यवेस सेगुई ने दुर्घटनास्थल के पास पत्रकारों को बताया कि विमान स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 11 बजे नैंसी शहर के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ. उन्होंने कहा कि आपातकालीन सेवाओं के कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और अधिकारी चश्मदीदों के बयान दर्ज कर रहे हैं.

हादसे की असली वजह सामने नहीं आई : फिलहाल हादसे की असली वजह सामने नहीं आई है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि विमान तकनीकी खराबी, मौसम या किसी अन्य कारण से क्रैश हुआ. ब्लैक बॉक्स और अन्य तकनीकी डेटा की जांच के बाद ही दुर्घटना की असली वजह साफ हो पाएगी यह हादसा फ्रांस के हालिया सबसे गंभीर विमान हादसों में से एक माना जा रहा है. गृह मंत्रालय ने बताया कि गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज़ घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं. पुलिस ने लोगों से साल्वाडोर अलेंदे स्ट्रीट इलाके से पूरी तरह दूर रहने को भी कहा था. पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आपातकालीन सेवाओं और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए रास्ता साफ़ रखने के लिए, घटनास्थल पर न जाएं. उनकी कार्रवाई में सहयोग करने के लिए धन्यवाद।

सऊदी अरब में क्रैश हुआ हेलीकॉप्टर : सऊदी अरब की सरकारी समाचार एजेंसी ने रविवार को बताया कि सऊदी अरब की बड़ी तेल कंपनी 'अरामको' का एक हेलीकॉप्टर देश के 'रास तनूरा' इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई. हेलीकॉप्टर दुर्घटना का कारण अभी पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच चल रही है. 'रास तनूरा' में पश्चिम एशिया क्षेत्र की सबसे बड़ी रिफाइनरी है और इसे सऊदी अरामको ही चलाती है.सऊदी प्रेस एजेंसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस दुर्घटना में मारे गए सभी लोग सऊदी अरब के नागरिक थे. पूर्वी फ्रांस में रविवार को नैन्सी शहर के निकट टॉमब्लेन इलाके में यह विमान हादसा हुआ है। इसमें पायलट समेत 11 लोगों सवार थे।

सभी की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त विमान पैराशूटिंग सिखाने वाले एक स्कूल का है। हादसे पर जानकारी देते हुए स्थानीय प्रशासन ने बताया कि इस दुर्घटना में विमान पायलट समेत विमान में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, विमान में सवार सभी लोग स्काई डाइविंग के लिए जा रहे थे। इस दौरान स्थानीय पुलिस ने लोगों से टॉमब्लेन हवाई अड्डे वाले इलाके से दूर रहने का निर्देश दिया है।

विश्व युद्ध का खतरा टला? अमेरिका और ईरान हमले रोकने पर सहमत, कतर में होगी 'होर्मुज' पर महाबैठक

दोहा , एजेंसी। पश्चिम एशिया में मंडरा रहे युद्ध के बादलों के बीच एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। लंबे समय से एक-दूसरे के धुर विरोधी रहे अमेरिका और ईरान अब आपसी सैन्य हमलों को रोकने पर सहमत हो गए हैं। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देशों के बीच तनाव अपने चरम पर था और दुनिया एक बड़े सैन्य टकराव की आशंका से सहमी हुई थी।

सीजफायर के बाद भी जारी थे हमले : अमेरिका और ईरान के बीच अभी हाल ही में सीजफायर लागू हुआ था, लेकिन उसके बाद भी पिछले 24 घंटों के भीतर ही दोनों ओर से एक-दूसरे के ठिकानों पर फिर से हमले किए गए, जिससे इस समझौते के टूटने का खतरा पैदा हो गया था। हालांकि, अब 'एक्सियोस' की एक रिपोर्ट में वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया है कि दोनों पक्ष फिलहाल 'काइनेटिक एक्टिविटी' यानी सैन्य हमलों और आक्रामक कार्रवाइयों को पूरी तरह से रोकने के लिए राजी हो गए हैं।

कतर में होगी निर्णायक बैठक : तनाव को कम करने की दिशा में अगला बड़ा कदम कतर की राजधानी दोहा में उठाया जाएगा। मंगलवार को दोनों पक्षों के प्रतिनिधिमंडल एक मेज पर बैठेंगे ताकि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को लेकर जारी विवाद का स्थायी समाधान निकाला जा सके। होर्मुज जलमार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए जीवन रेखा माना जाता है और इस पर नियंत्रण को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से तनातनी चल रही है।

ट्रंप की चेतावनी : इस समझौते से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बेहद कड़ा रुख अख्तियार किया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान नहीं सुधरा तो वे युद्ध को दोबारा शुरू कर 'काम पूरा कर देंगे' और ईरान को दुनिया के नक्शे से मिटा देंगे। वहीं, दूसरी ओर ईरान ने भी पलटवार करते हुए साफ कर दिया था कि यदि अमेरिका ने सीजफायर का उल्लंघन किया, तो भविष्य की सभी कूटनीतिक बातचीत और रास्ते पूरी तरह बंद कर दिए जाएंगे।

होर्मुज में जहाजों की आवाजाही को लेकर राहत : समझौते का एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि बातचीत की प्रक्रिया जारी रहने के दौरान होर्मुज में जहाजों की आवाजाही बिना किसी रोक-टोक के हो सकेगी। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, दोनों पक्ष फिलहाल पीछे हटने को तैयार हैं ताकि कतर में होने वाली बातचीत के लिए अनुकूल माहौल बनाया जा सके। हालांकि, इस पूरे मामले पर अभी तक ईरान का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, जिससे स्थिति अभी भी थोड़ी संवेदनशील बनी हुई है।

लोकतंत्र बहाल करने के लिए लौटूंगी बांग्लादेश: शेख हसीना

ढाका, एजेंसी। भारत में लंबे समय से निर्वासन में रह रही बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने वतन वापसी का बड़ा दावा किया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि इसी साल वह बांग्लादेश वापस जाएंगी। उन्होंने बताया कि इस वापसी में उनकी कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं है। वे बांग्लादेश में कानून के शासन, लोकतंत्र और लोगों के राजनीतिक अधिकार की बहाली के लिए वापस जाएंगी। इंटरव्यू के दौरान हसीना ने बांग्लादेश में उनकी पार्टी अवामी लीग पर लगे प्रतिबंधों, अंतरिम सरकार, बांग्लादेश की राजनीति, अपने खिलाफ मौत की सजा, देश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों और भारत में निर्वासन पर विस्तार से बात की है।

कार्यकर्ताओं को दिया संदेश : शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के एक्स हैंडल पर बांग्लादेश वापसी की जानकारी देते हुए पोस्ट किया गया। पोस्ट में लिखा कि पार्टी के 77वें साल पर हमारे नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के लिए मेरा संदेश साफ है। एकजुट रहें और लोगों के साथ खड़े रहें। हर गांव, हर मोहल्ले, हर वार्ड और हर यूनियन में लोगों के साथ अपने रिश्ते को मजबूत करें। सताए हुए लोगों का साथ दें।

आगे उन्होंने लिखा कि अल्पसंख्यकों, महिलाओं, बच्चों, मेहनतकश लोगों, गरीबों और हाशिए पर रहने वाले लोगों की सुरक्षा और सम्मान के मामले में कोई समझौता न करें। अवामी लीग की राजनीति बदले की भावना वाली नहीं है। यह अधिकारों, सुरक्षा, सम्मान और विकास की राजनीति है। अवामी लीग लोगों के साथ थी, लोगों के साथ है और लोगों के साथ रहेगी। लोगों की ताकत से अवामी लीग फिर से आगे बढ़ेगी।

मौत से नहीं डरतीं: शेख हसीना : मौत की सजा पर शेख हसीना ने बताया कि वे मौत से नहीं डरतीं। उन्होंने बताया कि 1975 में मैंने अपना परिवार खोया है। मुझ पर भी 21 अगस्त को ग्रेनेड से हमला हुआ था। मेरे खिलाफ कई बार साजिश रची गई, फिर भी मैं लोगों के साथ खड़ी रही। बांग्लादेश की जनता ने मुझे 5 बार देश का प्रधानमंत्री चुना। अपने कार्यकाल में मैंने देश के विकास के लिए बहुत काम किया।

विपक्ष पर लगाया गंभीर आरोप : इंटरव्यू में शेख हसीना ने बताया कि उनके खिलाफ कोर्ट से जो फैसला आया था, वह राजनीतिक बदले की भावना से किया गया था। उन्होंने इसे अवामी लीग पार्टी को कमजोर करने और नेतृत्व खत्म करने की साजिश बताया। बांग्लादेश सरकार की मौजूदा व्यवस्था पर भी शेख हसीना ने कई सवाल खड़े किए। हसीना ने सरकार पर आरोप लगाया कि देश का लोकतंत्र कमजोर हो गया है। वहां आम लोगों की सुरक्षा खतरे में है। कानून का शासन नहीं है। देश की अर्थव्यवस्था भी कमजोर हुई है। इस दौरान पूरे देश में अल्पसंख्यकों पर लगातेर हमले बढ़े हैं। उन्होंने बताया कि अवामी लीग के कार्यकर्ताओं और नेताओं पर कार्रवाई की गई।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख की चेतावनी: यूरोप में हीटवेव से हुई 1300 से अधिक 'अतिरिक्त' मौतें

जिनेवा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस एडनॉम गेब्रियेसस ने यूरोप में पड़ रही भीषण गर्मी (हीटवेव) को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि यूरोप में गर्मियों की शुरुआत में आई यह अभूतपूर्व हीटवेव सैकड़ों अतिरिक्त मौतों के लिए जिम्मेदार हो सकती है। रविवार को पूरे महाद्वीप में तापमान के कई रिकॉर्ड टूट गए, और भीषण गर्मी का यह दौर अब पूर्वी यूरोप की ओर भी बढ़ता जा रहा है। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर किए गए एक पोस्ट में डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस ने बताया कि 21 जून के बाद से यूरोप में 'उच्च तापमान से जुड़ी' 1,300 से अधिक अतिरिक्त मौतों के मामले दर्ज किए गए हैं। अनुकूल नहीं हैं इमारतें: टेड्रोस ने कहा कि गर्मी से होने वाले शारीरिक तनाव को अक्सर 'साइलेंट किलर' (खामोश कातिल) कहा जाता है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि यूरोप के घर, दफ्तर और स्कूल इतने अधिक तापमान को सहने के लिए तैयार नहीं किए गए हैं। दोगुनी रफ्तार से गर्म हो रहा यूरोप: उन्होंने चेतावनी दी कि यूरोप पृथ्वी का सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप है। यहां तापमान में बढ़ोतरी की रफ्तार वैश्विक औसत की तुलना में दोगुनी है। टूट रहे रिकॉर्ड: यूरोप में पड़ रही इस भीषण गर्मी के कारण जर्मनी, पोलैंड और चेक रिपब्लिक जैसे देशों में भी तापमान के नए रिकॉर्ड दर्ज किए गए हैं।

फ्रांस में सबसे ज्यादा असर, 1000 से अधिक मौतें : भीषण गर्मी का सबसे घातक असर फ्रांस में देखने को मिल रहा है। रविवार सुबह फ्रांस के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार

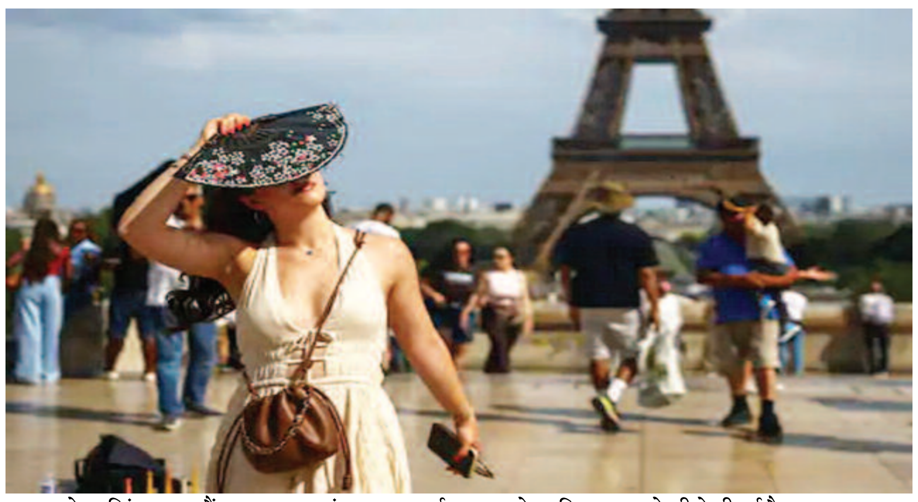

हालात बेहद चिंताजनक हैं: बुधवार से अब तक देश में अपेक्षा से करीब 1,000 अधिक मौतें दर्ज की गई हैं। इन अतिरिक्त मौतों में सबसे बड़ी संख्या 65 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों की है। गर्मी के कारण घरों के भीतर होने वाली मौतों की संख्या में 40 प्रतिशत तक की भारी बढ़ोतरी देखी गई है।

डब्ल्यूएचओ की चेतावनी : विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने चेतावनी दी है कि यूरोप दुनिया का सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप है। यह वैश्विक औसत से दोगुनी रफ्तार से गर्म हो रहा है। उन्होंने बताया कि फिलहाल 15 करोड़ लोग भीषण गर्मी में रह रहे हैं। स्कूलों को बंद करना पड़ा है और बिजली ग्रिड फेल हो रहे हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के बिना इतनी भीषण गर्मी और उमस मुमकिन नहीं थी।

तापमान के टूटे रिकॉर्ड : जर्मनी, पोलैंड और चेक गणराज्य में गर्मी के पुराने रिकॉर्ड टूट गए हैं। जर्मनी के नीसेमुंडे में तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। चेक गणराज्य में अब तक का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया, जहां पारा 41.9 डिग्री तक चला गया। पोलैंड में भी तापमान 40.5 डिग्री के रिकॉर्ड स्तर पर रहा।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)